શુભ લાભ

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | रविवार, 07 दिसंबर, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-8 रु. | वर्ष-7 | अंक-333

महेश बैंक चुनाव : मतदान आज

13-1 या 12-2

महेश बैंक चुनाव 2025-2030 के लिए मतदान रविवार, 7 दिसंबर को सुबह 9.00 बजे से शाम 5.00 बजे तक होगा। इसके लिए कुल 78 मतदान केंद्रों की व्यवस्था की गई है। रविवार को होने वाले मतदान के नतीजों की घोषणा मतगणना के बाद होगी, लेकिन कयासों का दौर शुरू हो गया है। जानकारों का मानना है कि यदि पिछली बार की तरह इस बार भी 40 प्रतिशत के आसपास मतदान हुआ तो संस्थापक पैनल एकतरफा (13-1 या 12-2) जीत हासिल कर सकता है और यदि प्रतिशत 10 तक घटा यानि 30 प्रतिशत ही पोलिंग हुई तो 8-6 या 9-5 का स्कोर बन सकता है। हालांकि इसकी उम्मीद काफी कम है। पिछली बार 2020 में मात्र 12,600 की पोलिंग हुई थी और मतदाताओं की संख्या मात्र 32,700 ही थी। 2020 से 2025 के बीच मतदाताओं की संख्या 37,142 हो गई और पिछली बार के गोल्ड लोन मतदाता (923) भी इसमें शामिल है। इस हिसाब से 40 प्रतिशत मतदान हुआ तो 14000 से अधिक वोट पड़ेंगे और ऐसे में सत्तापक्ष यानि संस्थापकों को इसका पूरा लाभ मिलने की उम्मीद है।

चुनाव अधिकारियों के अनुसार 01 से 10 संख्या वाले मतदान केंद्र गुंटूर (235 वोट), राजमहेन्द्री (214), विजयवाडा (290), विशाखापट्नम (325), मुंबई (278), भीलवाड़ा (144), जयपुर (263), करीमनगर (298), खम्मम (649) व वरंगल (410 वोट) स्थित बैंक की शाखाओं में होंगे, जहाँ 3106 मतदाता हैं। इन केंद्रों पर बमुश्किल 25 प्रतिशत मतदान होता है। इसमें खम्मम ही एक ऐसा मतदान केंद्र है, जहाँ 40-50 फीसदी वोटिंग होती है। कुल मिलाकर हैदराबाद से बाहर के जो मतदान केंद्र है, वहाँ 700 के करीब वोट पडेंगे। शहर के एक्जीबिशन ग्राउंड स्थित सरोजिनी नायुडू वनिता कालेज में कुल 40 केंद्र होंगे, जिनमें 1 से 48,089 सदस्य (मेंबरशिप संख्या) मतदान कर सकेंगे। प्रत्येक मतदान केंद्र में सिर्फ 500 सदस्य ही अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकेंगे। पिछली बार यह शिकायत थी कि कुछ केंद्रों में जान बूझकर 1000-1500 सदस्यों के मतदान की व्यवस्था गई थी, जिसके कारण भारी भीड हो गयी और कई मतदाताओं को बिना वोट डाले ही लौटना पडा। हालांकि सभी उम्मीदवारों को मतदान से पहले ही चुनाव अधिकारियों ने सारी व्यवस्था की विस्तार से जानकारी दे दी थी, सब संतुष्ट भी थे। किन्तु जैसे ही मतदान केंद्र पर भारी भीड दिखी और कुछ लोग बेरंग लोटे तो आरोप - प्रत्यारोप शुरू हो गये। फाउंडर पैनल ने हार के बाद इसे साजिश बताते हुए कहा कि

उनके वोटरों को रोकने के लिए ऐसा किया गया था। खैर, इस बार सिर्फ 78 नंबर बूथ पर ही 536 लोगों

संस्थापक फिर से...!

का इंतजाम है, बाकी सभी केंद्रों में अधिकतम 500 वोट ही डाले जाएंगे।

एक्जीबिशन ग्राउंड में ही स्थित कमला नेहरू टेक कालेज में बूथ संख्या 41 से 78 होंगे, जहाँ मतदाता क्रमांक 48,093 से 84,122 तक मतदान कर सकेंगे। इस बार योग्य उम्मीदवारों की कुल संख्या 37,142 हैं। पिछली बार 2020 में यह संख्या 32,700 के करीब थी। 923 वोटों को अंतिम समय में गोल्ड लोन के जरिये जोडे जाने और हार के लिए इसी को जिम्मेदार ठहराते हुए काफी हंगामा मचाया गया था। चुनावी इतिहास में संभवतः पहली बार चलती मतगणना को रूकवा दिया गया , हालांकि दूसरे या तीसरे दिन मतगणना की प्रक्रिया पूरी हुई और नतीजों को मुहरबंद कर अदालत में जमा करवाना पडा। तत्-पश्चात अदालतबाजी का लंबा दौर चला और फिर कोर्ट के निर्देश पर ही नतीजों की घोषणा हुई। इस बार भी गोल्ड लोन वाले वोटर शामिल हैं , साथ ही पिछली बार से इस बार मतदाताओं की संख्या 4442 बढ गई है। पिछले चुनाव में श्रीमती भगवती देवी बल्दवा को 7575 वोट मिले थे, जबकि उनके पैनल के श्री कैलाश नारायण भाँगडिया (7,170), श्रीमती अनिता सोनी (7,021), श्री भगवान पंसारी (6,736) व श्री अरुण कुमार भाँगडिया (6,689) को 7,000 के आसपास वोट मिले थे। फाउंडर पैनल के 5 प्रत्याशी विजयी हुए थे।

उधर, श्री रमेश कुमार बंग को सर्वाधिक 7,852 वोट मिले, जबकि उनके पैनल के सीए मुरली मनोहर पल्लोड़ को 7,273, श्री लक्ष्मी नारायण राठी (7,195), श्री पुरुषोत्तम मानधना (7,148), श्री गोविन्द नारायण राठी (7053) को 7,000 से अधिक वोट मिले थे, जबकि इसी पैनल के श्री राम प्रकाश भंडारी(6,963), श्री ब्रजगोपाल असावा (6767), श्रीमती पुष्पा बूब (6,726), श्री बद्री विशाल मूँदडा (6,588) व श्री प्रेम कुमार बजाज (6,499) को 6,500 के करीब वोट हासिल हुए और संस्थापक पैनल के 10 उम्मीदवार जीते थे। पिछले चुनाव में करीब 12,600 की पोलिंग हुई, जो कुल वोटों 32,600 का लगभग 40 प्रतिशत है। इस बार चूँकि 37,142 वोट है और अमूमन 40 फीसदी ही वोट पडे तो 14,800 तक पोलिंग हो सकती है। यदि ऐसा हुआ तो निश्चित रूप से संस्थापक पैनल 13-1 या 12-2 से विपक्ष का सूपडा साफ कर देगा। श्री कैलाश नारायण भाँगडिया निसंदेह सर्वाधिक वोट पाएंगे, लेकिन उनके पैनल के अन्य प्रत्याशी दूर-दूर तक भी नजर नहीं आएंगे। हाँ अगर वोट प्रतिशत 30 के आसपास रहा तो मुकाबला टक्कर का तो होगा, फिर भी जितेगा बंग पैनल ही। आँकडा 8-6 या 9-5 तक जा सकता है। 11,000 से कम पोलिंग फाउंडर के पक्ष में अच्छी रह सकती है।

'तथाकथित बुद्धिजीवियों' पर बरसे पीएम मोदी, कहा

गुलामी की मानसिकता से हिंदू सभ्यता पर हमला

नई दिल्ली, 06 दिसंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को एचटी लीडरशिप समिट 2025 के 23वें संस्करण को संबोधित किया। इस समिट के दौरान अपने संबोधन में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि वैश्विक आर्थिक मंदी और अनिश्चितताओं के बीच भी भारत दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है। उन्होंने बताया

भारत की बढ़ती अर्थव्यवस्था को कोई 'हिंदू रेट ऑफ ग्रोथ' नहीं कहता

कि जब दुनिया की ग्रोथ करीब 3% और जी7 देशों की 1.5% के आसपास है, तब भारत उच्च विकास और निम्न मुद्रास्फीति का मॉडल बनकर उभरा है। पीएम मोदी ने कहा कि पिछले दस सालों में भारत ने सिर्फ आँकड़ों में नहीं बल्कि सोच, आत्मविश्वास और आकांक्षाओं में भी बड़ा परिवर्तन किया है।

पीएम मोदी ने अपने संबोधन के दौरान 'हिंदू रेट ऑफ ग्रोथफ शब्दावली को लेकर भी तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा, आज भारत की जो तेज ग्रोथ हो रही है, क्या कहीं पर आपने पढ़ा, कहीं पर आपने सुना इसको कोई हिंदू रेट ऑफ ग्रोथ कहता है क्या? पीएम मोदी ने कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था को 'हिंदू रेट ऑफ ग्रोथफ तब कहा गया जब भारत 2-3% की ग्रोथ के लिए तरस गया था। उन्होंने कहा कि किसी देश की इकोनॉमी ग्रोथ को उसमें रहने वाली आस्था से जोड़ना गुलामी की मानसिकता का प्रतिबिंब था और पूरे समाज को गरीबी का पर्याय बना दिया गया। उन्होंने कहा, ये सिद्ध करने का प्रयास किया गया कि भारत की धीमी ▶10 पर

कार्टून कॉर्नर

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 1,32,510/-
(प्रति 10 ग्राम)
चाँदी : 1,84,100/-
(प्रति किलोग्राम)

इंडिगो पर डीजीसीए की कड़ी कार्रवाई

सीईओ पीटर एल्बर्स पर गिरी गाज, डीजीसीए ने भेजा नोटिस

नई दिल्ली, 06 दिसंबर (एजेंसियां)। इंडिगो के लगातार बिगड़ते हालात के बीच सरकार ने अब सख्त कदम उठा लिया है। डीजीसीए ने इंडिगो के सीईओ पीटर एल्बर्स को कारण बताओ नोटिस भेजकर 24 घंटे में जवाब देने को कहा है। एयरलाइन के भारी पैमाने पर हो रहे कैंसिलेशन और देरी से यात्रियों को बड़ी परेशानी झेलनी पड़ रही है।

डीजीसीए ने कहा कि रोजाना सैकड़ों फ्लाइट रद होने और देरी के चलते यात्रियों को भारी तकलीफ और परेशानी हुई है। नोटिस के मुताबिक, इंडिगो में चल रही अव्यवस्था की मुख्य वजह यह है कि एअरलाइन ने अपनी टीम और सिस्टम को उस तरह तैयार नहीं किया, जैसा

अनुमोदित एफडीटीएल (फ्लाइट ड्यूटी टाइम लिमिटेशन) नियमों के सुचारू संचालन के लिए जरूरी था। नियामक ने इसे योजना, निगरानी और संसाधन प्रबंधन में बड़ी चूक बताया।

नोटिस में कहा गया है कि कैंसिलेशन, लंबी देरी और बोर्डिंग से इनकार की स्थिति में इंडिगो यात्रियों को आवश्यक जानकारी और सुविधाएं देने में विफल रही। डीजीसीए ने सीईओ पीटर एल्बर्स को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि उन्होंने यह सुनिश्चित नहीं किया कि एयरलाइन भरोसेमंद तरीके से चले और यात्रियों को उनके अधिकारों वाली सुविधाएं मिलें। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब इंडिगो की अव्यवस्था पांचवें दिन भी जारी है और बड़े एयरपोर्टों पर यात्रियों की परेशानियां बढ़ती जा रही हैं।

आज अकेले 850 से ज्यादा उड़ानें रद हुईं, जिससे पूरे नेटवर्क पर असर पड़ा। देशभर के कई शहरों में यात्रियों ने लंबी कतारों, छूटी कनेक्टिंग उड़ानों और बैगेज से जुड़ी दिक्कतों की शिकायतें कीं। परिस्थिति बिगड़ने पर नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने इंडिगो को निर्देश दिया है कि सभी लंबित रिफंड रविवार शाम तक पूरे किए जाएं और यात्रियों का बिछड़ा सामान दो दिनों में वापस पहुंचाया जाए।

मंत्रालय ने इंडिगो से कहा है कि यात्री सहायता और रिफंड निपटान के लिए विशेष सेल बनाकर रियल-टाइम अपडेट दिए जाएं। आज इंडिगो के वरिष्ठ अधिकारियों ने मंत्रालय के साथ बैठक कर अपने ▶10 पर

रेलवे की बड़ी सौगात

सीनियर सिटीजन और महिलाओं को ऑटोमैटिक मिलेगी लोअर बर्थ

नई दिल्ली, 06 दिसंबर (एजेंसियां)।

भारतीय रेलवे ने साफ किया है कि सीनियर सिटीजन और 45 साल से अधिक उम्र की महिलाओं को लोअर बर्थ देने की प्रक्रिया अब ऑटोमैटिक है। यदि टिकट बुक करते समय वे यह विकल्प चुनना भूल भी जाएं, तो भी उपलब्धता के आधार पर लोअर बर्थ उन्हें ही दी जाती है। यह जानकारी रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने राज्यसभा में लिखित जवाब में दी। रेल मंत्री ने बताया कि रेलवे ने अलग-अलग क्लास में लोअर बर्थ का खास कोटा तय कर रखा है।स्लीपर क्लास में 6-7 लोअर बर्थ, 3एसी में 4-5 लोअर बर्थऔर 2 एसी में 3-4 लोअर बर्थ। ये बर्थ केवल सीनियर सिटीजन, 45+ महिलाओं और गर्भवती महिलाओं के लिए आरक्षित रहते हैं। दिव्यांग यात्रियों और उनके अटेंडेंट के लिए भी सभी मेल/एक्सप्रेस, राजधानी और शताब्दी ट्रेनों में खास आरक्षण सुविधा है। नियमों के अनुसार, स्लीपर और 3एसी /3 ई में चार-चार बर्थ (दो लोअर+दो मिडिल) और 2 एस / सीसी में चार सीटें तय रहती हैं। ▶10 पर

निलंबित विधायक ने मस्जिद की नींव रखी

मौलवियों के साथ फीता काटा, 2 लाख से ज्यादा लोग मस्जिद के लिए ईंट लेकर पहुंचे

मुर्शिदाबाद/कोलकाता, 06 दिसंबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले के बेलडांगा में टीएमसी से निलंबित विधायक हुमायूं कबीर ने शनिवार को अयोध्या की बाबरी मस्जिद की तर्ज पर बनने वाली मस्जिद की आधारशिला रखी। कबीर ने कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच मंच पर मौलवियों के साथ फीता काटकर औपचारिकता पूरी की। इस दौरान नारा-ए-तकबीर, अल्लाहु अकबर के नारे लगाए गए। कार्यक्रम में 2 लाख से ज्यादा लोगों की भीड़ जुटी। बंगाल के अलग-अलग जिलों से आए लोगों में कोई अपने सिर, कोई ट्रैक्टर-ट्रॉली तो कोई रिक्शा या वैन से ईंट लेकर कार्यक्रम स्थल पर पहुंचा था।

कार्यक्रम को लेकर बेलडांगा समेत आसपास का इलाका शनिवार को सुबह से हाई अलर्ट पर है। बेलडांगा और उसके आसपास सेंट्रल आर्म्ड फोर्स की 19 टीमें, रैपिड एक्शन फोर्स, बीएसएफ, स्थानीय पुलिस की कई टीमों समेत 3 हजार से ज्यादा जवान तैनात हैं।

हुमायूं कबीर ने 25 नवंबर को कहा था कि वे 6 दिसंबर को अयोध्या में विवादित ढांचे के विध्वंस के 33 साल पूरे होने पर बाबरी मस्जिद की आधारशिला रखेंगे। टीएमसी ने 4 दिसंबर को हुमायूं कबीर को पार्टी से सस्पेंड कर दिया था।

कार्यक्रम से पहले हुमायूं कबीर ने शनिवार को कहा था कि हिंसा भड़काकर कार्यक्रम को बाधित करने की साजिशें रची जा रही हैं, लेकिन मैं बेलडांगा में मस्जिद की नींव रखूंगा। कोई भी ताकत इसे रोक नहीं सकती। हम कलकत्ता हाईकोर्ट के आदेशों का पालन करेंगे।

कोलकाता हाईकोर्ट ने शुक्रवार को मस्जिद निर्माण पर रोक लगाने से इनकार किया था। कोर्ट ने कहा- कार्यक्रम के दौरान शांति बनाए रखने की जिम्मेदारी राज्य सरकार की होगी। ▶10 पर

16 साल से पेंडिंग एसिड अटैक केस पर एससी ने खूब सुनाया

राष्ट्रीय शर्म की बात है...

देशभर में 844 एसिड अटैक केस लंबित

नई दिल्ली, 06 दिसंबर (एजेंसियां)। एसिड अटैक मामले में सुप्रीम कोर्ट ने 16 साल से अधिक की इस देरी पर आश्चर्य जताया। चीफ जस्टिस

सूर्यकांत की अगुआई वाली बेंच ने कहा कि अपराध 2009 का है और ट्रायल अभी तक पूरा नहीं हुआ। अगर राष्ट्रीय राजधानी ऐसी चुनौतियों से नहीं निपट सकती, तो कौन निपटेगा? यह सिस्टम के लिए शर्म की बात है! चीफ जस्टिस ने सभी हाई कोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल को उनके क्षेत्राधिकार में पेंडिंग एसिड अटैक मामलों का डेटा चाह हफ्ते में मुहैया कराने का निर्देश दिया। इस मामले में याचिकाकर्ता खुद पीड़ित हैं और व्यक्तिगत तौर पर अदालत में पेश हुईं। उन्होंने कहा कि 2013 तक मामले में कोई कार्रवाई नहीं हुई थी। ट्रायल रोहिणी कोर्ट में चल रहा है और अब आखिरी स्टेज पर है। यह भी मामला अदालत में उठा कि एसिड फेंका ही नहीं जाता बल्कि पीड़ित को जबरन पिलाया भी जाता है। ऐसे पीड़ितों को लंबी अवधि की गंभीर अक्षमता का सामना करना पड़ता है। कई चल भी नहीं सकते, और आर्टिफिशल फीडिंग ट्यूब पर निर्भर रहते हैं। ▶10 पर

जैन समाज राजनीति की ओर कदम बढ़ाए: सईद अहमद

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक सरकार में राज्यमंत्री का दर्जा प्राप्त एवं डी. देवराज उर्स ट्रक टर्मिनल्स के चेयरमैन सईद अहमद से जैन समाज के प्रतिनिधियों ने शिष्टाचार भेंट की। अहमद ने इस दौरान प्रतिनिधियों से कहा कि समाज सेवा एवं जीव दया में हमेशा अग्रणी रहने वाला जैन समाज राजनीति में उतना सक्रिय नहीं है। उन्होंने कहा कि व्यापारिक गतिविधियों में जैन समाज ने पूरी दुनिया में परचम लहराया है और अग्रिम पंक्ति में खड़ा है परंतु राजनीति में समाज का प्रतिधित्व नगण्य है। साथ ही उन्होंने प्रतिनिधि मंडल से कहा कि अगर जैन समाज राजनीति में सक्रिय होता है अपनी सोच एवं विचारों से जनता जनार्दन के लिये नये आयाम लिख सकता है अत समाज को इस क्षेत्र में सक्रिय भूमिका निभानी होगी। प्रतिनिधि मंडल में शामिल कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस समिति अल्पसंख्यक के प्रदेश उपाध्यक्ष सिद्धार्थ बोहरा ने अहमद से कहा कि नि संदेह जैन समाज अपनी व्यापारिक गतिविधियों पर ही ज्यादा ध्यान देता है परंतु अब समय की मांग के अनुसार राजनीति में कदम बढ़ाने को आतुर है। उन्होंने इस क्षेत्र में आगे बढ़ने में उनके सहयोग का अनुरोध किया। प्रतिनिधि मंडल में शामिल श्रीरामपुरम श्री संघ के अध्यक्ष ताराचंद जैन ने सईद अहमद से अनुरोध किया कि जैन समाज के राजनीति में सक्रिय कार्यकर्ताओं को सरकारी निगम मंडलों में उचित स्थान दिलाएं, ताकि राजनैतिक रूप से उनके साथ न्याय हो सके। प्रतिनिधी मंडल में शामिल गुजराती समाज के अमीन ने अहमद से अनुरोध किया कि वो जैन समाज को राजनैतिक रूप से आगे बढ़ाने में गंभीरता से प्रयास करें। सईद अहमद ने प्रतिनिधि मंडल को हर प्रकार के सहयोग का आश्वासन दिया। जैन समाज के प्रतिनिधियों ने उनका सत्कार किया।

कर्नाटक के साहसिक कदमों से 2025 में साइबर अपराध 13,000 तक कम हुए

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। साइबर अपराध पर अंकुश लगाने के लिए कर्नाटक के दृढ़ प्रयास के 2025 में महत्वपूर्ण परिणाम मिले हैं, और मामले घटकर 13,000 रह गए हैं, जो पिछले वर्षों की तुलना में तेज कमी दर्शाता है। राज्य सरकार के साहसिक कदम जिसमें साइबर क्राइम डिवीजन के लिए एक समर्पित डीजीपी की नियुक्ति, सीईएन पुलिस स्टेशनों का विस्तार और हेल्पलाइन सेवाओं की शुरूआत शामिल है ने सामूहिक रूप से कर्नाटक पुलिस को डिजिटल धोखेबाजों के खिलाफ एक दुर्जेय बल में बदल दिया है। पूरे भारत में, साइबर अपराध लगातार बढ़ रहा है, कई शिक्षित व्यक्ति डिजिटल गिरफ्तारी और धोखाधड़ी वाली व्यापारिक योजनाओं जैसे घोटालों का शिकार हो रहे हैं। इस राष्ट्रीय उछाल के बीच, कर्नाटक में डिजिटल धोखाधड़ी के मामलों में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई है। गृह मंत्री डॉ. जी परमेश्वर ने आंकड़ों का खुलासा करते हुए इस बात पर जोर दिया कि 2023 और 2024 की तुलना में 2025 में मामलों की संख्या में काफी गिरावट आई है। एक अग्रणी कदम में, कर्नाटक विशेष रूप से साइबर अपराध प्रभाग के लिए पुलिस महानिदेशक नियुक्त करने वाला भारत का पहला राज्य बन गया, जो ऑनलाइन अपराधों के बढ़ते खतरे से निपटने के लिए एक मुखर दृष्टिकोण का संकेत देता है। अतिरिक्त सीईएन (साइबर इकोनॉमिक एंड नारकोटिक्स) पुलिस स्टेशनों के निर्माण ने भी अधिक पीड़ितों को डिजिटल धोखाधड़ी की रिपोर्ट करने के लिए प्रोत्साहित किया है, जिससे अधिकारियों को साइबर अपराध प्रवृत्तियों पर मजबूत नियंत्रण मिला है। कर्नाटक पुलिस ने परिष्कृत घोटालों में शामिल कई डिजिटल धोखेबाजों को सफलतापूर्वक गिरफ्तार किया है, जिनमें ऐसे समूह भी शामिल हैं जिन्होंने संयुक्त राज्य अमेरिका में व्यक्तियों पर 'डिजिटल गिरफ्तारी' की और उनके खातों से पैसे निकाले। गृह मंत्री ने कहा इन केंद्रित अभियानों और मजबूत साइबर अपराध बुनियादी ढांचे के लिए धन्यवाद, कर्नाटक पुलिस ऑनलाइन अपराधियों के लिए एक गंभीर निवारक बन गई है। कर्नाटक में साइबर अपराध के मामलों में पिछले कुछ वर्षों में उल्लेखनीय उतार चढ़ाव देखा गया है, 2022 में 12,550 मामले दर्ज किए गए, 2023 में 21,903 मामलों में तेज वृद्धि हुई, इसके बाद 2024 में 21,995 मामलों में मामूली वृद्धि हुई और फिर 2025 में 13,000 मामलों में उल्लेखनीय गिरावट आई। परमेश्वर ने कहा कि कर्नाटक का उन्नत साइबर अपराध ढांचा एक विशेष डीजीपी की नियुक्ति से लेकर सीईएन स्टेशनों और सक्रिय हेल्पलाइन सेवाओं के विस्तार तक डिजिटल धोखाधड़ी को रोकने में महत्वपूर्ण रहा है। राज्य अब प्रभावी साइबर अपराध रोकथाम के एक राष्ट्रीय उदाहरण के रूप में खड़ा है, भले ही शेष भारत में मामलों में वृद्धि जारी है।

नेतृत्व की खींचतान में फंसी सरकार को चुनौती देने के लिए विपक्ष कमर कस रहा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। विपक्षी दल बेलगावी के शीतकालीन सत्र में नेतृत्व परिवर्तन भ्रम, सरकार में 63 प्रतिशत कमीशन के बारे में उपलोकायुक्त के बयान, विभिन्न विभागों में भ्रष्टाचार सहित कई मुद्दों को उठाकर सत्तारूढ़ कांग्रेस सरकार पर हमला करने के लिए तैयार हैं। सोमवार से बेलगावी के सुवर्णसौधा में होने वाले 10 दिवसीय शीतकालीन सत्र में प्रशासन और विपक्ष के बीच तीखी नोकझोंक होना लगभग तय है। विपक्षी पार्टियां बीजेपी और जेडीएस सरकार की नाकामियों को गिनाकर सत्ताधारी पार्टी को चुनौती देने की तैयारी में हैं। बदले में सत्ता पक्ष ने पिछली सरकारों के घोटालों को उजागर करने और विपक्ष को निहत्था करने की रणनीति बनाई है। राज्य सरकार, ढाई साल के सफल प्रशासन के शिखर पर, सोमवार से 10 दिवसीय बेलगावी शीतकालीन सत्र के रूप में अग्नि परीक्षा का सामना कर रही है। इसी तरह, यह ज्ञात है कि गारंटियों के कार्यान्वयन की कमी, विकास कार्यों की गैर प्राथमिकता और हस्तांतरण जैसे हथियारों ने सरकार को दुविधा में डाल दिया है। किसी भी मंत्री को विपक्षी दलों द्वारा उठाए गए किसी भी मुद्दे का जवाब देना चाहिए। उनके अलावा सभी विधायकों की भी उन्हें समर्थन देने की जिम्मेदारी तय की गई है। ऐसे में शीतकालीन सत्र सत्ता पक्ष और विपक्ष के आरोप-प्रत्यारोप से गर्म रहने की संभावना है। विपक्ष को सदन में पहले से ही कैसे बांधे रखें। इस संबंध में मुख्यमंत्री सिद्धरामैया और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार गुरुवार को हुई कैबिनेट बैठक में अपने मंत्रियों और विधायकों को जरूरी मार्गदर्शन दे चुके हैं। दोनों नेताओं ने सदन में एकजुटता दिखाने और उत्तर के विपक्ष को एकजुट करने का निर्देश दिया है। कांग्रेस ने पिछली भाजपा सरकार के दौरान हुए विभागवार घोटालों की एक सूची तैयार की है और मौखिक रूप से अपने कैबिनेट सहयोगियों को प्रत्येक पार्टी द्वारा लगाए गए प्रत्येक आरोप का जवाब देने का निर्देश दिया है। पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा और बसवराज बोम्मई के कार्यकाल में काफी भ्रष्टाचार हुआ था। सरकार की ओर से नियुक्त जांच आयोग की रिपोर्ट में यह बात सामने आई है, इसलिए विपक्ष अगर कोई मुद्दा उठाए तो सीएम ने दस्तावेज जमा कर जवाब देने का निर्देश दिया। इस सत्र में सरकार कुछ अहम बिल पेश करेगी। गुरुवार को हुई कैबिनेट की बैठक में इस बिल को पेश करने की प्रशासनिक मंजूरी दे दी गई है।

चादर महोत्सव में पधारने हेतु वसंत विजयानंद गिरी जी को विनती

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री जैन श्वेताम्बर खरतरगच्छ समुदाय के प्रथम दादा गुरुदेव श्री जिनदत्त सुरीश्वर के 871 वर्ष पुराने अग्निसंस्कार में नहीं जलने वाले चादर, चोलपट्टा और मुंहपत्ती का चादर महोत्सव 6 से 8 मार्च 2026 को स्वर्ण नगरी जैसलमेर में आयोजित किया जा रहा है। राष्ट्रीय स्तर के जैसलमेर चादर महोत्सव के वृहत आयोजन में पदार्पण की विनती लेकर चादर महोत्सव आयोजन समिति के सदस्य शंखेश्वर में कृष्णगिरी पीठाधीश्वर वसन्त विजयानंद गिरी जी महाराज की निश्रा में पहुंचे। गुरुवर ने इस अवसर पर कहा कि चादर महोत्सव प्रथम दादा गुरुदेव श्री जिनदत्त सुरीश्वर के प्रति श्रद्धा रखने वाले सभी जैन व अजैन श्रद्धालुओं का संयुक्त आयोजन है। यह दादा गुरुदेव का ही प्रभाव है कि आज उनके देवलोक के 871 वर्ष पश्चात भी गुरुदेव जनमानस में समाहित है। समिति के संयोजक तेजराज गुलेच्छा ने अपने संदेश में कहा कि चादर महोत्सव को हम सभी गुरु भक्तों को उत्सव के रूप में मनाना है। समिति के महामंत्री पदमचंद टाटिया ने कहा कि महोत्सव का उद्देश्य विश्व शांति के लिए प्रयास करना है और चादर महोत्सव के लिए पूरे देशभर में उत्साह का माहौल है। चादर समिति के सहमंत्री सुरेश लुनिया ने कहा कि इसमें देशभर में फैले करीब 30 हजार से अधिक भक्त खरतर गच्छाधिपति आचार्य श्री जिन मणिप्रभ सूरीश्वर जी की निश्रा में आगामी 6 से 8 मार्च को जैसलमेर में महोत्सव में भाग लेने की संभावना है। समिति के वित्त संयोजक कुशलराज गुलेच्छा ने बताया कि इसमें आने वाले श्रद्धालुओं को जैसलमेर में स्थित प्राचीन जैन ज्ञान भंडार, लोद्रवा पार्श्वनाथ तीर्थ, अमर सागर तीर्थ, ब्रह्मासर तीर्थ के दर्शन वंदन का लाभ भी मिल सकेगा। समिति के ललित डाकलिया ने बताया कि इस अवसर पर शंखेश्वर दादावाड़ी ट्रस्ट के पदाधिकारी और सदस्य उपस्थित थे। ट्रस्ट के समस्त पदाधिकारियों एवं सदस्यों को भी चादर महोत्सव में पधारने की विनती की गई। इस अवसर पर चादर महोत्सव के संयोजक संघवी तेजराज गुलेच्छा, जैसलमेर ट्रस्ट के अध्यक्ष महैन्द्र भंसाली, सह संयोजक संघवी वंशराज भंसाली, सह संयोजक प्रकाशचंद लोढा, महामंत्री पदमचंद टाटिया, नाकोड़ा के ट्रस्टी पुरुषोत्तम सेठिया, बाबूलाल लुनिया, माणकचन्द चोपड़ा, माणकचंद ललवाणी एवं अनेक पदाधिकारी और सदस्य उपस्थित थे।

एसएसएलसी छात्रों के लिए तीन परीक्षाएं

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक स्कूल परीक्षा और मूल्यांकन बोर्ड ने स्पष्ट किया है कि इस साल भी एसएसएलसी छात्रों के लिए तीन परीक्षाएं होंगी। हाल ही में केवल एसएसएलसी परीक्षा का पहला और दूसरा शेड्यूल प्रकाशित किया गया था। इस वजह से तीसरे टेस्ट को लेकर असमंजस की स्थिति बनी हुई थी। परीक्षा बोर्ड ने वर्ष 2025 26 के लिए एसएसएलसी और पीयूसी परीक्षा का पहला और दूसरा अनंतिम पाठ्यक्रम तैयार किया है और कार्यक्रम प्रकाशित किया है। इसमें कहा गया है कि उक्त परीक्षाओं के परिणाम की अवधि के आधार पर तीनों परीक्षाओं का कार्यक्रम प्रकाशित किया जाएगा। पिछले दो वर्षों से, कर्नाटक ने एसएसएलसी और पीयूसी के लिए तीन चरण की परीक्षा आयोजित करके राष्ट्रीय स्तर पर ध्यान आकर्षित किया है। एक ऐसा वातावरण बनाया गया है जहां छात्र परिणामों के डर के बिना परीक्षा दे सकते हैं। इस बार केवल दो परीक्षाओं का कार्यक्रम घोषित किया गया था और तीसरी परीक्षा के बारे में कोई संकेत नहीं दिया गया था जो भ्रम का कारण था।

मिगसर पूनम मेला का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। दक्षिण नाकोड़ा तीर्थ अर-सीकेरे परिसर में मिगसर पूनम मेला का आयोजन बड़े हर्षोल्लास के साथ आयोजित हुआ। मरुधर में खिवांदी हाल राणीबेन्नुर निवासी थानमल, सुखराज मल्लेशा परिवार ने पूनम मेला का संपूर्ण लाभ लेकर हजारों भक्तों के संघ के साथ तीर्थ धाम पहुंचकर सेवा पूजन का लाभ लिया। तुषार गुरुजी ने शुद्ध मंत्रोच्चार से पार्श्व भैरव महापूजन पढ़ाई। सुर सम्राट दिलखुश बाफणा के साथ प्रकाश राठोड, रिंकु बाफणा, कलिंगा कवाड के मधुर कंठ से बहा भक्ति गीतों को तीर्थ परिसर में संभव संगीत पार्टी ने संगीतमय बनाकर एकत्रित श्रद्धालुओं को नाचने पर मजबूर कर दिया। पूनम के परंपरागत भैरवदेव को छप्पनभोग, 108 श्रीफल, पूष्प अर्पण एवं तेल चढाना लाभार्थियों द्वारा हुआ। अरसीकेरे सहित बेंगलूरु, मैसूरु, चिकमंगलूरु, कडुर, होलेनरसीपुर, तिपटुर, तुमकुरु, शिवमोगा, हासन आदि क्षेत्रों से बड़ी संख्या में भक्त उपस्थित रहे। ट्रस्ट अध्यक्ष अशोक कुमार सुराना ने आगंतुकों का स्वागत कर पूनम मेला लाभार्थियों का बहुमान किया। ट्रस्टी मांगीलाल मेहता, डॉ. विजय कुमार सुराना, रमेश कटारिया, ज्ञानेश मेहता के साथ महावीर पिपाडा, ललित मेहता, प्रवीण परमार, राहुल कल्पवृक्ष, राजेश बंदामुथा सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

भविष्य स्वर्ग जैसा बनाना चाहते हैं तो वर्तमान को भी स्वर्ग जैसा बनाना होगा: साध्वी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। साध्वी भव्यगुणाजी ने मानव जीवन को चार रूप से समझाते हुए कहा कि मानव जीवन को बालु की रेत, पत्थर, वृक्ष व जवाहरात की उपमा दी गई है। हम इनमें से किस तरह के रूप का जीवन जी रहे है इस पर चिंतन मनन करना होगा। बालु की रेत का रूप मनुष्य का सबसे निकृष्ट स्तर है। ऐसा जीव अधर्मी होता है और दूसरों को कष्टदायी होता है। ऐसा जीवन जीने वाले को सुख नहीं मिल सकता। इसी तरह पत्थर समान जीवन जीने वाला जैसी संगत मिलती है वैसा बन जाता है। पत्थर मूर्तिकार के हाथ में आ जाए तो मूर्ति बन पूजनीय हो जाता और पत्थरबाज के हाथ में आ जाए तो दूसरों को नुकसान पहुंचाता है। वृक्ष के समान जीवन उपयोगी होता है। ऐसा जीवन जीने वाला परोपकारी व दूसरों का भला चाहने वाला होता है। जवाहरात जैसा जीवन जिनका होता है वह हमेशा दुनिया में चमकते रहते है और दुनिया उनका अनुसरण करने के लिए आतुर रहती है। ऐसे लोगों का जीवन आदर्श व अनुकरणीय होता है। धर्म की साधना करते हुए ऐसा जीवन जीए कि दुनिया से विदा होने के बाद भी लोग याद करे। जीवन रूपी दीये की बाती बुझे उससे पहले सद्गुणों की ऐसी रोशनी करें कि हम आत्मकल्याण का लक्ष्य प्राप्त कर सके। साध्वी शीतल-गुणा ने कहा कि मनुष्य की आत्मा ही परमात्मा है। भविष्य स्वर्ग जैसा बनाना चाहते हैं तो उसके लिए वर्तमान को भी स्वर्ग जैसा बनाना होगा। विहार सेवा का लाभ सुरेश पोरवाल रिंकु पोरवाल ने लिया।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। भगत सिंह युवा गर्जने संघ कुरूबरहल्ली द्वारा आयोजित अन्नम्मा देवी उत्सव में मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने देवी मां के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। साथ ही बच्चों में शिक्षण सामग्री वितरित करते हुए अन्नदान कार्यक्रम में सेवा प्रदान की। आयोजकों ने मुणोत को सम्मानित किया।

पूर्णिमा के उपलक्ष्य में गुरुदेव की भक्ति

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री जिन कुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुडी के तत्वावधान में श्री जिनदत्त कुशल सूरी जैन सेवा एवं संगीत मंडल बसवनगुडी द्वारा पूर्णिमा के उपलक्ष्य में गुरुदेव की भक्ति बसवनगुडी दादावाड़ी में रखी गई। अध्यक्ष अरविन्द कोठारी ने गुरुदेव के बारे में बताया। मंडल के मंत्री ललित डाकलिया ने कहा कि प्रति पूर्णिमा को दादा गुरुदेव की भक्ति दादावाड़ी में आयोजित की जाती है और गुरुदेव के पुण्य स्मरणों को याद करके भक्ति गीतों और इक्तीसा के माध्यम से श्रद्धा सुमन अर्पित किए जाते हैं। गुरुदेव के आध्यात्मिक और साधना बल से उनके जीवनकाल और उनके स्वर्गारोहण के पश्चात भी अनेकों चमत्कार घटित होते रहते हैं। जिन्हें भक्तगण प्रत्यक्ष महसूस भी करते हैं। इस अवसर पर गायक सुरेश कोठारी, अर्चित पारख, मनन बोहरा, महावीर पारख, पारस पारख, मंडल के अनेक सदस्यों के साथ भक्तगण उपस्थित थे।

चक्रवात शांत होने के बाद भी राज्य में अभी भी ठंड

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। भले ही चक्रवात शांत हो गया है, लेकिन राज्य के विभिन्न हिस्सों में बदलते मौसम के कारण लोग ठिठुर गए हैं। पिछले दो सप्ताह से राजधानी बेंगलूरु समेत विभिन्न जिले ठंडे ठंडे शहरों में तब्दील हो गये हैं। ऐसे में स्थिति यह बनती है कि बादल छाये रहने के कारण लोग अपने घरों से नहीं निकलते हैं। सूर्य का दर्शन दुर्लभ है। बार-बार दिखना और गायब होना। घर में भी ठंड है, बाहर भी ठंड हो रही है।

शुक्रवार को बेंगलूरु में कम से कम 20 डी.सी. तापमान रिकार्ड किया गया। बेंगलूरु में अगले दो दिनों तक न्यूनतम तापमान 17 से 18 डिग्री सेल्सियस रहेगा। मौसम में अचानक आए बदलाव का असर लोगों के स्वास्थ्य पर पड़ा है, खासकर बच्चे और बुजुर्ग खांसी, बुखार और सर्दी से पीड़ित हो रहे हैं। अस्पतालों और क्लीनिकों में मरीजों की संख्या बढ़ गई है। डॉक्टरों ने गर्म पानी पीने और गर्म कपड़े पहनने की सलाह दी है।

अंबेडकर के 69वें महापरिनिर्वाण दिवस पर पुष्पांजलि अर्पित

नेशनल हेराल्ड मामले में ईडी का उत्पीड़न सही नहीं: डीके शिवकुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
राज्य के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने आरोप लगाया कि ईडी ने नेशनल हेराल्ड और यंग इंडिया संस्थाओं को चंदा देने के मामले में समन जारी किया है। इससे हमें परेशान किया जा रहा है। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा हम शुरू से ही जांच में सहयोग कर रहे हैं। यहां कोई छिपा नहीं है। इन सबके बावजूद ईडी ने आरोप पत्र क्यों दायर किया, मुझे नहीं पता। इसमें पुलिस को मामला दर्ज करने की कोई जरूरत नहीं थी। हम अदालत में कानूनी रूप से लड़ेंगे। ईडी ने मुझे और मेरे भाई डीके सुरेश को 19 दिसंबर के भीतर पुलिस को सूचित करने के लिए बुलाया है। हम पहले ही इस संबंध में जवाब दे चुके हैं। हालांकि, यह चौंकाने वाली बात है कि हमें बुलाया गया है। ये सही नहीं है। मैं इसकी निंदा करता हूं। दिल्ली पुलिस ने कहा कि 19 दिसंबर तक जानकारी मुहैया कराई जाए। हम टैक्स चुका रहे हैं। हम अपना पैसा उन लोगों को देते हैं जिन्हें इसकी जरूरत है। उन्होंने उत्पीड़न के लिए पीएमएलए के खिलाफ मामला भी दायर किया। फिर क्या हुआ। उन्होंने नाराजगी जताते हुए कहा कि इसका मकसद राहुल गांधी के समर्थकों को परेशान करना और भ्रम पैदा करना है। नेशनल हेराल्ड और यंग इंडिया संगठनों को चंदा देने के मामले में ईडी का नोटिस जारी किया गया है। नेशनल हेराल्ड, यंग इंडिया हमारी कांग्रेस पार्टी की संस्थाएं हैं। चूंकि हम कांग्रेसी हैं, इसलिए हमने अपने ट्रस्टों से इन संस्थानों को तब दान दिया है जब वे कठिन समय में थे। उन्होंने कहा कि हम जैसे कई लोगों ने मदद की है। सुरेश और मुझे शुक्रवार को नोटिस मिला। जब वह सांसद बने तो उन्होंने कुछ पैसे दान किये थे। उन्होंने कहा कि नोटिस के बारे में विस्तार से जानने के बाद हमें कानूनी तौर पर जो करना होगा वह करेंगे। इससे पहले शिवकुमार ने विधानसभा के सामने एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के साथ बी. आर. अंबेडकर के 69वें महापरिनिर्वाण दिवस के मौके पर उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की।

पुलिस ने शहर के एक इवेंट में आर्यन खान के हैंड जेस्चर की जांच शुरू की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
बेंगलूरु पुलिस ने एक कथित घटना की जांच शुरू कर दी है, जिसमें बॉलीवुड एक्टर शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान को सेंट्रल बेंगलूरु के एक पब में एक पब्लिक इवेंट के दौरान कथित तौर पर अश्लील हैंड जेस्चर करते हुए देखा गया था। भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 173 के तहत जांच शुरू की गई है, जो पुलिस को फर्स्ट इंफॉर्मेशन रिपोर्ट (एमआईआर) दर्ज करने से पहले शुरुआती जांच करने की इजाजत देती है। एफआईआर दर्ज करनी है या नहीं और कौन सी धाराएं लगानी हैं, इसका फैसला शुरुआती जांच रिपोर्ट जमा होने के बाद लिया जाएगा। डिप्टी कमिश्नर ऑफ पुलिस (सेंट्रल डिवीजन) अक्षय हकाय मच्छिंद्र ने बताया कि सोशल मीडिया पर कथित घटना का वीडियो सर्कुलेट होने के बाद उन्होंने खुद ही जांच शुरू कर दी है। उन्होंने कहा हम फुटेज और जिस संदर्भ में यह घटना हुई, उसकी जांच करेंगे। वीडियो देखने और कुछ पूछताछ करने के बाद, हमें घटना की पूरी जानकारी मिल जाएगी, जिसके बाद हम सही फैसला ले पाएंगे। यह कथित घटना नवंबर के आखिरी हफ्ते में हुई थी। आर्यन खान सेंट्रल बेंगलूरु के एक पब में एक प्राइवेट इवेंट में शामिल हो रहे थे। एक वीडियो में कथित तौर पर बॉलीवुड स्टार का बेटा गलत हैंड जेस्चर करते हुए दिख रहा है। इस वीडियो में कर्नाटक कांग्रेस के जाने-माने नेताओं के बेटे भी दिख रहे हैं।

अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया

बीजेपी के साथ चुनाव लड़ने के बाद एचडी कुमारस्वामी मनुवादी हो गए: मुख्यमंत्री

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने आर-ोप लगाया कि बीजेपी के साथ चुनाव लड़ने के बाद एचडी कुमारस्वामी मनुवादी हो गए हैं। वे समाज कल्याण विभाग की ओर से संविधान निर्माता भारत रत्न महा मानवतावादी बाबा साहब डॉ. बी.आर. अंबेडकर के 69वें महा परिनिर्वाण दिवस के अवसर पर अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण करने के बाद पत्रकारों से बात कर रहे थे। पूर्व मुख्यमंत्री एवं केन्द्रीय मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी ने भगवत गीता को पाठ में शामिल करने के लिए केंद्रीय शिक्षा मंत्री को पत्र लिखा है। कुमारस्वामी भाजपा के साथ गठबंधन के बाद याचिकाकर्ता हो गए हैं। अम्बेडकर एक महान व्यक्ति और एक दुर्लभ नेता थे जिन्हें देश ने देखा। उन्होंने न केवल दलितों बल्कि सभी शोषितों को सम्मान दिलाने का प्रयास किया। उन्होंने उन लोगों की सराहना की, जिन्होंने देश में उन लोगों की ओर से लड़ाई लड़ी, जिन्हें सामाजिक न्याय नहीं मिला। बाबा साहब अम्बेडकर देश के संविधान निर्माता हैं। उन्होंने कहा कि उन्होंने सोचा कि देश को किस तरह के संविधान की जरूरत है, दूसरे देशों के संविधान का अभ्यास किया और देश को जिस संविधान की जरूरत थी, उसे दिया। बाबा साहेब अम्बेडकर ने संविधान में स्पष्ट रूप से कहा कि हमारी सामाजिक व्यवस्था को बदलना चाहिए, सभी को समान अवसर देना चाहिए और सामाजिक न्याय स्थापित करना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार स्कूल और कॉलेज के बच्चों को इसके प्रति जागरूक करने के लिए संविधान की प्रस्तावना पढ़ा रही है। संविधान ने सभी को अधिकार और दायित्व दिये हैं। उन्होंने कहा कि सरकार ने इसे इसलिए लागू किया है क्योंकि संविधान के उद्देश्यों को सभी को समझना चाहिए। बाबा साहब अम्बेडकर ने अपने अंतिम दिनों में बौद्ध धर्म अपना लिया। जब मैं पैदा हुआ तो मैं हिंदू था, जब मैं मरूंगा तो हिंदू नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि उन्होंने हिंदू धर्म में सुधार की बहुत कोशिश की, लेकिन जब यह संभव नहीं हुआ तो उन्होंने बौद्ध धर्म स्वीकार कर लिया। उन्होंने कहा कि उन्होंने हिंदू धर्म की सामाजिक व्यवस्था की सराहना करते हुए ऐसा किया।

सौर स्वास्थ्य पहल के तहत 3,600 सेंटर सोलर पावर अपना रहे

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
सरकारी स्वास्थ्य सुविधाओं में बिजली का खर्च कम करने के लिए, स्वास्थ्य विभाग ने पूरे कर्नाटक में सोलर पावर अपनाने को प्राथमिकता दी है। अधिकारियों ने बताया कि कर्नाटक भारत का पहला राज्य बन गया है जिसने एक साल के अंदर 3,600 स्वास्थ्य केंद्रों में सोलर पावर यूनिट लगाए हैं, जिससे बिजली के बिल में 80 से 85 प्रतिशत तक की बचत हुई है। सोलर पावर यूनिट लगाने का काम कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (सीएसआर) फंड से सपोर्ट किया जा रहा है। यह प्रोजेक्ट सेल्को फाउंडेशन के साथ पार्टनरशिप में 'सौर स्वास्थ्य' योजना के तहत लागू किया जा रहा है। इससे सरकारी अस्पतालों में बिना रुकावट बिजली सप्लाई मिलने से तीन करोड़ से ज्यादा ग्रामीण लोगों को फायदा होने की उम्मीद है। नवंबर 2024 में लॉन्च होने के बाद से, लगभग 3,000 स्वास्थ्य केंद्रों में सोलर पावर यूनिट लगाए जा चुके हैं, जिनमें से 1,150 से ज्यादा सुविधाएं पूरी तरह से सोलराइज्ड हो चुकी हैं। लगभग 1,300 सब सेंटरों में इंस्टॉलेशन का काम चल रहा है, और विभाग को उम्मीद है कि साल के आखिर तक 3,700 केंद्रों तक पहुंच जाएगा। इस पार्टनरशिप के जरिए, कर्नाटक का लक्ष्य 2026 तक 5,000 स्वास्थ्य सुविधाओं को सोलराइज करना है। इनमें 2,877 सब-सेंटर, 1,971 प्राइमरी हेल्थ सेंटर, 28 शहरी पीएचसी, 12 कम्युनिटी हेल्थ सेंटर (सीएचसी), और 112 तालुक अस्पताल शामिल हैं। जहां सब-सेंटरों में 0.25 केडब्ल्यू से 1 केडब्ल्यू क्षमता वाले रूफटॉप सोलर यूनिट हैं, वहीं पीएचसी में 4 से 5 केडब्ल्यू यूनिट लगाए गए हैं। तालुक अस्पतालों में 10 केडब्ल्यू तक की क्षमता वाले सिस्टम लगाए जा रहे हैं। लगभग 120 करोड़ की अनुमानित लागत से लागू किए गए इस प्रोजेक्ट से अब तक कवर की गई सुविधाओं में तीन मेगावाट से ज्यादा बिजली की बचत हुई है और बिजली के बिल में 70 प्रतिशत तक की कमी आई है। विभाग को उम्मीद है कि ग्रिड पावर और डीजल जनरेटर पर निर्भरता कम होने से हर महीने लगभग 50 लाख 10 सालों में 100 करोड़ से ज्यादा की बचत होगी। स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडू राव ने बताया कि इस पहल से स्वास्थ्य सुविधाओं में चौबिसों घंटे बिजली की उप-लब्धता सुनिश्चित होगी, जिससे जरूरी उपकरण और सेवाएं बिना किसी रुकावट के काम कर सकेंगी। उन्होंने कहा यह प्रोजेक्ट ग्रामीण इलाकों में हेल्थकेयर डिलीवरी को मजबूत बनाने में मदद करेगा। सौर स्वास्थ्य न केवल बिना रुकावट के हेल्थकेयर सर्विस सुनिश्चित करेगा, बल्कि बिजली के बिल में भी बहुत ज्यादा बचत होगी। इसके अलावा, मेंटेनेंस सपोर्ट के लिए 'सौरा ई-मित्र' मोबाइल एप्लीकेशन का इस्तेमाल किया जा रहा है। मेडिकल स्टाफ ऐप के जरिए सर्विस रिक्वेस्ट भेज सकता है, जिन्हें समय पर कार्रवाई के लिए एक सेंट्रलाइज्ड सिस्टम के जरिए भेजा जाता है। अब तक ऐसी 626 शिकायतें दर्ज की गई हैं, जिनमें से 314 का समाधान हो चुका है। 2,000 से ज्यादा लोगों को सोलर यूनिट और मॉनिटरिंग सिस्टम के मेंटेनेंस की ट्रेनिंग दी गई है। उन्होंने कहा, यह पहल बिजली की लागत कम कर रही है।

कांग्रेस पार्टी घड़ियाली आंसू बहाती है

नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार बाबा साहब का सम्मान करती है: बी.वाई.विजयेंद्र

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक बी.वाई.विजयेंद्र ने कहा कि बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर के नेतृत्व में भारत को एक महान संविधान देने का सराहनीय कार्य किया गया है, जिसे दुनिया ने सराहा है। वे शनिवार को डॉ. बी.आर. अम्बेडकर के परिनिर्वाण दिवस पर मल्लेश्वर में भाजपा प्रदेश कार्यालय जगन्नाथ भवन में बोल रहे थे। ₹

उन्होंने कहा कि समतामूलक समाज के निर्माण का सपना अंबेडकर का था, पूरे देश में उनके आदर्शों को अपनाने की जरूरत है। संविधान के माध्यम से अधिकारों की रक्षा का सराहनीय कार्य उनके नेतृत्व में हो रहा है। हमारे प्रधान मंत्री ने न केवल 26 नवंबर को संविधान दिवस घोषित किया, बल्कि बाबा साहेब को सम्मान देने का काम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार ने किया था। कांग्रेस पार्टी ने बाबा साहब अंबेडकर को भारत रत्न देने में अन्याय किया। उन्होंने बताया कि जब वह चुनाव में खड़े हुए तो उन्हें हराने की साजिश कांग्रेस पार्टी की ओर से की गई थी।

फिर भी कांग्रेस पार्टी बीजेपी को संविधान विरोधी बता कर आलोचना कर रही है। उन्होंने आपत्ति जताई कि उनके कर्मों को ढकने का काम किया गया है। विजयेंद्र ने कहा कि केंद्र में एनडीए की सरकार आने के बाद, मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद अंबेडकर के संसदीय क्षेत्रों को पंच तीर्थ बनाकर विकास किया गया।

अपने जन्मस्थान लंदन में जिस घर में वह पढ़ाई के दौरान रुके थे, उसे एक स्मारक में बदल दिया गया है। कांग्रेस ने ऐसा नहीं किया, बल्कि यह सब भाजपा-एनडीए सरकार की देन है। कांग्रेस पार्टी डॉ. अम्बेडकर को लेकर घड़ियाली आंसू बहा रही है। उन्होंने कहा कि यह बात देश और प्रदेश में बार-बार कही जानी चाहिए।

कांग्रेस पार्टी गरीब विरोधी नीतियां अपना रही है। उन्होंने हमेशा अंबेडकर के विचारों का विरोध किया है। उन्होंने उनके दाह संस्कार का सम्मान न करने के लिए कांग्रेस की आलोचना की। वास्तविक सच्चाई को प्रदेश की जनता के सामने लाना हम सभी का प्रथम कर्तव्य है। हमें अंबेडकर के आदर्शों को अपनाना होगा। हमें इसे अपने जीवन में अपनाना चाहिए। उन्होंने अपील की कि वे संविधान की रक्षा का कार्य कर उनके प्रति सम्मान प्रकट करें, ताकि उनके द्वारा दिये गए पवित्र संविधान का अपमान न हो। इस मौके पर सांसद और पूर्व उपमुख्यमंत्री गोविंद करजोल, राज्य सचिव डॉ. लक्ष्मी अश्विन गौड़ा, एसटी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष बंगारू हनुमंथु, एससी मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष हुडी मंजूनाथ, तत्काल पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष एम. शंकरप्पा, पार्टी के पूर्व राज्य सचिव जगदीश हिरेमानी, एससी मोर्चा राष्ट्रीय कार्यकारिणी के पूर्व सदस्य डॉ. वेंकटेश मौर्य, एससी मोर्चा और एसटी मोर्चा के राज्य पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित थे।

स्टाफ की कमी के कारण 108 एम्बुलेंस सेवा प्रभावित

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।
उडुपी जिले में राज्य सरकार की 108 आरोग्य कवच इमरजेंसी एम्बुलेंस सेवा स्टाफ की भारी कमी का सामना कर रही है, जिससे जिले की 18 एम्बुलेंस में से किसी भी समय केवल 6-7 ही चालू रहती हैं। ड्राइवरों की कमी खास तौर पर ज्यादा है, जिसके कारण कुंडापुर, बिंदूर, ब्रह्मवर और हेबरी तालुकों के ग्रामीण इलाकों से आने वाली इमरजेंसी कॉल का जवाब देने में देरी और दिक्कतें हो रही हैं। जब यह सेवा शुरू की गई थी, तो इसे ग्रामीण समुदायों के लिए जीवन रेखा माना जाता था, जो समय पर इमरजेंसी प्रतिक्रिया देती थी और यहां तक कि एम्बुलेंस के अंदर कई सफल डिलीवरी भी करवाती थी। ड्राइवर और स्टाफ एक समय में आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को तुरंत मेडिकल सहायता सुनिश्चित करते थे। हालांकि, सैलरी में देरी और स्टाफ की संख्या में लगातार गिरावट ने इस सेवा को पंगु बना दिया है, जो कभी एक कुशल सार्वजनिक सेवा थी। आरोग्य कवच के नियमों के अनुसार, हर एम्बुलेंस में एक ड्राइवर और एक स्टाफ नर्स होनी चाहिए। लेकिन फिलहाल, उडुपी जिले में कई एम्बुलेंस सिर्फ ड्राइवर ही चला रहे हैं, दुर्घटनाओं या मेडिकल इमरजेंसी के दौरान फर्स्ट एड देने के लिए कोई स्टाफ उपलब्ध नहीं है। उडुपी जिले में अभी 18 एम्बुलेंस, 23 ड्राइवर और 13 स्टाफ नर्स हैं। पहले, यह सेवा दो 12-घंटे की शिफ्ट में चलती थी। लेकिन जनवरी से, इसे तीन 8-घंटे की शिफ्ट में बदल दिया गया है - सुबह 6 बजे से दोपहर 2 बजे तक, दोपहर 2 बजे से रात 10 बजे तक और रात 10 बजे से सुबह 6 बजे तक। छुट्टी और अन्य कारणों से, किसी भी समय केवल 6-7 एम्बुलेंस ही सेवा के लिए उपलब्ध रहती हैं। स्टाफ का कहना है कि सेवा को प्रभावी ढंग से चलाने के लिए जिले को कम से कम 40 और स्टाफ सदस्यों और 25 अतिरिक्त ड्राइवरों की जरूरत है। एम्बुलेंस उडुपी, मालपे, कापू, शिरवा, कारकला, अजेकर, हेबरी, पेरदुर, ब्रह्मवर, कोटा, कोक्कर्ने, हलादी, सिद्धापुर, अलूरु, कोल्लूर, गंगोली, बिंदूर और किरीमंजेश्वर में तैनात हैं। पेरदुर की एम्बुलेंस फिलहाल रिपेयर में है। ड्राइवरों का कहना है कि तीन शिफ्ट शुरू होने से तनाव बढ़ गया है। कई जगहों पर, एक ही ड्राइवर को इमरजेंसी कॉल का जवाब अकेले देना पड़ता है, क्योंकि कोई नर्स उपलब्ध नहीं है। ज्यादातर ड्राइवर बागलकोट, विजयपुरा, बेलगावी और हावेरी से हैं। सिर्फ 12,000-13,000 रुपये की महीने की सैलरी मिलने और वह भी अक्सर देरी से मिलने के कारण कई कर्मचारी नौकरी छोड़ रहे हैं। उनका कहना है कि खराब मेंटेनेंस सपोर्ट और कम सैलरी ने हालात और खराब कर दिए हैं। 108 एम्बुलेंस सर्विस के लिए और ड्राइवर और स्टाफ नर्सों की भर्ती के लिए जिला प्रशासन ने पहले ही राज्य सरकार को एक प्रस्ताव भेजा है।

बर्फ की उम्मीद में कश्मीर में एडवांस बुकिंग 50 परसेंट को पार कर गई

सुरेश एस डुग्गर

जम्मू, 6 दिसंबर । यह उन कश्मरीरियों के लिए खुशी लाने वाली खबर है कि बर्फ की उम्मीद में कश्मीर में पर्यटनस्थलों पर एडवासं बुकिंग 50 परसेंट को पार कर गई है। इस साल 22 अप्रैल को पहलगाम की बैसरन वैली में हुए भयानक आतंकी हमले के बाद यह पहली बार है।गुलमर्ग में तैनात टूरिज्म के सहायक निदेशक ताहिर वानी भी इसकी पुष्टि करते थे कि गुलमर्ग में बर्फ से लदे पहाड़ों को देखने की खातिर एडवांस बुकिंगें करवाने वाले दिनोंदिन बढ़ते जा रहे हैं। उनका कहना था कि यह एक सकरात्मक संकेत है कि कश्मीर का पर्यटन फिर से पटरी पर लौट रहा है।

दरअसल प्रदेश में बर्फ का आनंद लेने अधिकतर पर्यटक गुलमर्ग का ही रूख करते हैं। इसके उपरांत पहलगाम समेत और भी पर्यटनस्थल हैं पर जो आकर्षण गुलमर्ग में है वह किसी अन्य पर्यटनस्थल का नहीं है। इसलिए गुलमर्ग में होने वाली बुकिंग को ही पर्यटन के लौटने और न लौटने का पैमाना बना लिया गया है।

कश्मीर चैंबर आफ कामर्स एंड इंडस्ट्री के ज्वायंट सेक्रेटरी अकीब छाया बताते थे कि गुलमर्ग और श्रीनगर की ओर पर्यटकों के कदम बढ़ने की उम्मीदें जागी हैं पर उस पहलगाम को अभी भी नजर लगी हुई है जहां आतंकियों ने पर्यटकों पर कहर बरपाया था। हालांकि यह कहर कश्मीर के पर्यटन को पूरी तरह से लील चुका है इसके प्रति कोई दो राय नहीं है।

वैसे कश्मीर के पर्यटन को लीलने में सरकार का वह फैसला भी है जिसके तहत बैसरन हमले के उपरांत 50 से अधिक पर्यटनस्थलों को पर्यटकों के लिए प्रतिबंधित घोषित कर दिया गया था। हालांकि 28 के करीब को कुछ दिन पहले खोला गया है पर अभी भी ऐसे पर्यटनस्थल अभी भी पर्यटकों की पहुंच से दूर हैं जो पर्यटकों की पहली पसंद रहे हैं। इनमें दूधपत्थरी जैसे पर्यटनस्थल भी शामिल हैं।

वैसे आधिकारिक रिकार्ड दावा करते थे कि वर्ष 2023 में 31.55 लाख पर्यटक कश्मीर आए थे और पिछले साल यह संख्या 34.98 लाख थी। इसी तरह से वर्ष 2022 में कश्मीर ने 26.73 लाख पर्यटकों का आगमन देखा था और अब यह संख्या हजारों में सिमट गई है।

श्रीनगर एयरपोर्ट पर भी इंडिगो की फ्लाइटों में रुकावट जारी

सुबह के समय 16 फ्लाइट्स पर असर पड़ा

जम्मू, 6 दिसंबर (एजेंसियां) । श्रीनगर इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर इंडिगो की फ्लाइट में रुकावट लगातार दूसरे दिन भी जारी रही, शनिवार सुबह 8 बजे तक 16 फ्लाइट्स कैंसिल कर दी गईं।

एक अधिकारी ने बताया कि एयरपोर्ट पर आज कुल 64 फ्लाइट्स शेड्यूल थीं, जिनमें दिन भर की 32 फ्लाइट्स अराइवल और 32 डिपार्चर शामिल हैं। उन्होंने बताया कि इनमें से इंडिगो एयरलाइंस की 36 फ्लाइट्स, 18 अराइवल और 18 डिपार्चर थीं। उन्होंने कहा कि हालांकि, इंडिगो की 14 फ्लाइट्स (7 अराइवल और 7 डिपार्चर) कैंसिल कर दी गईं, जबकि सुबह की फ्लाइट में किसी देरी की खबर नहीं है।

इसके अलावा, एयरपोर्ट अधिकारी ने बताया कि दूसरी एयरलाइंस की दो फ्लाइट्स (एक अराइवल और एक डिपार्चर) भी कैंसिल कर दी गईं, जिससे कैंसिल होने वाली फ्लाइट्स की कुल संख्या 16 हो गई।

इसके अलावा, एयरपोर्ट अधिकारियों ने बताया कि बाकी आपरेशन शेड्यूल के हिसाब से चल रहे हैं, लेकिन यात्रियों को एयरपोर्ट के लिए निकलने से पहले अपनी फ्लाइट का स्टेटस चेक करने की सलाह दी गई है। एयरपोर्ट के एक अन्य अधिकारी के बकौल, हम यात्रियों से गुजारिश करते हैं कि वे अपनी फ़्लाइट का समय कन्फर्म करें और परेशानी से बचने के लिए काफी पहले एयरपोर्ट पहुंच जाएं।

एयरलाइन ने जम्मू एयरपोर्ट से 11 उड़ानों का संचालन फिर से शुरू कर दिया है। हालांकि, श्रीनगर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर स्थिति अभी सामान्य नहीं हुई है, जहां शनिवार को सात उड़ानें रद्द करनी पड़ीं। ये रद्दीकरण उसी व्यवधान का हिस्सा है जो पायलट रोस्टरिंग में आई गड़बड़ियों के कारण पूरे देश में पिछले पांच दिनों से जारी है। जम्मू एयरपोर्ट पर बड़ी संख्या में लोग फंसे हुए हैं और उड़ानों में लगातार हो रही देरी और रद्दीकरण से स्थिति और गंभीर हो गई है। अधिकारियों ने बताया कि जिन 11 उड़ानों को बहाल किया गया है, उनमें से नौ उड़ानें तय समय पर चलेंगी। हालांकि मुंबई और हैदराबाद को जोड़ने वाली दो उड़ानें अभी निलंबित रहेंगी।

जानकारी के लिए ये कैंसलेशन जम्मू और कश्मीर में एयर ट्रैफिक में बड़े पैमाने पर रुकावट के एक दिन बाद हुए हैं, गुरुवार को 41 फ़्लाइट कैंसल कर दी गईं, जिनमें इंडिगो की 39 फ़्लाइटें शामिल थीं। कैंसलेशन की वजह इंडिगो के अंदरूनी नियमों का पालन करने के तरीके और डीजीसीए (डायरेक्टरेट जनरल आफ सिविल एविएशन) के नए सुरक्षा निर्देशों के बाद क्रू की कमी बताई जा रही थी।

न कर्फ्यू है, न दंगा है, उत्तर प्रदेश में सब चंगा है : योगी

नई दिल्ली, 06 दिसंबर (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नई दिल्ली में एक कार्यक्रम में कहा कि राज्य शांति और निवेश के एक नए युग में प्रवेश कर चुका है, और अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण को एक टर्निंग पॉइंट बताया। समिट में आदित्यनाथ ने 6 दिसंबर की घटना को याद किया, जो लंबे समय से उत्तर प्रदेश में तनाव से जुड़ी तारीख रही है। उन्होंने कहा कि जो कभी कर्फ्यू जैसा माहौल था, वह अब शांति में बदल गया है। सीएम ने कहा कि आज 6 दिसंबर है, उत्तर प्रदेश में इस समय कर्फ्यू जैसा माहौल होना चाहिए, लेकिन मैं उत्तर प्रदेश के अंदर दो कार्यक्रमों को करके अब दिल्ली में एक समिट में बैठा हूं। उन्होंने कहा, न कर्फ्यू है, न दंगा है, उत्तर प्रदेश में सब चंगा है।

उन्होंने बाबरी मस्जिद, जिसे उन्होंने विवादित ढांचा कहा, को गिराए जाने को एक दाग हटाने जैसा बताया और राम मंदिर को मंजूरी देने वाले सुप्रीम कोर्ट के 2019 के फैसले की तारीफ करते हुए इसे एक ऐतिहासिक फैसला बताया।

मुख्यमंत्री ने मंदिर के बनने को आजाद भारत की सबसे बड़ी कामयाबी बताते हुए कहा कि इसने दशकों की अनबन को खत्म कर दिया है और विकास के दरवाजे खोल दिए हैं। आदित्यनाथ ने जोर देकर कहा कि उत्तर प्रदेश अब दंगा-मुक्त है। एक ऐसा बदलाव जिससे उनका मानना है कि निवेश और आर्थिक विकास के लिए अच्छी जमीन तैयार हुई है। उन्होंने इस स्थिरता को विकसित भारत 2047 के बड़े राष्ट्रीय नजरिए से जोड़ा और कहा कि राज्य की तरक्की भारत के एक विकसित देश के तौर पर उभरने के लिए जरूरी होगी।उन्होंने कहा, शांति से खुशहाली आती है और खुशहाली से शासन में भरोसा मजबूत होता है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि उनकी सरकार इंडस्ट्रियल विस्तार के लिए कानून और व्यवस्था पर ध्यान दे रही है। जब उनसे पूछा गया कि क्या सरकार का एजेंडा काशी और मथुरा जैसे दूसरे विवादित धार्मिक स्थलों तक भी जाएगा, तो आदित्यनाथ ने जवाब में कहा कि हम हर जगह पहुंचेंगे और हम पहुंच भी चुके हैं।

उनके बयान में मशहूर नारा, अयोध्या तो बस झांकी है, काशी-मथुरा अभी बाकी है, दोहराया गया, जिससे पता चलता है कि राम मंदिर राज्य के धार्मिक और सांस्कृतिक पुनरुत्थान का आखिरी चैप्टर नहीं हो सकता है।मुख्यमंत्री की बातों में राजनीतिक प्रतीकों को आर्थिक संदेश के साथ जोड़ा गया, जिससे उत्तर प्रदेश को आध्यात्मिक केंद्र और निवेश के लिए उभरते हुए केंद्र के रूप में पेश किया गया। लंबे समय से चले आ रहे विवादों के समाधान को शांति और खुशहाली से जोड़कर,योगी आदित्यनाथ ने अपने राज्य को राष्ट्रीय बदलाव के लिए एक मॉडल के रूप में पेश करने की कोशिश की।

रूस में फैलेगा पतंजलि का साम्राज्य

एमओयू साइन, योग और भारतीय संस्कृति का बढ़ेगा प्रभाव

नई दिल्ली, 06 दिसंबर (एजेंसियां)।

पतंजलि समूह और रूस सरकार के बीच दिल्ली में एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। पतंजलि समूह की ओर से स्वामी रामदेव और भारत-रूस व्यापार परिषद के अध्यक्ष एवं रूसी वाणिज्य मंत्री सर्गेई चेरेमिन ने इस समझौते पर हस्ताक्षर किए। इस समझौता ज्ञापन का उद्देश्य दोनों देशों के बीच स्वास्थ्य, योग, आयुर्वेद, आध्यात्मिक आदान-प्रदान और कुशल श्रम गतिशीलता के क्षेत्र में सहयोग को गहरा करना है। स्वामी रामदेव ने ज़ोर देकर कहा कि यह समझौता पूरे रूस में पतंजलि की स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार पर केंद्रित होगा। इसमें बढ़ती उम्र को रोकने और गंभीर बीमारियों का पहले से पता लगाने के उद्देश्य से अत्याधुनिक स्वास्थ्य तकनीकों की खोज हेतु सहयोगात्मक अनुसंधान की परिकल्पना की गई है। इस समझौता ज्ञापन में योग, आयुर्वेद और प्राकृतिक चिकित्सा को बढ़ावा देने को प्राथमिकता दी गई है, जो पहले से ही रूसी नागरिकों के बीच लोकप्रियता हासिल कर रहे हैं।इस समझौता ज्ञापन का एक प्रमुख स्तंभ योग, आयुर्वेद और प्राचीन परंपराओं के भारत के समृद्ध ज्ञान को रूस के साथ साझा करके आध्यात्मिक और सांस्कृतिक संबंधों को मज़बूत करना है।

पहलगाम-दिल्ली हमलों पर सीएम अब्दुल्ला ने कहा

कश्मीरी मुसलमान आतंकवादी नहीं

श्रीनगर, 06 दिसंबर (एजेंसियां)।

जम्मू- कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने शनिवार को ज़ोर देकर कहा कि आतंकी हमलों के बाद पूरे समुदाय को एक ही चश्मे से नहीं देखा जाना चाहिए। नई दिल्ली में हिंदुस्तान लीडरशिप समिट 2025 में बोलते हुए उन्होंने कहा कि कश्मीरी दिल्ली में हुए हमले से उतने ही परेशान हैं जितने पहलगाम को लेकर थे। अब्दुल्ला ने कहा कि सभी कश्मीरी मुसलमान आतंकवादी नहीं हैं। सभी आतंकवाद का समर्थन नहीं करते। दरअसल, वे एक बहुत ही छोटी अल्पसंख्यक आबादी हैं जो ऐसा करती है। उन्होंने वर्ष 2025 को जम्मू-कश्मीर के लिए किसी भी पैमाने पर कठिन बताया। इस संदर्भ में उन्होंने बैसरन (पहलगाम) में हुए हमले और दिल्ली में लाल किले के पास हुए विस्फोट का ज़िक्र किया, जो जम्मू-कश्मीर में रची गई एक साज़िश का नतीजा थे।

उन्होंने आगे कहा कि जम्मू-कश्मीर में) ज़्यादातर लोग वही हैं जिन्हें आपने बैसरन (पहलगाम) में हुए हमले के बाद सड़कों पर देखा था। उन्होंने उस हमले के ख़िलाफ़ मोमबत्ती जलाकर विरोध प्रदर्शन का ज़िक्र किया जिसमें उस पर्यटन स्थल पर दो दर्जन से ज़्यादा लोगों की जान चली गई थी। उन्होंने कहा कि ये वो लोग हैं जो कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में हैं... जो अलग-अलग इलाकों में ईमानदारी से रोज़ी-रोटी कमाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने अफसोस जताया कि अप्रैल में पहलगाम हमले ने केंद्र शासित प्रदेश की अर्थव्यवस्था को पूरी तरह से बदल दिया। उन्होंने कहा कि हमारी अर्थव्यवस्था कभी भी विशेष रूप से मजबूत नहीं रही है। दुर्भाग्य से इस तरह की परिस्थितियाँ इसे और भी कठिन बना देती हैं।

मुर्मू, मोदी और बिरला ने अंबेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस पर दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली, 06 दिसंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, उपराष्ट्रपति एवं राज्य सभा सभापति सी. पी. राधाकृष्णन, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला ने शनिवार को बाबासाहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर के 70वें महापरिनिर्वाण दिवस पर संसद भवन परिसर में प्रेरणा स्थल पर स्थापित उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

श्री बिरला ने अपने संदेश में कहा, भारत के महान संविधान के शिल्पी, सामाजिक न्याय के प्रहरी, भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर जी के महापरिनिर्वाण दिवस पर उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि।

उन्होंने कहा कि समानता, न्याय, शिक्षा और समावेशी विकास पर आधारित समाज का उनका दृष्टिकोण आज भी देश के विकास के लिये मार्गदर्शक बना हुआ है। इन मूलभूत तत्वों का समावेश बाबा साहब ने भारतीय संविधान में भी किया। कल्याणकारी राज्य की संकल्पना के साथ करोड़ों देशवासियों के लिए न्याय, समानता, स्वतंत्रता और अधिकारों की राह प्रशस्त की।

श्री बिरला ने कहा कि राष्ट्र निर्माण एवं संविधान निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले अम्बेडकर जी ने भारतीय समाज के सशक्तिकरण की दिशा में भी महान प्रयास किए। उन्होंने शोषितों, श्रमिकों, महिलाओं और युवाओं को जो संदेश दिए, वे एक प्रगतिशील राष्ट्र के निर्माण के लिए अनिवार्य दस्तावेज हैं। आज के समय में भी बाबा साहब के लेख एवं भाषण क्रांतिकारी वैचारिकता एवं नैतिकता के दर्शन-सूत्र हैं ।

उन्होंने कहा कि संपूर्ण विश्व में जहां कहीं भी विषमतावादी भेदभाव या छुआछूत मौजूद है, ऐसे समस्त समाज को दमन, शोषण तथा अन्याय से मुक्त करने के लिए अम्बेडकर जी का दृष्टिकोण व जीवन-संघर्ष एक उज्ज्वल पथ प्रशस्त करता है।

लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि बाबासाहब अम्बेडकर का मानना था कि लोगों का जीवन-स्तर उठाने लिए शिक्षा सबसे महत्वपूर्ण अस्त्र है। उनका नारा भी था - 'शिक्षित बनो, संगठित रहो, संघर्ष करो'। शिक्षा के क्षेत्र में उन्होंने सिद्धांत निर्माण ही नहीं किया बल्कि अपनी शैक्षणिक संस्थाओं में उन सिद्धांतों को व्यावहारिक धरातल पर लागू भी किया।

उन्होंने कहा कि वर्ष 1924 की शुरूआत में बहिष्कृत हितकारिणी सभा के गठन से ही उन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में कार्य शुरू कर दिया था। सभा ने शिक्षा को प्राथमिकता बनाया और खासकर पिछडे वर्गों के बीच उच्च शिक्षा और संस्कृति के विस्तार हेतु कॉलेज, हॉस्टल, पुस्कालय, सामाजिक केन्द्र और अध्ययन केन्द्र खोले। सभा के निर्देशन और मार्गदर्शन में विद्यार्थियों की पहल पर 'सरस्वती विलास' नामक एक मासिक पत्रिका का प्रकाशन शुरू किया गया। इसने 1925 में सोलापुर और बेलगांव में छात्रावास और बंबई में मुफ्त अध्ययन केन्द्र, हॉकी क्लब और छात्रावास खोले।

श्री मोदी ने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में कहा, महापरिनिर्वाण दिवस पर डॉ. बाबा साहेब आंबेडकर को स्मरण करता हूँ। न्याय, समानता और संवैधानिकता के प्रति उनकी दूरदर्शी नेतृत्व क्षमता और अटूट प्रतिबद्धता हमारे राष्ट्रीय सफर को निरंतर दिशा देती रहती है।

भारत के विकास में अम्बेडकर के स्थायी योगदान पर जोर देते हुए प्रधानमंत्री ने कहा, डॉ अम्बेकर ने पीढ़ियों को मानव गरिमा को बनाए रखने और लोकतांत्रिक मूल्यों को सुदृढ़ करने के लिए प्रेरित किया। विकसित भारत के निर्माण की दिशा में कार्य करते हुए उनके आदर्श यूं ही हमारे मार्ग को आलोकित करते रहें।

श्री बिरला ने कहा कि बाबासाहब डॉ. अम्बेडकर ने वर्ष 1928 में 'डिप्रेस्ड क्लास एजुकेशनल सोसाइटी' का गठन किया। आगे चलकर उन्होंने 1945 में समाज के पिछडे तबकों के बीच उच्च शिक्षा फैलाने के लिए 'लोक शैक्षिक समाज' की स्थापना की। कई कॉलेज और विद्यालय इस संस्था द्वारा खोले गए।

उन्होंने कहा, डॉ. अम्बेडकर जी की विरासत भारत की राष्ट्रीय पहचान का एक अभिन्न अंग है और उनके विचार भविष्य की पीढ़ियों को प्रेरित करते रहेंगे। बाबासाहब की महत्तर मेधा के आलोक में हम अपने जीवन, समाज राष्ट्र और विश्व को प्रगति की राह पर आगे बढ़ा सकते हैं।

समानता, बंधुता और न्याय पर आधारित डॉ. अम्बेडकर जी के स्वप्न का समाज एक भारत - श्रेष्ठ भारत की अवधारणा को स्वीकार करके ही प्राप्त किया जा सकता है। हमारे राष्ट्र की स्वतंत्रता की महत्ता के प्रति देशवासियों को जागरूक करते हुए उन्होंने कहा था कि अपने खून की आखिरी बूंद तक आजादी की रक्षा का संकल्प हमें करना ही चाहिए। उनके ये संदेश एवं विचार जीवनपर्यंत करोड़ों भारतीयों को राष्ट्र व समाज हित के लिए प्रेरित करते रहेंगे।

इस अवसर पर केंद्रीय मंत्रियों, राज्य सभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे, लोक सभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, संसद सदस्यों, पूर्व सांसदों तथा अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने भी बाबासाहब डॉ. बी. आर. अम्बेडकर की प्रतिमा पर श्रद्धांजलि अर्पित की।

लोक सभा के महासचिव उत्पल कुमार सिंह और राज्य सभा के महासचिव पी. सी. मोदी ने भी प्रेरणा स्थल पर डॉ. अम्बेडकर को पुष्पांजलि अर्पित की।

केजरीवाल मॉडल को 2022 में एलजी ने किया ठप, अब भाजपा कर रही नकल : सौरभ भारद्वाज

नई दिल्ली, 06 दिसंबर (एजेंसियां)।

दिल्ली की राजनीति में एक बार फिर स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर घमासान छिड़ गया है। आम आदमी पार्टी के दिल्ली प्रदेश संयोजक सौरभ भारद्वाज ने भाजपा सरकार और उपराज्यपाल वीके सक्सेना पर जुबानी हमला किया। सौरभ भारद्वाज ने आरोप लगाया कि अरविंद केजरीवाल सरकार द्वारा शुरू किए गए जिन सुधारों को भाजपा के एलजी ने रोक दिया था, अब उन्हीं को भाजपा सरकार फिर से लागू कर रही है। ये राजनीति से प्रेरित कदम थे, जिनका सीधा नुकसान जनता को उठाना पड़ा। केजरीवाल सरकार ने दिल्ली के सरकारी अस्पतालों में प्रशासनिक दक्षता बढ़ाने के लिए हॉस्पिटल मैनेजर सिस्टम लागू किया था, जिससे डॉक्टरों का बोझ कम हुआ था और अस्पतालों में सेवाएं बेहतर हुई थीं। लेकिन, 2022 में उपराज्यपाल पद संभालने के बाद वीके सक्सेना ने बिना किसी नोटिस के इस व्यवस्था को खत्म कर दिया, यहां तक कि हॉस्पिटल मैनेजरों का वेतन तक रोक दिया गया। भारद्वाज ने आरोप लगाया कि एलजी के इस निर्णय से दिल्ली की स्वास्थ्य व्यवस्था लगभग तीन साल तक प्रभावित रही और इसका खामियाजा जनता को भुगतना पड़ा। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या तीन साल तक जनता को परेशानी में डालने और अस्पताल प्रशासन को नुकसान पहुंचाने के लिए एलजी या स्वास्थ्य सचिवों के खिलाफ कोई कार्रवाई होगी?उन्होंने कहा कि उस समय के स्वास्थ्य सचिव, चाहे वे एसबी दीपक कुमार हों या उनसे पहले के अधिकारी, ने एलजी के निर्देशों पर अस्पतालों में पहले से चल रही कुशल व्यवस्था को जानबूझकर बंद कराया। उन्होंने कहा कि सरकार के अच्छे काम को केवल अरविंद केजरीवाल को बदनाम करने के लिए रोका गया था। यह आज की तथाकथित चाणक्य नीति है: लोगों को परेशान करो, सरकारों के काम रोको, उन्हें बदनाम करो और फिर अपने आपको सबसे बड़ा राष्ट्रभक्त बताओ।

उन्होंने कहा कि 2018 में केजरीवाल सरकार ने अस्पताल प्रबंधन को मजबूत करने के लिए लगभग 90 हॉस्पिटल मैनेजरों की नियुक्ति की योजना बनाई थी, जिनमें से 54 लोगों को भर्ती किया गया। इन मैनेजरों ने 2018 से 2022 तक डॉक्टरों और वरिष्ठ अधिकारियों का प्रशासनिक बोझ कम किया था और अस्पतालों को पेशेवर तरीके से संचालित करने में अहम भूमिका निभाई थी। लेकिन, 2022 के बाद एलजी के हस्तक्षेप से यह व्यवस्था ठप हो गई। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि उन्होंने स्वास्थ्य मंत्री रहते हुए कई बार एलजी को पत्र लिखकर इस व्यवस्था को बहाल करने की मांग की, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। अब 2025 में भाजपा सरकार द्वारा हॉस्पिटल मैनेजर सिस्टम को दोबारा लागू किया जाना इस बात का प्रमाण है कि केजरीवाल मॉडल प्रभावी था और उसकी नकल की जा रही है।उन्होंने आगे कहा कि तीन साल तक जनता को परेशान करने के बाद अब वही मॉडल वापस लाया जा रहा है। लेकिन सवाल यह है कि क्या जनता को हुए नुकसान की जिम्मेदारी तय होगी? दुर्भाग्य से आज के दौर में यह संभव नहीं दिखता।

आज का अल्पाहार
राधे राधे ग्रुप

श्री राहुल अग्रवाल
के जन्मदिवस के अवसर पर
समस्त परिवार जन
वितरण स्थल : मेट्रो पिल्लर नं. A-1265, पब्लिक गार्डन रोड
SATISH KUMAR GUPTA 92465 05234
JAGAT NARAYAN AGARWAL 92465 35311
RAM PRAKASH GOEL 93910 14283
MAHESH AGARWAL 98490 98502

बाबा साहेब की हर मूर्ति की बनेगी बाउंड्री

लखनऊ,06 दिसंबर (एजेंसियां)। ख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस पर शनिवार को बड़ी घोषणा की। बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर महासभा ट्रस्ट के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में सीएम योगी ने कहा कि अक्सर कुछ शरारती तत्व मूर्तियों को क्षतिग्रस्त करने का प्रयास करते हैं, इसलिए उत्तर प्रदेश में हमारी सरकार महत्वपूर्ण निर्णय लेने जा रही है कि जहां भी बाबा साहेब की मूर्तियां लगी हैं, वहां बाउंड्रीवाल बनाकर उन मूर्तियों की सुरक्षा की व्यवस्था की जाएगी। मूर्तियों पर छत्र भी लगाया जाएगा, जिससे बाबा साहेब की मूर्ति की सुरक्षा सुनिश्चित होगी।सीएम ने डॉ. निर्मल के उस वक्तव्य का जिक्र किया, जिसमें उन्होंने कहा कि चतुर्थ श्रेणी, संविदा, सफाई कर्मचारियों को उचित मानदेय मिले। सीएम योगी ने कहा कि हमारी सरकार ने कॉरपोरेशन का गठन किया है। अगले एक-दो

महीने के अंदर ही सरकार चतुर्थ श्रेणी, संविदा, सफाई कर्मचारियों को न्यूनतम मानदेय देने की गारंटी उपलब्ध कराएगी। जीरो पॉवर्टी अभियान भी उसी का हिस्सा है। अभी भी जो वंचित हैं और सुविधा का लाभ नहीं पा सके, उनके लिए कार्य हो रहे हैं। अनुसूचित जाति-जनजाति, अतिपिछड़ी के गरीबों को चिह्नित करने का कार्य लगभग फाइनल हो गया है। किसी के राशन, पेंशन कार्ड बन रहे तो किसी को अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही है। जिसके पास आवास, आयुष्मान कार्ड नहीं होगा, उन्हें आवास व पांच लाख रुपये के आयुष्मान की सुविधा भी दिलाएंगे। कोई भी गरीब-वंचित अभावग्रस्त नहीं रहेगा। डबल इंजन सरकार उसे सभी सुविधाओं से संपन्न कराने का कार्य कर रही है।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हमें संविधान और बाबा साहेब पर गौरव की अनुभूति होती है।

सीएम ने कहा कि बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर ने उस समय भी खतरों से जागरूक किया था। कांग्रेस के बड़े नेता का जिक्र करते हुए सीएम योगी ने कहा कि अध्यक्ष रहते हुए उन्होंने 1923 में वंदे मातरम गाने से इंकार कर दिया था। जब उनका अंतिम समय आया तो उन्होंने इच्छा व्यक्त की कि येरूशलम में मरूं। तब बाबा साहेब ने टिप्पणी की थी कि जो व्यक्ति भारत में पैदा होकर यहां की सुविधा का उपभोग करके भी भारत की धरती को पवित्र न मानता हो, उसका वक्तव्य कभी भी भारतवासियों के हित में नहीं हो सकता। सीएम ने कहा कि तुष्टिकरण की नीति पर चलने वाले दल न केवल भारत का अहित कर रहे हैं, बल्कि बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर का भी अपमान कर रहे हैं और देशवासियों को उनकी सुविधाओं से वंचित करने की कुत्सित चेष्टा भी कर रहे हैं।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज का दिन सभी के लिए प्रेरणा दिवस है। बाबा साहेब ने जमीन से आसमान की ऊंचाइयों तक पहुंचने के लिए परिश्रम किया। वे चुनौतियों से जूझे, कठिनाइयों का सामना किया और सामाजिक भेदभाव के रुढ़िगत विषमताओं से जकड़े समाज से उबरकर कोटि-कोटि वंचितों, दलितों, अतिपिछड़ों को सम्मानजनक जीवन देने के लिए अवसर उपलब्ध कराया। महापरिनिर्वाण दिवस उनके प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करने का समारोह है।सीएम योगी ने कहा कि बाबा साहेब के शिक्षाओं से प्रेरित होकर पीएम मोदी के नेतृत्व मे देश के अंदर अभियान चल रहे हैं।

बाबा साहेब ने जब भारत का संविधान बनाया तो संविधान शिल्पी के रूप में अपने उत्तरदायित्वों का निर्वहन किया। मोदी जी ने सबका साथ, सबके विकास के भाव के साथ बिना भेदभाव हर वंचित, दलित, गरीब, पिछड़े, महिला, युवा को योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराया। गरीब को राशन, वंचित को मकान, हर गरीब के घर शौचालय निर्माण, स्वास्थ्य की बेहतरीन सुविधा प्राप्त हो सके।

नाबालिग का अपहरण करने वाले 5 गिरफ्तार, लड़की सकुशल बरामद

ग्रेटर नोएडा,06 दिसंबर (एजेंसियां)। ग्रेटर नोएडा के रबूपुरा थाना पुलिस ने एक महत्वपूर्ण सफलता हासिल करते हुए नाबालिग युवती के अपहरण और उससे जुड़े मामले में पांच वांछित आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने कार्रवाई के दौरान घटना में इस्तेमाल चार मोबाइल फोन और बिना नंबर प्लेट की एक स्कॉर्पियो गाड़ी भी बरामद की है। यह गिरफ्तारी यमुना एक्सप्रेस-वे स्थित शिवा ढाबा के पास से की गई। पुलिस ने जिन अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है, उनमें हिमांशु भाटी, बॉबी भाटी, अंकुश भाटी उर्फ राजा, चिराग ठाकुर और पदम सिंह शामिल हैं। पुलिस को लंबे समय से इन सभी की तलाश थी। इससे पहले भी पुलिस इस मामले में कई आरोपियों को जेल भेज चुकी है। पुलिस ने बताया है कि 28 सितंबर को शिकायत के आधार पर थाना रबूपुरा में एक मुकदमा दर्ज किया गया था। शिकायत में आरोप था कि आरोपी हिमांशु, दीपक उर्फ कल्ली और वंश त्यागी ने 17 वर्षीय नाबालिग लड़की को बहला-फुसलाकर ले गए थे। इस मामले में पुलिस ने पहले ही रविंद्र भाटी, दीपक उर्फ कल्ली, सौरभ और ब्रजेश को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था।पुलिस की पूछताछ में नाबालिग पीड़िता ने बताया कि वह हिमांशु से प्रेम करती है और 27 सितंबर को खुद उसके साथ चली गई थी। नाबालिग होने के कारण उनकी कोर्ट मैरिज संभव नहीं हो सकी। इसके बाद सौरभ, बॉबी, पदम सिंह, अंकुश और चिराग ने उसे चिराग से शादी करने के लिए दबाव बनाया। बताया गया कि युवती ने 17 नवंबर को इलाहाबाद के एक मंदिर में हिमांशु के साथ माला बदलकर शादी की और फिर 27 नवंबर को आर्य समाज मंदिर, गाजियाबाद में चिराग से शादी कराई गई। बाद में, 4 दिसंबर को चिराग और पीड़िता ने कोर्ट मैरिज भी की।हिमांशु ने पूछताछ में स्वीकार किया कि वह युवती से प्रेम करता है, लेकिन कम उम्र होने के कारण वह कानूनी रूप से शादी नहीं कर पा रहा था, इसलिए चिराग के माध्यम से कानूनी प्रक्रिया पूरी करवाई गई, जबकि युवती वास्तविक रूप से हिमांशु के साथ ही रहती थी।

संविधान बचेगा तो न्याय बचेगा, नहीं तो एकतंत्र आएगा : अखिलेश यादव

लखनऊ,06 दिसंबर (एजेंसियां)। डॉ. भीमराव अंबेडकर के पुण्यतिथि महापरिनिर्वाण दिवस पर देशभर से नेता श्रद्धाजंलि दे रहे हैं। इस बीच समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भारतीय संविधान की रक्षा की बात की। अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा कि जो लोग संविधान को कमजोर करना चाहते हैं, वे दरअसल लोकतंत्र को खत्म करके एकतंत्र लाना चाहते हैं। उन्होंने लिखा, देश का नारा होना चाहिए - जय जवान, जय किसान, जय संविधान। संविधान को लेकर कोई पक्ष-विपक्ष नहीं होना चाहिए। सबको एक तरफ, एक मत होना चाहिए। उन्होंने संसद में चल रही संविधान पर बहस को लोकतंत्र के लिए सबसे दुखद बताया और कहा कि वहां संविधान को बचाने की बात हो रही है, जबकि संविधान के हिसाब से

देश को आगे बढ़ाने की चर्चा होनी चाहिए।

सपा प्रमुख ने संविधान को 'लोकतंत्र का कर्म ग्रंथ' और 'संजीवनी' बताया। उन्होंने चेतावनी दी कि संविधान पर संकट का छाना दरअसल लोकतंत्र पर संकट है। 'जो संविधान को कमजोर करना चाहते हैं, वे लोकतंत्र को कमजोर करना चाहते हैं और लोकतंत्र के विरोधी वही होते हैं जो एकतंत्र लाना चाहते हैं।' अखिलेश ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि जो हक मारना चाहते हैं, वही संविधान को नकारने की कोशिश करते हैं।

अपनी पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) रणनीति को संविधान से जोड़ते हुए अखिलेश ने कहा, संविधान ही पीडीए का प्रकाश स्तंभ है। संविधान ही व्यक्ति की गरिमा और प्रतिष्ठा सुनिश्चित करता है। यह पीडीए समाज को शोषण-उत्पीड़न से बचाता है और शोषकों को सजा दिलाता है। हमारे लिए संविधान आखिरी उम्मीद है, रक्षा कवच है, ढाल है। संविधान है तो सुरक्षा है, संविधान है तो शक्ति है।

उन्होंने संविधान को 90 प्रतिशत शोषित-वंचित जनता का सबसे बड़ा मददगार बताया और कहा कि पीडए वालों के लिए संविधान की रक्षा जनम-मरण का सवाल है। अंत में अखिलेश ने भावुक अपील की, संविधान बचेगा तो न्याय बचेगा। न्याय बचेगा तो सबको बराबर मान-सम्मान और बराबर मौके मिलेंगे। भेदभाव मिटेगा, भेद का भाव मिटेगा। इसलिए आज फिर से संविधान बचाने के लिए एक और करो या मरो आंदोलन की जरूरत है।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने खारिज की नेहा सिंह राठौर की अग्रिम जमानत याचिका, पीएम मोदी पर की थी आपत्तिजनक टिप्पणी

लखनऊ,06 दिसंबर (एजेंसियां)।अपने विवादित बयानों और गानों से सुर्खियों में रहने वाली नेहा सिंह राठौर को इलाहाबाद हाईकोर्ट से बड़ा झटका लगा है। पीएम मोदी पर अपमानजनक टिप्पणी को लेकर उन पर चल रहे केस में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सिंगर की अग्रिम जमानत अर्जी को खारिज कर दिया है। सिंगर ने कोर्ट में

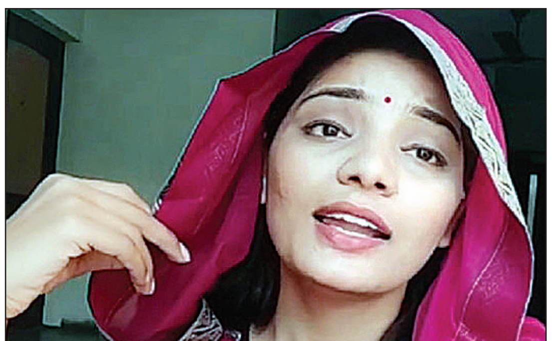

अग्रिम जमानत अर्जी डाली थी, लेकिन कोर्ट ने मामले को संवेदनशील बताते हुए याचिका को खारिज कर दिया। कोर्ट का कहना है कि नेहा राठौर की तरफ से जांच में किसी तरह का कोई सहयोग नहीं मिला है। अदालत की तरफ से कहा गया है कि अभियुक्त नेहा सिंह राठौर को गिरफ्तार करने के लिए पुलिस टीम का गठन किया गया है, लेकिन वे बार-बार अपना स्थान बदल रही हैं और जांच में सहयोग नहीं दे रही हैं।

उन्हें जांच के लिए 26 नवंबर को भी विवेचक के सामने पेश होने के लिए कहा गया था, लेकिन बीमारी का बहाना बनाते हुए उपस्थित नहीं हुईं। लोक गायिका पर कोर्ट के आदेश की अवहेलना करने का भी आरोप लगा है। जस्टिस बृजराज सिंह की एकल पीठ ने याचिका को रद्द करते हुए कहा कि उन्हें उचित समय पर रिहाई की अनुमति मिलेगी।

पाकिस्तान की तरफ से पहलगाम में हुए हमले के बाद नेहा राठौर ने पीएम मोदी की बिहार जनसभा रैली पर निशाना साधा था और एक के बाद एक सोशल मीडिया पोस्ट किए थे।

उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा था, कश्मीर में आतंकी हमला हुआ और उसके फौरन बाद पीएम मोदी ने हार में रैली कर दी, बिहार के मंच से ही पाकिस्तान को धमका दिया और जनता ने भी ताबड़तोड़ तालियां पीट दीं। नेहा सिंह राठौर ने कहा था कि बिहार में राष्ट्रवाद के नाम पर वोट बटोरने के लिए पीएम मोदी ने रैली की।

सिंगर ने न सिर्फ एक्स पर पीएम मोदी को लेकर पोस्ट किए, बल्कि केंद्र सरकार द्वारा आतंकवादियों को न ढूंढ पाने पर भी कटाक्ष किया। उन्होंने लिखा था, आतंकवादियों को ढूंढने और अपनी गलती मानने की बजाय भाजपा देश को युद्ध में झोंकना चाहती है। भाजपा देश के हजारों सैनिकों की जान जोखिम में डालना चाहती है।

इसके बाद लखनऊ के हजरतगंज थाने में नेहा राठौर के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई और केस अभी तक चल रहा है। गायिका किसी न किसी बहाने से कोर्ट में पेश होने से बच रही हैं और जांच में भी सहयोग नहीं कर रही हैं।

इससे पहले सीएम योगी के बुलडोजर एक्शन को लेकर भी वे विवादित गाने और पोस्ट कर चुकी हैं। तकरीबन एक हफ्ते पहले ही नेहा ने अपनी फरार होने की खबरों का खंडन करते हुए कहा था कि उन्हें किसी भी तरह की एफआईआर से डर नहीं लगता है और वे अपने घर में ही बैठी हैं।

वोट ही असली ताकत, एसआईआर में बढ़-चढ़कर भाग लें : मायावती

लखनऊ,06 दिसंबर (एजेंसियां)। बसपा मुखिया मायावती ने चुनाव आयोग द्वारा मतदाता सूची के विशेष सघन पुनरीक्षण (एसआईआर) को बेहद महत्वपूर्ण बताया है। उन्होंने अपील की कि बहुजन समाज जागरूकता के साथ इसमें बढ़-चढ़कर हिस्सा ले। डॉक्टर भीमराव अम्बेडकर के परिनिर्वाण दिवस पर बहुजन समाज पार्टी (बी.एस.पी.) प्रमुख मायावती ने आज अपने आवास पर उनके चित्र पर माल्यार्पण कर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर उन्होंने देशभर में बाबा साहेब के अनुयायियों द्वारा अर्पित की गई श्रद्धांजलि के लिए विशेष रूप से उत्तर प्रदेश सहित सभी समर्थकों का तहेदिल से आभार प्रकट किया। मायावती ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस, गणतंत्र दिवस, तथा बाबा साहेब की जयंती-पुण्यतिथि जैसे राष्ट्रीय अवसर हर बार यह गंभीर प्रश्न खड़ा करते हैं कि संविधान द्वारा प्रदत्त मानवतावादी व कल्याणकारी उद्देश्यों पर आधारित बहुजन समाज के आत्म-सम्मान और स्वाभिमान वाले अच्छे दिन आखिर कब आएंगे?

उन्होंने कहा कि दलितों, आदिवासियों, पिछड़े वर्गों और अन्य वंचित समाज के करोड़ों लोगों के लिए आज

भी समान अवसर और सशक्त जीवन एक सपना बना हुआ है, जबकि बाबा साहेब ने इन्हें उनका वैधानिक अधिकार दिलाने हेतु आजीवन संघर्ष किया।

मायावती ने कहा कि बहुजन समाज को अपनी सबसे बड़ी शक्ति-वोट-को पहचानना होगा और उसकी रक्षा करनी होगी। इसी क्रम में उन्होंने चुनाव आयोग द्वारा कराए जा रहे मतदाता सूची के विशेष सघन पुनरीक्षण (एसआईआर) को बेहद महत्वपूर्ण बताते हुए अपील की कि बहुजन समाज जागरूकता के साथ इसमें बढ़-चढ़कर हिस्सा ले।

बसपा प्रमुख ने कहा कि जातिवादी पार्टियों के राज-काज में बहुजन समाज की वास्तविक तरक्की कभी संभव नहीं रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि आज भी बहुजन समाज को सत्ता के केंद्र से दूर रखने के लिए साम, दाम, दंड, भेद और राजनीतिक षड्यंत्रों का सहारा लिया जा रहा है। देश में रुपये के भारी अवमूल्यन पर भी मायावती ने चिंता व्यक्त की और कहा कि यह मुद्दा केवल आर्थिक नहीं बल्कि राजनीतिक महत्व का बन गया है।

उन्होंने मांग की कि सरकार इसे गंभीरता से लेकर ठोस समाधान प्रस्तुत करे। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश के विभिन्न मंडलों में आयोजित कार्यक्रमों में लखनऊ की गोमती नदी के तट पर स्थित डॉ. भीमराव अम्बेडकर सामाजिक परिवर्तन स्थल पर बड़ी संख्या में अनुयायी एकत्र हुए। इसी प्रकार पश्चिमी यूपी, दिल्ली और उत्तराखंड के लोगों ने नोएडा स्थित राष्ट्रीय दलित प्रेरणा स्थल एवं ग्रीन गार्डेन में एकत्र होकर बाबा साहेब को नमन किया। यहां बसपा के राष्ट्रीय संयोजक आकाश आनंद ने भी श्रद्धा सुमन अर्पित किए।

यूपी सिर्फ निवेश की संभावना वाला नहीं, निवेश के भरोसे का राज्य बन गया : योगी

फर्रुखाबाद,06 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश अब सिर्फ निवेश की सम्भावना वाला नहीं बल्कि निवेश के भरोसे का राज्य बन गया है। अधिकारी निवेशकों के साथ लगातार संवाद बनाते रहें। किसी भी स्तर पर विलम्ब की कोई गुंजाइश नहीं होनी चाहिए। 'स्पीड, स्टेबिलिटी और सपोर्ट' नए उत्तर प्रदेश की पहचान होनी चाहिए।मुख्यमंत्री अपने सरकारी आवास पर उच्चस्तरीय बैठक में प्रदेश में विदेशी निवेश को नई गति देने की दिशा में चल रहे प्रयासों की उच्चस्तरीय समीक्षा कर रहे थे। मुख्यमंत्री को अवगत कराया गया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 के सितम्बर 2025 माह तक की अवधि में उत्तर प्रदेश को 683 मिलियन अमेरिकी डॉलर का विदेशी निवेश प्राप्त हुआ है। राज्य का कुल संचयी विदेशी निवेश अक्टूबर, 2019 से अब 2,754 मिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंच चुका है। चालू अवधि में प्रदेश को 5,963 करोड़ रुपये का विदेशी निवेश प्रवाह मिला है, जो विगत वर्षों की तुलना में तेज वृद्धि को दर्शाता है।एफडीआई एफसीआई-फॉर्च्यून 500 नीति-2023 के अन्तर्गत अब तक 11 निवेश आवेदकों ने 13,610 करोड़ रुपये के प्रस्ताव दिए हैं। 22 आवेदनों के माध्यम से 17,810 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। 56 हजार करोड़ रुपये के निवेश से जुड़े

29 आवेदन पाइपलाइन में हैं। जापान, अमेरिका, बेल्जियम, यूनाइटेड किंगडम, पोलैण्ड और सिंगापुर उत्तर प्रदेश के प्रमुख निवेश साझेदार बने हुए हैं जापान, दक्षिण कोरिया, ताइवान, जर्मनी, फ्रांस, सिंगापुर और खाड़ी देशों के लिए बनाए गए विदेशी डेस्क लगातार सक्रिय हैं। दूतावासों, उच्चायोगों और व्यापार संघों से निरन्तर संवाद चल रहा है।

निवेशकों के साथ 100 से अधिक वन-टू-वन बैठकें हो चुकी हैं। जापान व्यापार संगठन और सिंगापुर अंतरराष्ट्रीय वाणिज्य मण्डल के साथ होने वाले समझौते भी निवेश के ठोस अवसरों में बदले जा रहे हैं।खाड़ी सहयोग परिषद सेक्टर डेस्क की समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री जी को अवगत कराया गया कि दिल्ली, नोएडा, मुम्बई, लखनऊ और कानपुर में अब तक 6 गोलमेज बैठकें हो चुकी हैं, जिनसे 83 कम्पनियों के साथ सीधा संवाद बना और करीब 5,000 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव सामने आए। सूचना प्रौद्योगिकी, इलेक्ट्रॉनिक्स और विनिर्माण क्षेत्र में सबसे अधिक रुचि दिखी, जबकि बैंकिंग, वित्त, बीमा, फार्मा, लाइफ साइन्स, मीडिया और मनोरंजन क्षेत्रों को उच्च संभावनायुक्त बताया गया। ललितपुर फार्मा पार्क के सम्बन्ध में कहा कि इससे जुड़े अवसंरचना कार्यों में और अधिक तेजी लाई जाए। कई बड़ी दवा कम्पनियों ने यहां निवेश में रुचि दिखाई है, ऐसे में उनसे लगातार संवाद बनाए रखा जाए और भूमि, बिजली, पानी जैसी सुविधाएं समय पर सुनिश्चित की जाएं।जापान डेस्क की समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री जी को अवगत कराया गया कि डेंसो के ब्राउनफील्ड विस्तार परियोजना पर विस्तृत परियोजना रिपोर्ट और दस्तावेजी प्रक्रिया आगे बढ़ रही है। कांसाई फार्मास्युटिकल इण्डस्ट्री एसोसिएशन की 125 जापानी कम्पनियों के साथ फॉलोअप चल रहा है। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कानपुर के सहयोग से ग्रीन हाइड्रोजन उत्कृष्टता केन्द्र की प्रक्रिया भी शुरू हो चुकी है। टोयोटा समूह, सुमितोमो और मारुबेनी से निवेश को लेकर लगातार बातचीत जारी है। जापान डेस्क के अन्तर्गत कुल 20,000 करोड़ रुपये के निवेश का लक्ष्य रखा गया है।ताइवान डेस्क की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री जी ने कहा कि यहां प्रयास और अधिक तेज किए जाएं। ताइवान के निवेशकों के साथ निरन्तर संवाद बनाए रखा जाए, केवल रोड-शो तक सीमित न रहा जाए। बैठक में मुख्यमंत्री जी को अवगत कराया गया कि 40 से अधिक कम्पनियां चिन्हित की गई हैं। लगभग 100 करोड़ रुपये के निवेश पाइपलाइन में है। नोएडा, ग्रेटर नोएडा और यमुना एक्सप्रेस-वे क्षेत्र को इलेक्ट्रॉनिक्स और सेमीकण्डक्टर केन्द्र के रूप में विकसित किया जा रहा है, जहां एच-सीएल-फॉक्सकॉन का 3,700 करोड़ रुपये का निवेश मजबूत आधार बनेगा। कानपुर को तकनीकी वस्त्र और स्पोर्ट्सवेयर केन्द्र के रूप में विकसित करने की योजना भी सामने रखी गई।दक्षिण कोरिया डेस्क की समीक्षा में अवगत कराया गया कि सैमसंग, एलजी, केएच वेटेक और ड्रीमटेक जैसी कम्पनियों के साथ निवेश को लेकर बातचीत आगे बढ़ चुकी है। एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स का गौतमबुद्धनगर में करीब 850 करोड़ रुपये का विस्तार प्रस्तावित है, जबकि लोट्टे समूह का लगभग 400 करोड़ रुपये का निवेश प्रक्रियाधीन है। मुख्यमंत्री ने कोरियाई कम्पनियों के लिए संवाद और सुविधाकरण को और मजबूत करने के निर्देश दिए।सिंगापुर डेस्क के अन्तर्गत टेमासेक, सरकारी निवेश कोष, पीएसए, डीबीएस कैपिटललैण्ड-असेन्डास, केपेल और सेम्बकॉर्प जैसे निवेशक यूपी में लगातार रुचि दिखा रहे हैं। विदेशी डेस्क द्वारा नियमित अन्तराल पर राउण्ड टेबल बैठकें होती रहनी चाहिए।

फर्रुखाबाद में नामकरण की खुशी हर्ष फायरिंग से मातम में बदली, युवक की गोली लगने से मौत

फर्रुखाबाद,06 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के फर्रुखाबाद जिले के थाना कमालगंज क्षेत्र के गांव उमराय नगला में शुक्रवार देर रात एक नामकरण संस्कार का कार्यक्रम अचानक दर्दनाक हादसे का गवाह बन गया। कार्यक्रम में हर्ष फायरिंग के दौरान एक 20 साल के युवक की गोली लगने से मौत हो गई। गांव निवासी विजय यादव के नवजात पुत्र के नामकरण की दावत में सैकड़ों लोग जमा थे। घर के बाहर जोर-शोर से डीजे बज रहा था और लोग नाच-गाना कर रहे थे। इसी दौरान गांव के ही प्रधान अपनी लाइसेंसी डबल बैरल बंदूक लेकर कार्यक्रम में पहुंचे। रात करीब 11 बजे गांव का ही विकास यादव ने खुशी में हवा में हर्ष फायरिंग शुरू कर दी। पहली गोली चलते ही अचानक दूसरी गोली नीचे की ओर निकली और पास में डांस कर रहे 20 वर्षीय अंशु यादव पुत्र चंद्रपाल यादव को सीने में जा लगी। गोली लगते ही अंशु जमीन पर गिर पड़ा और मौके पर ही उसकी दर्दनाक मौत हो गई।गोली की आवाज और खून से लथपथ अंशु को देखते ही डीजे पर नाच रहे लोग चीखते-चिल्लाते इधर-उधर भागने लगे। पूरी दावत में अफरा-तफरी मच गई। महिलाएं और बच्चे रोते-बिलखते घरों की ओर दौड़े। कुछ लोग अंशु को उठाकर नजदीकी अस्पताल ले गए, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।सूचना मिलते ही थाना कमालगंज प्रभारी राजीव कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। अपर पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह भी घटनास्थल पर पहुंचे और पूरी स्थिति का जायजा लिया।एएसपी ने बताया, नामकरण समारोह में गांव के विकास यादव ने लाइसेंसी बंदूक से हर्ष फायरिंग की। इसमें अंशु यादव को गोली लगी और उसकी मौत हो गई। आरोपी विकास यादव को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। उसकी लाइसेंसी बंदूक जब्त कर ली गई है। शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। हत्या का मुकदमा दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

सौंदर्य

त्वचा के लिए खूबसूरती प्रदान करता है आयुर्वेद

आयुर्वेद मानव जीवन के लिए वरदान है।

आजकल अधिकांश लोग खुद को खूबसूरत बनाने के लिए ढेरों कॉस्मेटिक प्रोडक्ट का इस्तेमाल करते हैं। ऐसे में कई बार उन्हें इन प्रोडक्ट के रिएक्शन भीझेलने पड़ते हैं। साथ ही, त्वचा पर कई दूरगामी नकारात्मक प्रभाव भी पड़ते हैं। इन समस्याओं से बचने के लिए हमें अब अपनी जड़ों तक जाना होगा, यानी सदियों से चला आ रहा परंपरागत आयुर्वेदिक ज्ञान अपनाना होगा। आज हम कुछ चुनिंदा आयुर्वेदिक नुस्खों का जिक्र करेंगे, जिनका उपयोग करके सालों से महिलाएं अपना सौंदर्य निखारती आई हैं।

ग्लोइंग स्किन के लिए खीरा

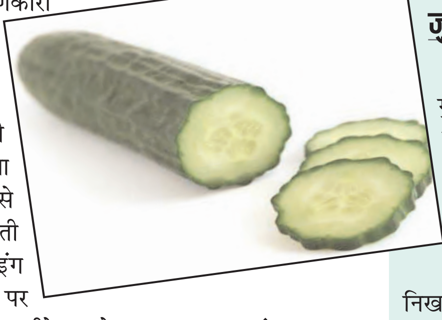

खीरा एक ऐसी गुणकारी चीज़ है, जिसका सेवन सप्ताह में एक बार जरूर करना चाहिए। साथ ही, खीरा स्किन के लिए भी बहुत लाभदायक माना जाता है। इसे खाने से शरीर की गर्मी छंट जाती है। स्किन को ग्लोइंग बनाने के लिए चेहरे पर खीरे का जूस बनाकर या खीरे का पेस्ट बनाकर लगाएं।

आलू भगाए चेहरे से दाग-धब्बे

आलू सिर्फ खाने के लिए नहीं, त्वचा पर लगाने के भी काम आता है। यदि आपके चेहरे पर काले धब्बे हैं तो आलू की स्लाइस लेकर हल्के-हल्के से मसाज करें। आलू का जूस चेहरे पर लगाएं। रोज इसे चेहरे पर लगाने से चेहरा निखर जाता है।

जुबान ही नहीं त्वचा को भी भाए नारियल पानी

नारियल पानी बहुत ही गुणकारी होता है। इसीलिए रोजाना नारियल पानी पीने से चेहरा चमकने लगता है। नारियल पानी से चेहरा धोने से दाग-धब्बे दूर हो जाते हैं। नारियल का पेस्ट बनाकर चेहरे पर लगाने से रंग निखरने लगता है। आयुर्वेद का ये असरदार नुस्खा आप जरूर आजमाएं।

टमाटर चमकाए चेहरा

टमाटर सिर्फ आपकी सब्जी का ही स्वाद नहीं बढ़ाते बल्कि आपकी त्वचा को भी एक नया रंग देते हैं। दो चम्मच टमाटर का रस और आधा चम्मच शहद मिलाएं। इस मिश्रण को चेहरे पर लगाएं और 20 मिनट के बाद धो लें। चेहरा कांतिवान दिखेगा। साथ ही, आपके चेहरे से दाग-धब्बे भी धीरे-धीरे खत्म हो जाएंगे। ऑयली स्किन वालों के लिए ये बहुत खास आयुर्वेदिक नुस्खा है।

त्वचा के लिए शहद का नुस्खा

कई इलाकों में पारंपरिक हर्बल वैद्य शहद के साथ फेस पैक तैयार करते हैं। इन जानकारों के अनुसार, बेसन, शहद, जैतून, दूध मलाई को मिलाकर चेहरे पर लगाएं। इस मिश्रण में 3 चम्मच बेसन, शहद, दूध मलाई और जैतून के तेल का 1-1 चम्मच मिलाएं। चेहरे पर लगाएं और करीब 20 मिनट बाद इसे साफ पानी से धो लें।

पके केले से त्वचा पर निखार

केला त्वचा के लिए बहुत अच्छा होता है। पके हुए केले को अच्छी तरह से मैश कर लें। उसे चेहरे पर फेस पैक की तरह लगाएं। करीब 15 मिनट बाद इसे धो लें। चेहरा धुल जाने के बाद रक्त चंदन का लेप करें। माना जाता है कि ऐसा करने से चेहरे की त्वचा में जबरदस्त निखार आता है।

नींबू से त्वचा की अंदरूनी सफाई

नींबू स्किन के लिए एक चमत्कारी दवा की तरह काम करता हैं। रंग निखारने के लिए नींबू का रस चेहरे पर लगाएं। कुछ देर बाद चेहरा धो लें। नींबू के रस में टमाटर का रस मिलाकर लगाने से भी त्वचा की सफाई हो जाती है और रंग गोरा होने लगता है।

घर के आगे इन चीजों का होना होता है अशुभ

वास्तु

हम सभी चाहते हैं कि हमारा घर सुख-समृद्धि से भरा रहे, हर किसी की जरूरतें पूरी हों और किसी भी तरह की आर्थिक तंगी से जूझना ना पड़ा। इसके लिए हम कड़ी मेहनत तो करते ही हैं, साथ वास्तु में यकीन करने वाले उसके अनुसार अपने घर को भी रखते हैं ताकि सिर्फ सकारात्मक उर्जा का संचार हो। मगर आपको बता दें कि सिर्फ घर के अंदर मौजूद चीजें ही नहीं बल्कि घर के आगे या आस-पास मौजूद चीजें भी वास्तु दोष उत्पन्न करती हैं और ये घर में रहने वालों की शारीरिक, मानसिक व आर्थिक परेशानी बढ़ाती हैं। इसलिए चलिए आपको ऐसी चीजों के बारे में बताते हैं, जो अगर आपके घर के आगे या आस-पास हैं तो तुरंत उन्हें हटा दीजिए-

- घर के आगे गंदे पानी का जमाव वास्तु दोष उत्पन्न करता है। अगर यह जमाव पश्चिम की ओर हो तब धन का नुकसान तो होता ही है बदनामी भी होती है।
- घर के आगे पत्थरों का जमा होना भी वास्तु के अनुसार अनुकूल नहीं होता है। इससे जीवन में तरक्की की रफ्तार कम हो जाती है। व्यक्ति को जीवन के हर क्षेत्र में बाधाओं का सामना करना पड़ता है।
- कांटेदार पौधे घर के आगे होने का मतलब आपके विरोधियों की संख्या बढ़ रही है। यह पारिवारिक जीवन में मतभेद बढ़ाने का काम करता है, साथ ही स्वास्थ्य संबंधी नुकसान भी झेलना पड़ता है।
- वास्तु के अनुसार घर के आगे दूध निकलने वाले पौधे का होना भी कष्टकारी होता है।
- घर के आगे कूड़ेदान का होना वास्तु के अनुसार कष्टकारी होता है।
- बिजली का खंभा मुख्य द्वार के सामने उन्नति में बाधक माना जाता है।
- घर के आगे घना वृक्ष का होना वास्तु दोष उत्पन्न करता है।
- घर के आगे से बेल का ऊपर चढ़ना भी शुभ नहीं माना जाता है। वास्तु के अनुसार इससे विरोधियों और शत्रुओं की संख्या बढ़ती है और उन्नति में बाधा आती है।
- वास्तु के अनुसार घर की दहलीज यानी मुख्य द्वार से ऊंची सड़क का होना भी कष्टकारी होता है। इससे घर में रहने वालों की सेहत में उतार-चढ़ाव बना रहता है। घर की महिलाओं को कई तरह की परेशानियों का सामना करना होता है और रिश्तों में तालमेल की कमी होती है।

गले में खाना अटके तो हो जाएं सावधान

गले में खाना अटकने और दर्द होने पर नजरअन्दाज न करें। यह गले की नली में होने वाले कैंसर का मुख्य लक्षण हो सकता है। कुछ भी खाने पर अटकना, गले से कड़वा पानी निकलना, बार-बार उल्टी का अहसास होना, दर्द, सूजन और धीरे-धीरे इस समस्या के बढ़ने पर एक समय बाद पानी पीना भी बेहद मुश्किल हो जाता है। ये सारे लक्षण कार्सिनोमा ईसोफेगोस्टोम यानी ग्रासनली के कैंसर के हैं। यह जानकारी शुक्रवार को मुंबई से आए टाटा मेमोरियल हॉस्पिटल के डॉ. सीएस प्रमेश ने दी। वह केजीएमयू सर्जरी विभाग में हुए लेक्चर में मेडिकोज को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने बताया कि भारत में पुरुषों में होने वाला चौथा कॉमन कैंसर हैं। वहीं महिलाओं में छठा है। नली में गांठ का हो जाना, तम्बाकू, ऐल्कॉहॉल लेने और बैलेंस डाइट के न लेने के कारण यह बिमारी होती है।

बड़ी बीमारियों के कारण भी हो सकता पीलिया-केजीएमयू के डॉ. विशाल गुप्ता ने बताया कि पेट दर्द, भूख कम लगना, अनीमिया, कमजोरी होने पर विशेषज्ञ से सम्पर्क करना चाहिए। ऐसे लक्षण द्वारा पैनक्रियाज का कैंसर होने की संभावना रहती है। बड़ी बीमारियों के होने का एक मुख्य कारण पीलिया भी होता है। पीलिया होने पर अल्ट्रासाउन्ड और खून की जांच करवाना चाहिए। वहीं सीटी स्कैन द्वारा कैंसर की पकड़ की जाती है। ड्रिंकिंग, स्मोकिंग, पुश्तों या घर में यह बिमारी किसी को होने पर पैनक्रियाज कैंसर तेजी से पनपता है।

कैंसर सेल्स छूटने पर होता है दोबारा कैंसर-मेदान्ता अस्पताल के डॉ. आदर्श चौधरी ने बताया कि पेट के कैंसर की पुष्टि हो जाने पर सर्जरी कर प्रभावित भाग को निकालने के बाद मरीज को कीमोथेरपी दी जाती है। कीमोथेरपी देने के बावजूद भी 10 से 15 प्रतिशत मरीजों में दोबारा कैंसर होने की संभावना रहती है। उन्होंने बताया कि एचबी का कम होना, भूख न लगना, कमजोरी महीने में दस बार से अधिक पेट दर्द होना इस बिमारी का कारण होता है।

वो चमत्कारी कुंड, जहां स्नान करने से मिलता है संतान का सुख

हम आपको घूमने की जगहों के बारे में तो बताते रहते हैं, इस बार आपको उस जगह ले चलते हैं जहां मान्यता है कि वहां स्नान कर संतान सुख प्राप्त किया जा सकता है। बड़े-बुजुर्ग कहते हैं वो घर ही क्या, जहां बच्चे की किलकारियां ना गूंजती हों। मगर कई ऐसे लोग हैं जो शादी के सालों बाद भी संतान सुख से वंचित हैं। ऐसे लोगों को जरूर इस चमत्कारी कुंड में स्नान करने जाना चाहिए, जहां स्नान करने से घर में किलकारियां गूंजने लगती हैं। ऐसी प्राचीन मान्यता है और कहते हैं इस कुंड को खुद कृष्ण और राधा ने बनवाया था।

जी हां, और अब तक तो आप समझ ही गए होंगे कि हम यहां मथुरा की बात कर रहे हैं जिसे भगवान कृष्ण का ही एक रूप माना जाता है। यह पूरा शहर ही उनकी भक्ति और कृपा से भरा हुआ है और यहीं गोवर्धन गिरिधारी की परिक्रमा मार्ग में एक चमत्कारी कुंड पड़ता है राधा कुंड जिसके बारे में मान्यता है कि अगर निःसंतान दंपति अहोई अष्टमी (कार्तिक कृष्ण पक्ष की अष्टमी) की मध्य रात्रि को यहां एक साथ स्नान करें तो उनके घर बच्चे की किलकारी गूंज सकती है। ऐसा कहा जाता है की यहां महिलाएं अपने केश खोलकर राधा जी से संतान का वरदान मांगती हैं। यहां स्नान करने से सभी मनोकामनाएं पूर्ण हो सकती हैं।

ये कथा है प्रचलित

कुंड से संबंधित एक कथा के अनुसार कंस ने भगवान श्रीकृष्ण का वध करने के लिए अरिष्टासुर नामक दैत्य को भेजा था। अरिष्टासुर बछड़े का रुप लेकर श्रीकृष्ण की गायों में शामिल हो गया और ग्वालों को मारने लगा था। भगवान श्रीकृष्ण ने बछड़े के रुप में छिपे दैत्य को पहचान लिया। श्रीकृष्ण ने उसको पकड़कर जमी पर पटक पटककर उसका वध कर दिया। यह देखकर राधा ने श्रीकृष्ण से कहा कि उन्हें गौ हत्या का पाप लग गया है। इस पाप से मुक्ति हेतु उन्हें सभी तीर्थों के दर्शन करने चाहिए। राधा की बात सुनकर श्रीकृष्ण ने देवर्षि नारद से इसका उपाय पूछा। देवर्षि नारद ने उन्हें उपाय बताया कि वह सभी तीर्थों का आह्वान करके उन्हें जल रूप में बुलाएं और उन तीर्थों के जल को एकसाथ मिलाकर स्नान करें, जिससे उन्हें गौ हत्या के पाप से मुक्ति मिल जाएगी। देवर्षि के कहने पर श्रीकृष्ण ने एक कुंड में सभी तीर्थों के जल को आमंत्रित किया और कुंड में स्नान करके पापमुक्त हो गए। उस कुंड को कृष्ण कुंड कहा जाता है, जिसमें स्नान करके श्रीकृष्ण गौहत्या के पाप से मुक्त हुए थे। माना जाता है कि इस कुंड का निर्माण श्रीकृष्ण ने अपनी बांसुरी से किया था। देवर्षि नारद के कहने पर श्रीकृष्ण ने अपनी बांसुरी से एक छोटा सा कुंड खोदा और सभी तीर्थों के जल से उस कुंड में आने की प्रार्नाथ की। श्रीकृष्ण के आवाह्न पर सभी तीर्थ वहां जल रुप में आ गए। माना जाता है कि तभी से सभी तीर्थों का अंश जल रूप में यहां है। श्रीकृष्ण द्वारा बने कुंड को देख राधा ने भी उस कुंड के पास ही अपने कंगन से एक और छोटा सा कुंड खोदा। भगवान श्रीकृष्ण ने जब उस कुंड को देखा तो उन्होंने प्रतिदिन उसमें स्नान करने व उनके द्वारा बनाए कुंड से भी अधिक प्रसिद्ध होने का वरदान दिया। देवी राधा द्वारा बनाए कुंड राधा कुंड के नाम से प्रसिद्ध हुआ। माना जाता है कि अहोई अष्टमी तिथि को इन कुंडों का निर्माण हुआ था, जिसके कारण अहोई अष्टमी को यहां स्नान करने का विशेष महत्व है। प्रति वर्ष यहां बड़ी संख्या में भक्त स्नान हेतु आते हैं। कृष्ण कुंड और राधा कुंड की अपनी एक विशेषता है कि दूर से देखने पर कृष्ण कुंड का जल काला और राधा कुंड का जल सफेद दिखाई देता है जो कि श्रीकृष्ण के काले वर्ण के होने का और देवी राधा के सफेद वर्ण के होने का प्रतीक है।

यूं बनाएं अंडे की मजेदार डिश

एग्ज फ्लॉरेंटाइन स्वास्थ्य स्वाद्य पदार्थों का एक बेहतर मिश्रण है। अंडे और पालक से बनी यह डिश बेहतर ब्रेक फस्ट हो सकती है। आइये जानते हैं, इसको कैसे तैयार करें...

रेसिपी

जरूरी सामग्री

- 10 औंस कटा हुआ पालक
- 2 चम्मच आटा
- 1 चुटकी नमक
- 2 चम्मच पिसा हुआ पनीर
- 1/4 कप मक्खन
- 8 अंडे
- थोड़ी सी काली मिर्च

बनाने की विधि

- पालक को पकाएं।
- सफेद चटनी तैयार करने के लिए मक्खन को एक छोटी सॉसपैन में पिघलाएं। उसके बाद आटा डालें और अच्छी तरह से मिलाएं। जब तक मिश्रण गाढ़ा न हो जाए और बुलबुले न आने लगें, इसे हिलाते रहें।
- अब पालक को एक हल्की उथली हुई बेकिंग डिश में डालें। उसके बाद अंडे को पालक के ऊपर रख दें और सफेद चटनी अंडों के ऊपर डालें। नमक, काली मिर्च और पनीर का छिड़काव करें।
- दो से तीन मिनट तक 400 फॉरेनहाइट पर अंडों को उस समय तक पकाएं जब तक यह पिघल न जाएं और हल्का भूरा न हो जाए।

अब इसे टोस्टेड ब्रेड के साथ सर्व करें।

ऐनिसथीजिया देते समय अनीमिक बच्चों का रखें ध्यान

तीन दिवसीय बाल ऐनिस्थीजिया पर शुक्रवार को कन्वेशन सेंटर में सेमिनार हुआ। केजीएमयू में पहली बार हुई नैशनल कान्फ्रेंस के पहले दिन डॉ. अनीता मलिक ने बताया कि बच्चों की सर्जरी के दौरान बेहोशी की दवाओं को निर्धारित मात्रा में ही देना चाहिए। सही तरह से और सही मात्रा में दिया जाने वाले ऐनिस्थीजिया से बच्चों को सर्जरी के बाद दर्द कम होता है और जल्दी डिस्चार्ज होगा। आईसीयू स्टे कम होगा और चोट के निशान भी जल्द ठीक होंगे। बच्चों की सर्जरी के समय देने वाले ऐनिस्थीजिया पर बच्चों को पहले पूरी तरह से एग्जामिन करना चाहिए। उनमें पैदाइशी कोई बीमारी हो तो ऐसे में विशेषज्ञ ऐनिस्थेटिस्ट की मौजूदगी जरूरी है।

डॉ. संजय ने बताया कि बेंगलुरु की अपेक्षा यूपी में ऐनिस्थेटिस्ट की कमी है, जिसके लिए जाएरूकता कार्यशालाओं का आयोजन कर नए-नए कोर्स खुलवाने चाहिए, जिससे इनकी संख्या में इजाफा होगा।

पीडियाट्रिक ऐनिस्थीजिया ट्रेनिंग के लिए खुलेगा नया विभाग

केजीएमयू में बाल विभाग ऐनिस्थीजिया के लिए ऐनिस्थेटिस्ट को पीएम कोर्स की ट्रेनिंग जल्द ही दी जाएगी। इसके लिए अलग से एक नया विभाग खोलने की बात की जा रही हैं, जिसमें केजीएमयू में काम कर रहे ऐनिस्थेटिस्ट को इस विशेष कोर्स का डिप्लोमा भी मिलेगा। केजीएमयू के वीसी ने इस प्रस्ताव को मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया को भेजा गया है, जिसकी मंजूरी मिलते ही नए विभाग को खोला जाएगा। पीएम का यह कोर्स तीन वर्ष का होगा। अभी तक केवल मुम्बई में ही इस कोर्स को कराया जा रहा है।

वर्कशॉप में डेलिगेट्स ने सीखीं नई तकनीकें

वर्कशॉप में अल्ट्रासाउंड गाइडेड नर्व ब्लॉक, सिमुलेशन, काड्रियोपल्मोनरी रिसर्च और डिसिकल्ट एअरवे ऐनिस्थीजिया के बारे में डेलिगेटस मौजूद रहे, जिन्होंने क्रिटिकल केस, सर्जरी के पहले और बाद में आने वाली कठिनाइयों के बारे में जानकारी ली।

अजंता-एलोरा की गुफाएं

अजंता-एलोरा की गुफाएं हमारे इतिहास की अमूल्य धरोहर हैं। महाराष्ट्र के औरंगाबाद के निकट स्थित चट्टानों को काट कर बनाई गईं ये गुफाएं दुनिया भर में विख्यात हैं। अजंता औरंगाबाद से 106 किमी दूर है, तो एलोरा मात्र 26 किमी।

इन गुफाओं का वास्तुशिल्प और चित्रकला देख कर आप दंग रह जाएंगे। इसी विशेषता के कारण करीब डेढ हजार साल पुरानी ये गुफाएं आज भी पर्यटकों को प्रभावित करती हैं।

अजंता में कुल 29 गुफाएं हैं, जो कि नदी द्वारा निर्मित एक के दक्षिण में स्थित हैं। इनकी नदी से ऊंचाई 35 से 110 फुट तक की है। अर्धवृत्ताकार पहाड़ी में स्थित इन गुफाओं को चट्टानें काटकर बनाया गया है। ये सभी बौद्ध धर्म को समर्पित हैं। इनमें कुछ मूर्तियां भी विद्यमान है।

एलोरा गुफाएं अपने मूर्तिशिल्पों के कारण ही प्रसिद्ध हैं। एलोरा में कुल 34 गुफाएं हैं। पत्थरों को काट कर बनाई इन गुफाओं में 12 बौद्ध धर्म से जुड़ी हैं, 5 जैन तथा शेष 17 गुफाएं हिंदू मंदिरों के रूप में हैं। एलोरा की सभी गुफाएं छठीं से 10वीं शताब्दी के मध्य बनी हैं। ये भव्य गुफाएं और यहां के मूर्तिशिल्प महान कलासाधक शिल्पियों के अथक प्रयास के परिणाम हैं। पत्थर पर उकेरे गए जीवन के विभिन्न आयामों को प्रदर्शित करते खजुराहो के देवालय आज दुनिया भर में प्रसिद्ध हैं। चंदेल राजाओं द्वारा इन भव्य मंदिरों का निर्माण एक हज़ार साल पहले करवाया गया था। उत्कृष्ट वास्तुकला और भित्तियों पर सजी सर्वोत्तम मूर्तिकला के कारण इन मंदिरों को आज विश्व विरासत का दर्जा प्राप्त है। इन मंदिरों की दीवारों पर जड़ी मूर्तियां भी इनकी विश्व में ख्याति का कारण हैं।

आज यहां केवल 22 मंदिर शेष हैं। इनमें से कुछ पंचायतन, तो कुछ सप्तरथ शैली में बने हैं। इनमें मतंगश्वर मंदिर सबसे प्राचीन है। खजुराहो के मंदिर तीन हिस्सों में बंटे हैं। यहां के महत्वपूर्ण मंदिर पश्चिमी समूह में विद्यमान हैं। पूर्वी मंदिर समूह में तीन हिंदू तथा चार जैन मंदिर हैं।

खतरनाक चींटियां

चींटियों का खलिहानों या अनाज घरों पर हमला एक ही दिन में कई किलो अनाज को चौपट कर देता है। कोमारा द्वीप की चींटियां भी बड़ी ख़तरनाक होती हैं। ये जब अपने विशाल समूह में होती हैं, तो वृक्षों तक को चट कर जाती हैं। यहां रहने वाले आदिवासी चींटियों के कहर से बचने के लिए बंदर पालते हैं, क्योंकि बंदर इन चींटियों को बड़े चाव से खाते हैं।

डाक टिकटों का जादू बेमिसाल है। शायद ही कोई व्यक्ति हो, जो किसी न किसी दौर में इस तिलिस्म से होकर न गुजरा हो। तो चलें, खोलें कुछ रोचक रहस्य और जानें डाक टिकटों के बारे में...

डाक टिकटों का खजाना

डाक टिकटें सिर्फ चिट्ठियों की रसीदें नहीं हैं। इनसे बहुत से विषयों पर कई प्रकार की जानकारी मिलती है। ये अनेक देशों और अंतरराष्ट्रीय घटनाओं की सांझा धरोहर हैं। ये टिकटें विभिन्न देशों के इतिहास, प्राकृतिक सौंदर्य और संस्कृतियों की सांझा अमानत हैं। डाक टिकट खरीदना और बेचना एक व्यवसाय भी है। अमरीका में डाक टिकट इकट्ठे करना सबसे प्रसिद्ध हॉबी है। बहुत से बच्चे जिन्होंने जीवन में कभी टिकट जमा नहीं किए, शायद यह लेख पढ़ने के बाद इस शौक में डूबेंगे।

पहली डाक टिकट

1840 में इंग्लैंड में पहली डाक टिकटें 'द पैनी ब्लैक' जारी की गईं। इनका यह नाम इसलिए पड़ा, क्योंकि इन टिकटों की कीमत एक पैनी थी और टिकट का रंग काला था। इस टिकट पर महारानी विक्टोरिया का चित्र अंकित था। 6 मई 1840 को दुनिया की सबसे पहली डाक टिकट के जन्म दिवस के तौर पर याद रखा जाता है। इसलिए इस दिन को वल्ड्र्स फर्स्ट स्टैंप डे के तौर पर मनाया जाता है।

पहली आधुनिक डाक टिकट अमरीका द्वारा 1847 में जारी की गई। कुछ लोगों का मानना है कि इसे अमरीका के पहले पोस्ट मास्टर जनरल बैंजमिन फ्रैंकलिन ने मान्यता दी, जबकि कुछ मानते हैं कि इसे पहले राष्ट्रपति जार्ज वशिंगटन ने मान्यता दी।

स्टैंप क्लैक्शन

एक अनुमान के मुताबिक अमरीका में 20 मिलियन लोग डाक टिकट इकट्ठी करते हैं। कुछ देशों में तो डाक टिकट केवल स्टैंप क्लैक्शन के शौकीन लोगों के लिए ही जारी किए जाते हैं। इनका इस्तेमाल पत्रों पर नहीं होता। ये देश सिर्फ पैसा कमाने के लिए ही इन डाक टिकटों की छपाई करते हैं।

गलत छपाई

साल 1918 में कई डाक टिकटों पर भूलवश हवाई जहाज की उल्टी छपाई हो गई थी। उन्हें 'विचित्र जेनी' डाक टिकट के नाम से जाना जाता है। उन डाक टिकटों में से केवल 100 ही मिल पाई हैं, जोकि अमूल्य हैं।

1903 में आईलैंड के सैंट कीट्स ने डाक टिकट पर क्रिस्टोफर कोलंबस का एक चित्र अंकित किया, जिसमें उन्हें टैलिस्कोप में देखते हुए दर्शाया गया था। लेकिन इसमें भी चूक हो गई, क्योंकि टैलिस्कोप की खोज कोलंबस की मृत्यु के बाद ही हुई थी।

हूबहू चित्र

ऐसे टिकट बहुत ही कम देखने में आते हैं, जिनमें चित्र हूबहू एक हो, पर देशों के नाम अलग-अलग हों। इनमें से एक टिकट पर थाईलैंड का नाम अंकित है और दूसरे पर कैनेडा का। डाक टिकटों की दुनिया में यह एक विशेष उदाहरण है जब कैनेडा और थाईलैंड ने संयुक्त रूप से एक-से डाक टिकटों का प्रकाशन कर दो देशों के बीच सहयोग के नए दस्तावेज पर मोहर लगाई थी। कैनेडा पोस्ट के अध्यक्ष आंद्रे ओले ने इन्हें जारी करते हुए कहा था, 'ये टिकटें न केवल हमारे दोनों महान् देशों के, बल्कि दोनों देशों के डाक-विभाग के बीच अद्वितीय सहयोग की भी प्रतीक हैं। ये दोनों देशों और उनकी जनता के बीच राजदूत की भूमिका अदा करेंगी।'

मजेदार तथ्य

- एक सर्वे के मुताबिक 200 देशों में डाक टिकटों की छपाई पिछले 150 सालों से हो रही है। अलग-अलग तरह की करीब 5 लाख डाक टिकटें दुनिया भर में हर साल जारी की जाती हैं।
- 1973 में भूटान में म्यूजिक रिकॉड्र्स जैसी डाक टिकटें जारी की गईं। ये सचमुच बहुत रोचक थीं, क्योंकि जब आप इस डाक टिकट को किसी रिकॉर्ड प्लेयर पर लगाते थे, तो यह भूटान का राष्ट्रीय गीत बजाती थी।
- फरवरी 1964 में सियरा लियोन ने पहली सैल्फ-एडहैसिव स्टैंप्स जारी की।
- डाक टिकट पर पहली व्यक्तिगत फोटो विलियम शेक्सपियर की छपी थी। इससे पहले केवल शाही लोगों के ही चित्र टिकटों पर अंकित होते थे।
- साल 1993 में अमरीका के रॉक स्टार एलविस प्रैसली की तस्वीर वाली डाक टिकट बहुत मशहूर हुईऔर उसी साल 120 मिलियन डाक टिकटें बिक गई थीं।
- ब्रिटेन एकमात्र ऐसा देश है जिसकी डाकटिकटों पर उसका नाम अंकित नहीं किया जाता।
- पैसिफिक आइलैंड टोंगा में केले के आकार की डाक टिकटें जारी की गई थीं।
- 1863 में कोलंबिया के राज्य बोलिवर ने सबसे छोटी डाक टिकट जारी की, जोकि 9.5×3.8 एमएम की थी।
- ऑस्ट्रेलिया में एक ऐसी डाक टिकट जारी की गई, जो एकदम रत्न जैसी दिखती थी। इसे बनाने के लिए विशेष तकनीक का इस्तेमाल किया गया। ओपेल जैसी दिखने वाली डाक टिकट 1995 में जारी की गई और 1996 में असली हीरे जैसी दिखने वाली डाक टिकटें जारी की गईं।
- स्पैशल क्रिसमस स्टैंप्स सबसे पहले 1966 में जारी की गईं, जिसकी छपाई करने वाली कंपनी रॉयल मेल हर साल 480 मिलियन स्टैंप्स तैयार करती है।
- राष्ट्रीय टिकट संग्रहालय दिल्ली में है। यहां दुनिया भर के डाक टिकटों का अनूठा संग्रह है। यह संग्रहालय डाक भवन, सरदार पटेल चौक, नई दिल्ली में स्थित है। यहां स्टैंप कलैक्शन के शौकीन दुनिया भर की टिकटें खरीद भी सकते हैं।

माउंट एवरैस्ट बौद्ध धर्म के अनुयायियों के लिए धर्म का प्रतीक है। नेपाल में माउंट एवरैस्ट को सागरमथा कहा जाता है, जिसका अर्थ है आकाश में माथा...

सागरमथा

माउंट एवरैस्ट दुनिया की सबसे ऊंची चोटी है। इसकी ऊंचाई 8,848 मीटर (29,028 फुट) है। दुनिया की सबसे ऊंची ईमारत बुर्ज दुबई से भी यह करीब साढ़े बारह गुना ऊंची है। कई वैज्ञानिकों का मानना है कि इसकी ऊंचाई हर साल एक इंच बढ़ जाती है। तिब्बती भाषा बोलने वाले माउंट एवरैस्ट को 'चोमोलूंगमा' कहते हैं, जिसका अर्थ है 'देवी, दुनिया की मां'। इसका नाम सर जॉर्ज एवरैस्ट के नाम पर रखा गया। वह 1829 से 1843 तक भारत में सर्वेयर जनरल थे। माउंट एवरैस्ट की लोकेशन व ऊंचाई रिकॉर्ड करने वाले वह पहले व्यक्ति थे। 1856 में इस बात की पुष्टि की गई कि यह दुनिया की सबसे ऊंची चोटी है।

माउंट एवरैस्ट ग्लेशियर्स से ढंका हुआ है। यहां का तापमान शून्य से 45 डिग्री सैल्यिस नीचे तक गिर सकता है। यहां इतनी ठंड होती है कि प्लास्टिक भुरभुरा हो जाता है, बैटरियां काम करना बंद कर देती हैं और थूक जमीन पर पहुंचने से पहले ही जम जाती है। माउंट एवरैस्ट की ऊंचाई दुनिया भर के पर्वतारोहियों को आकर्षित करती है। अब तक करीब चार हजार लोगों ने इस चुनौती को पूरा करने की कोशिश की है। इनमें से अधिकतर कोशिशें मॉनसून से पहले मई में और मॉनसून के बाद सितंबर व अक्तूबर के महीनों के दौरान की गईं। 25,000 वर्ग फुट की ऊंचाई पर समुद्र के तल की अपेक्षा ऑक्सीजन केवल एक-तिहाई ही है। इस कारण हाइपोथर्मिया व फ्रोस्ट-बाइट की समस्याओं के अलावा

फेफड़ों व दिमाग से संबंधित परेशानियां भी हो सकती हैं। जो पर्वतारोही अपने साथ ऑक्सीजन लेकर चढ़ाई करते हैं, उनमें भी कमजोरी, फैसला लेने में कठिनाई, सिर दर्द, नॉजिया, डबल विजन और कई बार मतिभ्रम के लक्षण देखने को मिलते हैं। इसके बावजूद कई पर्वतारोहियों ने बगैर ऑक्सीजन के एवरैस्ट की चोटी तक पहुंचने में सफलता हासिल की है।

- 29 मई, 1953 को सर एडमंड हिलेरी और तेनजिंग नॉर्वे एवरैस्ट की चोटी पर पहुंचने वाले पहले व्यक्ति थे।
- सबसे तेज गति से पहाड़ की चोटी पर पहुंचने का रिकॉर्ड फ्रांस के जीन-मार्क बॉयविन के नाम है। वह पैराग्लाइडर से केवल 11 मिनट में एवरैस्ट की चोटी पर उतरने में सफल रहे।
- नेपाल के मोनो मुलेपति और पेम दोरजी शेरपा ने 30 मई, 2005 को यहां विवाह रचाया। शादी की रस्मों को पूरा करने के लिए वे एक पुजारी को भी अपने साथ लेकर गए। वो भी एक पर्वतारोही था।
- 76 साल की उम्र में एवरैस्ट की चोटी पर चढ़ने वाले मिन बहादुर शेरचन सबसे बड़ी उम्र के थे।
- नेपाल का 15 वर्षीय तेंबा तशेरी माउंट एवरैस्ट पर चढ़ने वाला छोटी उम्र का व्यक्ति था।
- 16 मई, 1973 को एवरैस्ट की चोटी पर पहुंचे वाली पहली महिला जापान की जूंको तबई थी।
- माउंट एवरैस्ट की चोटी पर सबसे ज्यादा समय बिताने का रिकॉर्ड बाबू चिरी शेरपा के नाम है। उन्होंने यहां साढ़े इक्कीस घंटे बिताए।

स्किन का रंग अलग-अलग होता है, क्यों?

स्किन की बाहरी लेयर के नीचे कुछ विशेष सैल्स होते हैं, जो पिगमेंट बनाते हैं, जिसे मैलानिन कहते हैं। इंसान की स्किन का रंग मुख्य रूप से शरीर में पाए जाने वाले तीन पिगमैंट्स या कलरिंग मैटीरियलस पर निर्भर करता है, ये हैं- मैलानिन, कैरोटिन और हीमोग्लोबिन। आपकी स्किन में कितना मैलानिन है, उसी से यह तय होता है कि आपका रंग गोरा होगा या काला। गोरे रंग वालों में मैलानिन कम होता है, जबकि गहरे रंग वालों में मैलानिन अधिक होता है। स्किन की भीतरी लेयर में मौजूद दूसरा पिगमेंट कैरोटीन यह तय करता है कि आपका स्किन टोन कितना पीला होगा।

आपमें पिगमेंट्स कितने हैं, यह उन जींस पर भी निर्भर करता है, जो आपको अपने पेरेंट्स से प्राप्त होते हैं। यदि शरीर में ये तीन पिगमैंट्स न हों, तो हमारी स्किन का रंग क्रीमी व्हाइट होगा। इन पिगमैंट्स की कमी के चलते स्किन पर सफेद दाग बन जाते हैं। इस रोग को 'ल्यूकोडर्मा' के नाम से जाना जाता है।

कैसे जलती है माचिस की तीली

बच्चो, हम कोई चीज जलाने के लिए माचिस का प्रयोग करते हैं। माचिस की डिबिया से हम एक तीली निकालते हैं और उसे माचिस की कम चौड़ाई वाली साइड पर रगड़ते हैं। रगड़ने पर तीली जल उठती है। क्या आप जानते हैं कि आखिर माचिस की तीली को आग कैसे लग जाती है? असल में माचिस की खुरदरी सतह फास्फोरस के योगिकों से बनी होती है। फास्फोरस जरा-सी ऊष्मा यानी गर्मी पाते ही चिंगारी देने लगती है। माचिस की तीली के काले सिरे पर पोटाशियम क्लोरेट लगा होता है। पोटाशियम क्लोरेट ज्वलनशील पदार्थ होता है। इसे माचिस की खुरदरी सतह पर रगड़ने से ऊष्मा पैदा होती है। ऊष्मा मिलते ही सतह से चिंगारी निकलती है। इस चिंगारी से तीली के सिरे पर लगा ज्वलनशील पदार्थ जलने लगता है। इस तरह जलती है तीली। अगर तीली को किसी अन्य जगह पर रगड़ा जाए, तो वह नहीं जलती। इसका मुख्य कारण यह है कि उस जगह पर फास्फोरस नहीं लगा होता, फलस्वरूप तीली नहीं जलती।

क्या आप जानते हैं?

- एक कप कॉफी में एक हजार से ज्यादा कैमिकल होते हैं।
- पृथ्वी पर कारों की संख्या पॉपुलेशन ग्रोथ के मुकाबले तीन गुणा तेजी से बढ़ रही है।
- सिर्फ एक फीसदी बैक्टीरिया बीमारी पैदा करते हैं।
- एक सिगरेट व्यक्ति की जिंदगी के पांच मिनट कम कर देती है।
- अधिकतर गाएं तब अधिक दूध देती हैं, जब वे म्यूजिक सुनती हैं।
- मधुमक्खियों की आंखों पर बाल होते हैं।
- जब हिप्पो अपसैट होता है, तब उसके पसीने का रंग लाल हो जाता है।
- बबलगम में रबड़ होता है।
- स्टारफिश का दिमाग नहीं होता।
- टीवी देखने के मुकाबले हम सोते समय अधिक कैलोरीज़ बर्न करते हैं।
- डायनामाइट में मूंगफली का इस्तेमाल किया जाता है।

>> हम बताएं, आप बनाएं

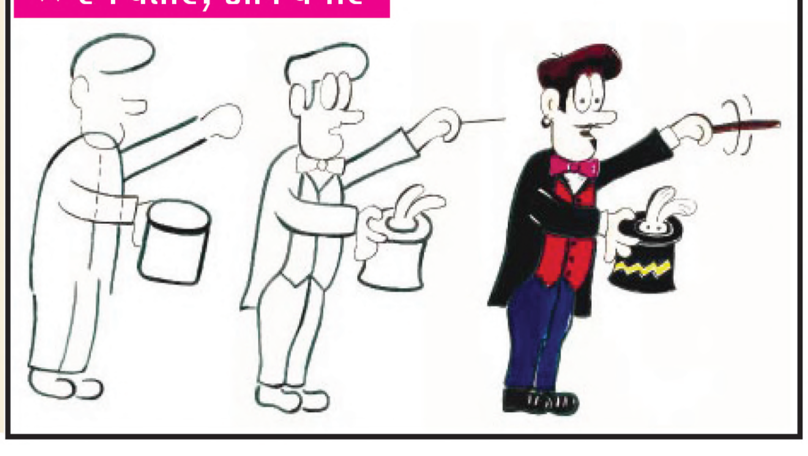

गूगल पर सर्च करते समय आपने इसके 'लोगो' के डिजाइंस को बदलते देखा होगा। इसे डूडल कहते हैं। क्या है यह डूडल, पढ़ें...

गूगल का डूडल

इंटरनैट की दुनिया में गूगल ने अपना एक अलग मुकाम बनाया है। यह मुकाम उसने अपनी रचनात्मकता के बूते बनाया है। गूगल की रचनात्मकता उसके 'लोगो' से भी झलकती रहती है। आपने गूगल के सर्च इंजन का उपयोग करते समय गूगल का लोगो तो जरूर देखा होगा। कई बार आपने ध्यान दिया होगा कि गूगल के मूल लोगो के साथ कई प्रयोग किए जाते हैं, जैसे किसी महापुरुष के जन्मदिन, नववर्ष, क्रिसमस या अन्य किसी अंतरराष्ट्रीय दिवस जैसे मदर्स-डे, फादर्स-डे, वर्ल्ड एनवायरमेंट-डे या वैलेनटाइंस-डे पर। ऐसे समय में बनाए जाने वाले विशेष लोगो को गूगल 'हॉलीडे लोगो' या 'डूडल' कहते है। ये डूडल कुछ खास दिनों के लिए बनाए जाते हैं, जो उस दिन दुनियाभर की कंप्यूटर स्क्रीन पर गूगल के लोगो की जगह दिखाई देते हैं। गूगल की प्रतिभाशाली नौजवानों की टीम के एक सदस्य डेनिस ह्वांग ही गूगल के असली डूडलर हैं। 1978 में अमेरिका के टेनेसी राज्य में पैदा हुए ह्वांग दक्षिण कोरियाई मूल के हैं। वह 2000 से गूगल के साथ जुड़े हुए हैं और ये अनोखे डूडल बना रहे हैं। ह्वांग ने कैलिफोर्निया की स्टेनफोर्ड यूनिवर्सिटी से कंप्यूटर साइंस में ग्रेजुएशन के साथ ही गूगल के साथ इंटर्नशिप भी की, जहां इन्हें वैबसाइट्स बनाने में मदद करने का काम दिया गया था। इंटर्नशिप के बाद वह गूगल इंक. में वैबमास्टर बन गए। वैबमास्टर ह्वांग गूगल के लिए सालभर में तकरीबन 50 डूडल बनाते हैं। हाल ही में ह्वांग ने गांधीजी को लेकर गूगल का लोगो बनाया था। वह बताते हैं, 'डूडल बनाने से पहले गूगल पर इमेजिस की खोज के लिए जी-तोड़ मेहनत करनी पड़ती है। फिर सारी मेहनत को ऑ ज़र्व करने के बाद ऐसा डिजाइन बनाते हैं, जो लैटर्स के आकार के साथ इंटरैक्ट करे। यह सचमुच बहुत मजेदार होता है।' 14 जुलाई 2000 को ह्वांग ने बेस्टाईल डे (फ्रांस का राष्ट्रीय दिवस) पर पहला डूडल बनाया। यह इतना हिट हुआ कि पेज और ब्रिन ने ह्वांग को ही स्थाई डूडलर नियु त कर दिया। हालांकि गूगल के लिए पहला डूडल तो खुद गूगल के जनक लैरी पेज और सर्जेई ब्रिन ने ही बनाया था, जो खुद बहुत ही क्रिएटिव माइंड के हैं। कुछ समय पहले ही गूगल ने विभिन्न देशों के बच्चों के बीच एक प्रतियोगिता भी आयोजित कराई थी, जिसमें डूडलर खोजा जाना था। इसमें गूगल का सर्वश्रेष्ठ डूडल बनाने वाले बच्चे को एक लैपटॉप और उसके स्कूल को कई हजार डॉलर की स्कॉलरशिप मिलनी थी। अमेरिका में यह प्रतियोगिता क्रिस्टीन एनजिलबर्थ ने जीती, जिसे 15 हजार डॉलर की कॉलेज स्कॉलरशिप और एक लैपटॉप मिला। इसके अलावा उसके स्कूल को 25 हजार डॉलर की टै नोलॉजी ग्रांट भी दी गई। अभी कई देशों के विजेता बच्चों की घोषणा की जानी है। इन विजेता बच्चों के देश में एक विशेष दिन गूगल उनके बनाए गए डूडल का प्रदर्शन करेगा, जिसे करोड़ों लोग अपनी कप्यूटर स्क्रीन पर देख पाएंगे।

पाकिस्तान–अफगानिस्तान के बीच कम नहीं हो रहा तनाव, सीमा पर जमकर हुई गोलाबारी

इस्लामाबाद, 06 दिसंबर (एजेंसियां)।

बीते कई महीनों से पाकिस्तान–अफगानिस्तान के बीच तनाव कम नहीं हो रहा है। आए दिन सीमा पर झड़प होती है और गोलाबारी शुरु हो जाती है। बीती रात भी दोनों देशों की सेनाओं के बीच सीमा पर गोलीबारी हुई लेकिन किसी के हताहत होने या किसी प्रकार नुकसान की कोई खबर नहीं मिली है। दोनों पक्षों ने पिछले दो महीने से लागू संघर्ष विराम समझौते का उल्लंघन कर गोलीबारी करने के लिए एक–दूसरे को जिम्मेदार ठहराया। गोलीबारी से एक दिन पहले ही पाकिस्तान ने कहा था कि वह संयुक्त राष्ट्र को चमन और तोरखम सीमा के रास्ते अफगानिस्तान में राहत सामग्री भेजने की अनुमति देगा। ये सीमाएं बढ़ते तनाव के कारण लगभग दो महीने से बंद हैं। पाकिस्तानी स्थानीय पुलिस अधिकारी मोहम्मद सादिक ने दावा किया कि गोलीबारी अफगानिस्तान की ओर से शुरू हुई और पाकिस्तानी सैनिकों ने चमन सीमा के पास जवाबी गोलीबारी की। सीमा पर तनाव कम करने और संघर्ष विराम को कायम रखने के उद्देश्य से अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच नवंबर में हुई बातचीत असफल रही थी लेकिन अक्टूबर में कतर की मध्यस्थता से किया गया संघर्ष विराम समझौता मुख्यतः कायम रहा। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के प्रवक्ता मुशर्रफ जैदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा कि इससे पहले शाम को, अफगान तालिबान शासन ने चमन सीमा पर बिना किसी कारण गोलीबारी की। उन्होंने कहा कि पाकिस्तानी सेना पूरी तरह सतर्क है और देश की क्षेत्रीय अखंडता व अपने नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। वहीं काबुल में, अफगान तालिबान सरकार के प्रवक्ता जबीहउल्ला मुजाहिद ने पाकिस्तान पर गोलीबारी शुरू करने का आरोप लगाया। अफगान सीमा पुलिस के प्रवक्ता अबीदुल्ला फारूकी ने भी कहा कि पहले पाकिस्तानी सेना ने अफगानिस्तान की ओर स्पिन बोल्दक सीमा क्षेत्र में एक हथगोला फेंका, जिसके बाद जवाबी कार्रवाई की गई। उन्होंने कहा कि अफगानिस्तान संघर्ष विराम को लेकर प्रतिबद्ध है। अक्टूबर में सीमा पर हुई झड़पों के बाद दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ गया है। इस संघर्ष में दर्जनों सैनिक, आम नागरिक एवं संदिग्ध चरमपंथी मारे गए और दोनों पक्षों के सैकड़ों लोग घायल हो गए।

न्यूज ब्रीफ

बांग्लादेश में बढ़ रहा डेंगू का प्रकोप पिछले 24 घंटे में 200 मरीज भर्ती

ढाका। बांग्लादेश में डेंगू के मरीजों की संख्या खतरनाक रूप से लगातार बढ़ रही है। हालत यह है कि पिछले चौबीस घंटे के भीतर देश के विभिन्न अस्पतालों में डेंगू से प्रभावित कुल 200 नये मरीजों को भर्ती कराया गया है।राहत की बात है कि इस दौरान किसी डेंगू प्रभावित मरीज की मौत नहीं हुई है। स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय (डीजीएचएस) के स्वास्थ्य आपातकालीन संचालन केंद्र एवं नियंत्रण कक्ष की तरफ से शुक्रवार को डेंगू प्रभावित मरीजों के बारे में जानकारी दी गई है। बांग्लादेश के प्रमुख समाचार पत्र ढाका ट्रिब्यून के मुताबिक पिछले चौबीस घंटे के भीतर देश के विभिन्न अस्पतालों में डेंगू से प्रभावित कुल 200 नये मरीजों को भर्ती कराया गया है। नए भर्ती हुए मरीजों में से 14 मरीज बारीसाल संभाग (नगर निगम क्षेत्र के बाहर), 92 मरीज चटगांव संभाग (नगर निगम क्षेत्र के बाहर), 14 मरीज ढाका संभाग (नगर निगम क्षेत्र के बाहर), 72 मरीज ढाका उत्तर नगर निगम (डीएनसीसी) के अंतर्गत, 06 मरीज ढाका दक्षिण नगर निगम (डीएससीसी) के अंतर्गत और 02 मरीज खुलना संभाग (नगर निगम क्षेत्र के बाहर) के अस्पताल में भर्ती हुए। विभाग की तरफ से बताया गया है कि पिछले 24 घंटों में डेंगू से संबंधित किसी भी मौत की सूचना नहीं है। उल्लेखनीय है कि इस वर्ष डेंगू से मरने वालों की कुल संख्या 394 है। इस वर्ष अब तक 96,827 लोग डेंगू से संक्रमित हो चुके हैं, जिनमें से 63प्रतिशत पुरुष और 37प्रतिशत महिलाएं हैं। पिछले साल 2024 में, कुल 101,214 लोग डेंगू से संक्रमित हुए और इसने 575 लोगों की जान ले ली।

अधिक आयु वाले लोगों की लगातार बढ़ रही है संख्या

लंदन। दुनिया भर में 100 वर्ष से अधिक आयु वाले लोगों की संख्या लगातार बढ़ रही है। इस सूची में जापान सबसे ऊपर है, जहां 1 लाख 23 हजार 330 ऐसे बुजुर्ग हैं, जिन्होंने एक शताब्दी पार कर ली है। यह खुलासा हुआ है वर्ल्ड पॉपुलेशन रिव्यू की ताज़ा रिपोर्ट में। यह आंकड़ा जापान की उन्नत स्वास्थ्य सेवाओं, संतुलित जीवनशैली और बुजुर्गों के लिए मजबूत सामाजिक व्यवस्था का परिणाम माना जा रहा है। दूसरे स्थान पर अमेरिका है, जहां 73,629 लोग 100 वर्ष से अधिक उम्र के हैं। रिपोर्ट के अनुसार चीन तीसरे स्थान पर है और वहां ऐसे लोगों की संख्या 48,566 है। भारत 37,988 बुजुर्गों के साथ चौथे स्थान पर है। यह संख्या बीते वर्षों में तेजी से बढ़ी है और यह इंगित करती है कि स्वास्थ्य सेवाओं, बेहतर इलाज और बदलती जागरूकता की वजह से भारतीयों की लाइफ एक्सपेक्टेंसी (आयु अपेक्षा) में निरंतर सुधार हुआ है। पांचवें स्थान पर फ्रांस है, जहां 33,220 लोग 100 वर्ष की उम्र पार कर चुके हैं। इन पाँच देशों के अलावा इटली, रूस, जर्मनी, यूनाइटेड किंगडम, स्पेन, थाईलैंड, कनाडा और दक्षिण कोरिया भी ऐसे देशों में शामिल हैं, जहां 100 साल से ऊपर की आबादी 11,000 से 23,000 के बीच है। वैज्ञानिक बताते हैं कि पिछले 15 वर्षों में दुनिया भर में 100 वर्ष से अधिक उम्र वालों की संख्या लगभग दोगुनी हो गई है। वर्ष 2009 में यह संख्या 4 लाख 55 हजार थी, जो बढ़कर 2024 में लगभग 9 लाख 35 हजार तक पहुंच गई।

कनाडा के वे शहर जहां पहुंचकर आपको आ जाए जन्नत जैसा मजा

टोरोंटो। कनाडा नॉर्थ अमेरिका का सबसे बड़ा देश सिर्फ आकार में ही नहीं बल्कि दिल से भी बहुत बड़ा है। अजनबियों से मुस्कुराकर मिलना, बात करना, किसी के लिए दरवाजा खोलकर खड़े होना, विश करना... इस देश की सभ्यता में शामिल है। ये देश है, जहां वीआईपी कल्चर नहीं है। यहां की बर्फीली चोटियां, हरे-भरे जंगल, साफ–सुथरे शहर और रंग–बिरंगे त्यौहार दुनियाभर के लोगों को अपनी तरफ खींचते हैं। सर्दियों में बर्फ से ढके शहर और स्नो गेम्स, गर्मियों में समंदर, झील और नेचुरल ट्रेल्स। यहां प्रकृति का सुकून भी है और चमचमाती–जगमगाती नाइटलाइफ भी है। कहीं यूरोप जैसा माहौल, कहीं आधुनिक शहर और प्रकृति का संगम, कहीं शांत और आरामदायक माहौल है। इसकारण लोग अपने हिसाब से घूमने या रहने के लिए शहर चुनते हैं। हम आपको साल 2025 से ट्रैवलर्स के पसंदीदा 5 शहर बता रहे हैं। जब आप क्यूबेक सिटी की गलियों में कदम रखते हैं, लगता है कि आप किसी यूरोपीयन कहानी का हिस्सा बन गए है।

अमेरिकी राष्ट्रपति को मिला 'शांति पुरस्कार' उत्साहित होकर खुद ही उठाकर गले में डाल लिया

वाशिंगटन, 06 दिसंबर (एजेंसियां)।

आखिरकार अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को शांति का पुरस्कार मिल ही गया। फुटबॉल की वैश्विक संस्था (फीफा) अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को अपने नए फीफा शांति पुरस्कार से सम्मानित किया है। यह पुरस्कार खेल से इतर वैश्विक शांति को ध्यान में रखकर बनाया गया है और ट्रंप इसके पहले विजेता हैं। ट्रंप ने खुद ही इसे अपने गले में डाल लिया। इसके साथ ही ट्रंप को एक सर्टिफिकेट भी दिया गया, जिसमें ट्रंप को दुनिया में शांति और एकता बढ़ाने में योगदान देने वाला बताया गया। डोनाल्ड ट्रंप का नोबेल शांति पुरस्कार के लिए प्रेम किसी से छिपा नहीं है। ऐसा माना जा रहा है कि फीफा द्वारा इस साल से शुरू किया जा रहा है शांति पुरस्कार ट्रंप को ही मिलेगा। वैसे बी फीफा के वर्तमान अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो को ट्रंप का करीबी माना जाता है। वह कई बार खुले तौर पर इस बात को कह चुके हैं कि गाजा संघर्ष में युद्धविराम करवाने के लिए ट्रंप को नोबेल शांति पुरस्कार मिलना ही चाहिए।

फीफा के अगले विश्वकप के लिए आयोजित किए जा रहे एक कार्यक्रम में जियानी ने अमेरिकी राष्ट्रपति का स्वागत करते हुए ट्रंप को यह पुरस्कार देने का ऐलान किया। उन्होंने कहा, यह आपके लिए एक सुंदर मेडल है, जिसे आप जहां चाहें, वहां पहन सकते हैं। इसके बाद ट्रंप ने तुरंत ही इसे अपने गले में डाल लिया। इसके साथ ही ट्रंप को एक सर्टिफिकेट भी दिया गया, जिसमें ट्रंप को दुनिया में शांति और एकता बढ़ाने में योगदान देने वाला बताया गया।

इसके अलावा जियानी ने ट्रंप को एक सोने की ट्राफी भी भेंट की। इस पर आगे ट्रंप का नाम लिखा हुआ था। उन्होंने कहा, आप इस शांति पुरस्कार के योग्य हैं, अपनी कोशिशों और उपलब्धियों के लिए।फीफा शांति पुरस्कार मिलने के बाद ट्रंप उत्साहित नजर आए। उन्होंने कहा, यह मेरे जीवन के सबसे बड़े सम्मानों में से एक है। इसके बाद उन्होंने अपने परिवार, खासतौर पर अपनी पत्नी मेलानिया का धन्यवाद दिया और मेजबान देशों कनाडा और मेक्सिको के नेताओं की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह तीनों देशों के लिए बेहतर रहेगा।

नोबेल (1901 से) दुनिया का सबसे प्रतिष्ठित शांति पुरस्कार है, जिसे स्वतंत्र नॉर्वेजियन कमिटी देती है और मदर टेरेसा, मलाला, मंडेला जैसे दिग्गजों को मिल चुका है। वहीं फीफा पीस प्राइज पूरी तरह नया है, जिसके नियम–पद्धति अस्पष्ट हैं और पहला विजेता खुद फीफा अध्यक्ष ने चुना। सोशल मीडिया पर लोग इसे मजाक बना रहे हैं। ज्यादातर यूजर्स इसे ट्रंप को खुश करने के लिए बनाया गया अवॉर्ड और फीफा का सेल्फ–गोल जैसे कमेंट कर रहे हैं।

भावुक होकर बोले ट्रंप- यह मेरे जीवन का सबसे बड़ा सम्मान

राष्ट्रपति ट्रंप को फीफा ने अपना पहला 'फीफा पीस प्राइज'देकर दुनिया को चौंका दिया। 2025 में शुरू हुए इस नए पुरस्कार के पहले विजेता ट्रंप बने। दोहा में आयोजित समारोह में ट्रंप ने पुरस्कार लेते हुए भावुक स्वर में कहा, यह सचमुच मेरे जीवन का सबसे बड़ा सम्मान है। उन्होंने अपनी पत्नी और पूर्व फर्स्ट् लेडी मेलानिया ट्रंप को भी धन्यवाद दिया।

सिर्फ खाना ही नहीं.......पुतिन के साथ उनका विशेष पानी भी चलता हमेशा साथ

मॉस्को, 06 दिसंबर (एजेंसियां)।

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन दुनिया के उन दुर्लभ नेताओं में शुमार हैं, जो अपने पीने और खाने के पानी को हमेशा अपने साथ रखते हैं। चाहे वह विदेश में किसी दौरे पर हों, उनका पानी हमेशा उनके साथ होता है। इतना ही नहीं, उनका टूथब्रश तक इसी पानी से इस्तेमाल होता है। नहाने और टॉयलेट के लिए पुतिन होटल के पानी का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन इसके लिए भी सुरक्षा टीम पहले से पूरी जांच करती है। दुनिया में अमेरिका जैसे देशों के राष्ट्रपति अपने पानी के लिए ऐसा प्रावधान नहीं रखते, लेकिन रूस के पुतिन, उत्तर कोरिया के किम जोंग उन और चीन के शी जिनपिंग अपने खाने और पीने के पानी को साथ लेकर चलते हैं। जब पुतिन विदेश दौरे पर होते हैं, तब उनके साथ एक टीम होती है, जो उनके खाने–पीने की सामग्री और पानी की सुरक्षा को देखती है। पुतिन के लिए पानी की बोतलें विशेष विमान से आती हैं। जैसे ही वह किसी देश में पहुँचते हैं, उनके लिए लदी हुई बोतलें होटल तक पहुंचाती हैं। दिनभर के कार्यक्रमों, मीटिंग्स और अन्य गतिविधियों में भी उनकी टीम पानी के खास इंतजाम रखती है, ताकि पुतिन को किसी भी समय सुरक्षित पानी मिल सके। सार्वजनिक और अंतरराष्ट्रीय मीटिंग्स में भी उनके पास हमेशा यही पानी रहता है। वह आम तौर पर छोटे–छोटे सिप में पानी पीते हैं और चाय–कॉफी का सेवन नहीं करते। पुतिन के साथ उनकी किचन टीम और फूड टेस्टिंग लैब होती है, जो उनके लिए भोजन तैयार करती है।

होटल में पहुंचते ही फटाफट किचन सेटअप होता है और रूस से लाए गए भोजन और सीलबंद बोतलबंद पानी का इस्तेमाल किया जाता है। सुरक्षा टीम यह सुनिश्चित करती है कि कोई भी वस्तु या पानी असुरक्षित न हो, और किसी भी तरह का वेस्ट तुरंत नष्ट किया जाता है। हालांकि सार्वजनिक आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं, लेकिन यह स्पष्ट है कि पुतिन अपने विदेशी दौरे में होटल या स्थानीय पानी का बिल्कुल भी उपयोग नहीं करते। वे केवल अपने साथ लाया हुआ रूस का पानी पीते हैं और खाना बनाने में भी इसी पानी का इस्तेमाल किया जाता है। नहाने के लिए होटल का पानी इस्तेमाल किया जा सकता है, लेकिन केवल तब जब सुरक्षा टीम ने पूरी तरह जांच लिया हो।

समुद्र में गोताखोरों को मिला 2,550 वर्ष पूर्व डूबा हुआ शहर

काहिरा। मिस्र के भूमध्य सागर में गोताखोरों ने पानी के कई फीट नीचे ऐसा अनोखा संसार खोज निकाला। इस अदभूत खोज ने वैज्ञानिकों की सोच को झकझोर कर रख दिया है। यह खोज उस प्राचीन सभ्यता से जुड़ी है, जो लगभग 2,550 वर्ष पहले रहस्यमय तरीके से धरती से गायब हो गई थी। विशेषज्ञों के अनुसार, यह खोज दक्षिण–पूर्व एशिया के मानव इतिहास संबंधी स्थापित मान्यताओं को चुनौती देने वाली है। साल 2023 में भूमध्य सागर तट के पास एक नहर की खोज के दौरान पुरातत्वविदों की टीम को पानी के भीतर एक विशाल डूबे हुए मंदिर के अवशेष मिले। मंदिर के आसपास खुदाई करते हुए वैज्ञानिकों को हजारों साल पुराने खजाने मिले, जिनका संबंध मिस्र के देवता 'अमुन' और प्रेम व सौंदर्य की ग्रीक देवी 'अफ्रोडाइट' से बताया जा रहा है। यह मंदिर प्राचीन शहर 'थोनिस–हेराक्लिओन' का हिस्सा था, जो कभी मिस्र का सबसे महत्वपूर्ण समुद्री बंदरगाह था। इतिहासकारों का कहना है कि यहीं पर मिस्र के फराओ देवता अमुन की पूजा करते थे और शासन करने का दिव्य अधिकार प्राप्त करते थे।

इशाक डार ने रखी सार्क की जगह एक नई रीजनल बॉडी बनाने की मांग , सार्क साल 2016 से है निष्क्रिय

इस्लामाबाद, 06 दिसंबर (एजेंसियां)।

पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार ने लंबे समय से बंद दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन (सार्क) की जगह एक नई रीजनल बॉडी बनाने की मांग प्रमुखता से उठाई है। इंस्टीट्यूट ऑफ स्ट्रैटेजिक स्टडीज इस्लामाबाद (आईएसएसआई) में आयोजित कार्यक्रम में डार ने इशारों ही इशारों में भारत को धमकाने का काम भी कर दिया है। उन्होंने चेतावनी दी कि दक्षिण एशिया अब जीरो-सम माइंडसेट, पॉलिटिकल फ्रैगमेंटेशन और खराब रीजनल आर्किटेक्चर में फंसा नहीं रह सकता।

पाकिस्तान के विदेश मंत्री डार का कहना है, कि पाकिस्तान खुला और सभी को साथ लेकर चलने वाला रीजनलिज्म चाहता है। उन्होंने सार्क के बाहर उभरते मल्टीलेटरल प्लेटफॉर्म के लिए पाकिस्तान के समर्थन का जिक्र किया। डार ने कहा कि इस साल की शुरुआत में पाकिस्तान, बांग्लादेश और चीन ने कॉमन इंटरेस्ट के एरिया में आपसी सहयोग को बढ़ावा देने के लिए एक ट्राइलेटरल मैकेनिज्म बनाया है। यह मैकेनिज्म खास तौर पर भारत के खिलाफ बनाया है, जिससे बांग्लादेश पहले ही किनारा कर चुका है। यहां पर डार ने भारत का परोक्ष जिक्र किया और कहा, इस कॉन्सेप्ट को बढ़ाया और दोहराया जा सकता है। जैसा कि मैंने पहले कहा है, इकोनॉमी से लेकर रीजनल प्रायोरिटी तक के मुद्दों पर अलग–अलग ज्योमेट्री वाले ग्रुप्स को किसी की सख्ती का बंधक नहीं बनाया जा सकता और न ही बनाया जाना चाहिए।

गौरतलब है कि हाल ही में कुनमिंग में पाकिस्तान, चीन और बांग्लादेश की तीन तरफा मीटिंग हुई, जो अपनी तरह की पहली मीटिंग थी। यहां चल रही बातचीत में एक अहम कदम था। सार्क को कभी दक्षिण एशिया का ईयू माना जाता था। यह संगठन 2016 से निष्क्रिय है। उस साल भारत में हुए आतंकी हमलों में पाकिस्तान का हाथ होने के कारण भारत ने इस्लामाबाद में होने वाले शिखर सम्मेलन का बॉयकॉट किया था।

उस समय शेख हसीना के नेतृत्व में बांग्लादेश ने भी ऐसा ही किया था। अपने भाषण में, पाकिस्तानी विदेश मंत्री ने साउथ एशियन देशों से इतिहास के बोझ से बाहर निकलने और सिक्योरिटी, इकॉनमी, क्लाइमेट अडैप्टेशन और कनेक्टिविटी में कोऑपरेशन करने की अपील की। उन्होंने मई में हुए भारत–पाकिस्तान संघर्ष का जिक्र कर कहा कि यह ऐसा सबूत है, जो बताता है कि यह क्षेत्र कितना नाजुक बना हुआ है।

क्यों और कैसे झुक गई शहबाज सरकार और कैसे मुनीर बन गए सुपर पावर

इस्लामाबाद, 06 दिसंबर (एजेंसियां)।

पाकिस्तान की सियासत में चल रही लंबी खींचतान, सौदेबाजी और सत्ता संघर्ष का अंत आखिरकार उसी दिशा में गया, जिसकी लंबे समय से चर्चा थी। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने अंततः सेना के दबदबे के आगे झुकते हुए जनरल आसिम मुनीर की 'सुपर पावर' नियुक्ति पर अपनी मुहर लगा दी। राष्ट्रपति आसिफ अली ज़रदारी ने भी इस प्रस्ताव को मंजूरी देते हुए पाकिस्तान की सत्ता संरचना में एक ऐतिहासिक बदलाव की शुरुआत कर दी है। अब इस पर सवाल उठ रहे हैं कि आखिर शहबाज सरकार मुनीर के सामने झुक कैसे गई और ऐसा क्या दांव चला गया कि मुनीर सीडीएफ भी बन गए।

राष्ट्रपति की मंजूरी के बाद फील्ड मार्शल जनरल आसिम मुनीर न केवल पाकिस्तान के चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ (सीओएएस) बने रहेंगे, बल्कि वे देश के पहले चीफ ऑफ डिफेंस फोर्सेस (सीडीएफ) भी बन गए हैं। इस तरह पाकिस्तान के तीनों सेनाओं यानी थल, जल और वायु सेना की कमान अब एक ही अधिकारी के हाथों में होगी। यह नियुक्ति पाकिस्तान के संविधान में किए गए 27वें संशोधन के बाद संभव हुई है, जिसने सेना प्रमुख के अधिकार अभूतपूर्व रूप से बढ़ा दिए हैं।

कई हफ्तों की सौदेबाजी का नतीजा – इस फाइल पर हस्ताक्षर में हुई देरी महज तकनीकी नहीं थी। इस्लामाबाद के सत्ता गलियारों में पिछले कई हफ्तों से तनाव और खामोशी का दौर चल रहा था। सूत्रों के अनुसार, यह देरी शहबाज सरकार, नवाज शरीफ, उनकी बेटी मरियम नवाज, और सेना प्रमुख आसिम मुनीर के बीच गहन 'गिव एंड टेक' पर चली बातचीत का नतीजा थी।

पीएमएल–एन नेतृत्व, खासकर नवाज शरीफ, इस पावरफुल नियुक्ति के बदले में राजनीतिक सुरक्षा चाहते थे। नवाज, जो चौथी बार प्रधानमंत्री बनने के अपने सपने को पूरा होते देख रहे हैं, चाहते थे कि भविष्य में सेना उनका रास्ता न रोके। एक वरिष्ठ पीएमएल–एन सूत्र के अनुसार, यदि मुनीर अगले पांच साल सीडीएफ और सीओएएस बने रहना चाहते हैं, तो उन्हें नवाज शरीफ की सत्ता में वापसी सुनिश्चित करनी होगी।

सरकार के पास कोई विकल्प नहीं रहा – सूत्रों का कहना है कि नवाज ने भविष्य की सेना नियुक्तियों में भी अपनी राय को महत्व देने की शर्त रखी थी। अंततः शहबाज सरकार ने प्रस्ताव को मंजूरी दी, जो यह दर्शाता है कि या तो सेना ने सभी राजनीतिक आश्वासन दे दिए, या सरकार के पास मानने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा था।

वायुसेना को साधने की कोशिश – तनावपूर्ण माहौल के बीच राष्ट्रपति ज़रदारी ने एयर चीफ मार्शल जहीर अहमद बाबर सिद्धू के कार्यकाल में दो साल का विस्तार भी मंजूर किया। इसे आसिम मुनीर द्वारा सभी बलों को साथ लेकर चलने की रणनीति के रूप में देखा जा रहा है।

पाकिस्तान के भविष्य पर गहरा प्रभाव – आसिम मुनीर के हाथों में सीओएएस, सीडीएफ और फील्ड मार्शल जैसे रैंक का एक साथ आना पाकिस्तान में सत्ता के अभूतपूर्व केंद्रीकरण की ओर इशारा करता है। विशेषज्ञों का कहना है कि यह नियुक्ति पाकिस्तान के 'हाइब्रिड शासन मॉडल' को और मजबूत करती है, जिसमें सरकार दिखती है लेकिन असली ताकत सेना के पास होती है। शहबाज सरकार द्वारा मुनीर को यह सुपर पावर देना इस बात की खुली स्वीकारोक्ति है कि पाकिस्तान में असली 'किंगमेकर' कौन है। नवाज शरीफ को सत्ता में वापसी के लिए जिस तरह सेना के सामने झुकना पड़ा, उसने एक बार फिर पाकिस्तान की असैन्य सरकार की मजबूरी उजागर कर दी है।क्यों और कैसे झुक गई शहबाज सरकार और कैसे मुनीर बन गए 'सुपर पावर।

वेस्टइंडीज को हार से बचाने के बाद ग्रीव्स ने इसे अपने करियर का सबसे खास दिन बताया

क्राइस्टचर्च, 06 दिसंबर (एजेंसियां)।

वेस्टइंडीज के ऑलराउंडर जस्टिन ग्रीव्स ने हैगले ओवल में न्यूज़ीलैंड के खिलाफ खेले गए पहले टेस्ट में अपनी टीम को हार से बचाने के बाद इसे अपने करियर का 'बहुत खास दिन' बताया। ग्रीव्स ने नाबाद 202 रन बनाकर चौथी पारी में टीम को ऐतिहासिक ड्रॉ दिलाया।

न्यूज़ीलैंड द्वारा दिए गए 531 रनों के विशाल लक्ष्य के जवाब में वेस्टइंडीज ने 163.3 ओवर बल्लेबाज़ी की। ग्रीव्स (202* रन, 388 गेंद) और केमार रोच (58* रन, 233 गेंद) ने सातवें विकेट के लिए 180 रनों की अविजित साझेदारी कर टीम को संभाला। यह टेस्ट इतिहास की दूसरी सबसे बड़ी चौथी पारी (457/6) में से एक रही, इंग्लैंड के 1939 में बनाए 654/5 के बाद।

ग्रीव्स ने कहा, 'ये दिन बेहद खास है, मेरे लिए और टीम के लिए। ड्रेसिंग रूम में हमारी एक ही सोच थी- धैर्य। कोच ने कहा था कि क्रीज़ पर टिककर खेलो, पिच अच्छी है। मैंने वही किया।'

चौथी पारी में दोहरा शतक लगाने वाले ग्रीव्स टेस्ट क्रिकेट इतिहास में केवल सातवें बल्लेबाज़ बन गए हैं जिन्होंने यह उपलब्धि हासिल की है। उनके साथ रोच ने भी अपने 86 टेस्ट के करियर की सर्वश्रेष्ठ पारी खेली।

पांचवें दिन बेहद सपाट पिच पर रोच ने 233 गेंदों का सामना कर महत्वपूर्ण समर्थन दिया। ग्रीव्स ने बताया, 'जब शाई होप आउट हुए तो हालात कठिन थे, लेकिन केमार ने अनुभवी खेल दिखाया और मुझे अंत तक साथ दिया।'

एक समय वेस्टइंडीज 72/4 पर संघर्ष कर रही थी, लेकिन शाई होप (140) और ग्रीव्स ने टीम को मज़बूती दी। हालांकि अंतिम सत्र में जीत की संभावना बनी हुई थी, लेकिन विकेट गिरने के बाद वेस्टइंडीज ने सुरक्षित ड्रॉ को प्राथमिकता दी। ग्रीव्स ने कहा, 'हमारा लक्ष्य था कि अंतिम सत्र तक मैच ले जाएं। जीत के लिए 100 रन चाहिए थे, लेकिन प्रमुख विकेटों के गिरने से हमने ड्रॉ को सही फैसला समझा। यह ऐतिहासिक क्षण का हिस्सा बनना शानदार है।

तीसरा वनडे-भारत ने दक्षिण अफ्रीका को 9 विकेट से हराया

जायसवाल की सेंचुरी, कुलदीप-प्रसिद्ध ने 4-4 विकेट लिए

सीरीज 2-1 से जीती

विशाखापत्तनम, 06 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

भारत ने दक्षिण अफ्रीका को तीसरे वनडे में नौ विकेट से हरा दिया। इस जीत के साथ टीम इंडिया ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन वनडे मैचों की सीरीज 2-1 से अपने नाम कर ली। शनिवार को विशाखापत्तनम में खेले गए निर्णायक मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका ने क्विंटन डिकॉक की शतकीय पारी की मदद से 47.5 ओवर में 10 विकेट खोकर 270 रन बनाए। जवाब में भारतीय टीम ने यशस्वी जायसवाल के नाबाद शतक और रोहित शर्मा व विराट कोहली की अर्धशतकीय पारियों की मदद से 61 गेंदों के शेष रहते मुकाबला जीत लिया। तीन मैचों की वनडे सीरीज की शुरुआत भारत ने 17 रनों से जीत के साथ की थी। रांची में खेले गए मुकाबले में विराट कोहली और रोहित शर्मा की दमदार पारियों की मदद से 349 रन बनाए। जवाब में दक्षिण अफ्रीका की टीम 332 रन ही बना सकी और ऑलआउट हो गई। इसके बाद 3 दिसंबर को रायपुर में हुई भिड़ंत में भी विराट कोहली का बल्ला गरजा और उन्होंने शतक जड़ा।

उनके अलावा ऋतुराज गायकवाड़ ने भी सैकड़ा लगाया और दक्षिण अफ्रीका के सामने 359 रनों का लक्ष्य रखा। मेहमान टीम ने एडेन मार्करम के शतक और मैथ्यू ब्रीट्जके तथा डेवाल्ड ब्रेविस की अर्धशतकीय पारियों की मदद से 362 रन बनाए और चार विकेट से मुकाबला जीत लिया। निर्णायक मैच से पहले सीरीज 1-1 की बराबरी पर थी, लेकिन भारतीय टीम ने विशाखापत्तनम में दमदार प्रदर्शन किया और 2-1 से सीरीज अपने नाम कर ली।लक्ष्य का पीछा करते हुए यशस्वी और रोहित ने भारत को मजबूत शुरुआत दिलाई और दोनों बल्लेबाजों ने पहले विकेट के लिए 155 रनों की साझेदारी की।

रोहित ने इस दौरान अपने वनडे करियर का 61वां अर्धशतक लगाया और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 20000 रन भी पूरे किए। रोहित 75 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद मैदान पर विराट कोहली उतरे, जिनका बल्ला इस सीरीज में जमकर चला। कोहली और यशस्वी ने गियर बदलते हुए आक्रमक अंदाज में बल्लेबाजी की। यशस्वी ने अपने वनडे करियर का पहला शतक लगाया और भारत को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई।कोहली ने लगातार चौथे मैच में 50+ स्कोर बनाया। कोहली ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन मैच से पहले ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सिडनी में खेले गए तीसरे वनडे में अर्धशतकीय पारी खेली थी। यशस्वी ने 121 गेंदों पर 12 चौकों और दो छक्कों की मदद से नाबाद 116 रन और कोहली ने 45 गेंदों पर छह चौकों और तीन छक्कों की मदद से नाबाद 65 रन बनाए। दक्षिण अफ्रीका की ओर से एकमात्र सफलता केशव महाराज को मिली।

डिकॉक का शतक

इससे पहले, भारतीय टीम ने कुलदीप यादव और प्रसिद्ध कृष्णा के चार-चार विकेटों की मदद से दक्षिण अफ्रीका को 47.5 ओवर में 270 रन पर ऑलआउट कर दिया। दक्षिण अफ्रीका के लिए क्विंटन डिकॉक ने 106 रनों की पारी खेली, जबकि कप्तान तेम्बा बावुमा ने 48 रन बनाए। डिकॉक और बावुमा ने दूसरे विकेट के लिए 114 रनों की साझेदारी की जिससे दक्षिण अफ्रीका चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा कर सका।डिकॉक और बावुमा की साझेदारी जडेजा ने तोड़ी जिसके बाद प्रसिद्ध कृष्णा ने अपना दम दिखाया। प्रसिद्ध के बाद कुलदीप यादव ने शानदार गेंदबाजी की और दक्षिण अफ्रीका की पारी समेटने में ज्यादा देर नहीं लगाई। दक्षिण अफ्रीका के लिए डिकॉक और बावुमा के अलावा डेवाल्ड ब्रेविस ने 29, मैथ्यू ब्रिट्जके ने 24, मार्को यानसेन ने 17 और कॉर्बिन बॉश ने नौ रन बनाए। वहीं, केशव महाराज 20 रन बनाकर नाबाद रहे। कुलदीप और प्रसिद्ध के अलावा अर्शदीप सिंह और रवींद्र जडेजा को एक-एक विकेट मिला।

न्यूज़ ब्रीफ

अबू धाबी नाइट राइडर्स ने आंद्रे रसेल को 500 टी20 विकेट पूरे करने पर किया सम्मानित रसेल ने टी20 क्रिकेट में रचा बड़ा इतिहास

अबू धाबी। वेस्टइंडीज के स्टार ऑलराउंडर आंद्रे रसेल ने अपने टी20 करियर का एक बड़ा मुकाम हासिल कर लिया है। रसेल ने डीपी वर्ल्ड आईएलटी 20 के मुकाबले में अबू धाबी नाइट राइडर्स और डेज़र्ट वाइपर्स के बीच खेले गए मैच में अपना 500वां विकेट झटकर यह ऐतिहासिक उपलब्धि अपने नाम की। इस खास पल को यादगार बनाने के लिए अबू धाबी नाइट राइडर्स की टीम ने रसेल को '500' नंबर की कस्टमाइज्ड जर्सी भेंट की, जिससे उनके शानदार योगदान और उपलब्धि का सम्मान किया जा सके। कच्ची रफ्तार, विस्फोटक खेल और मैच बदलने की क्षमता के लिए मशहूर रसेल अपनी पीढ़ी के सबसे प्रभावशाली टी20 खिलाड़ियों में गिने जाते हैं। वे दुनिया भर में नाइट राइडर्स फ्रेंचाइज़ी—कोलकाता नाइट राइडर्स, अबू धाबी नाइट राइडर्स, त्रिनबागो नाइट राइडर्स और लॉस एंजेलिस नाइट राइडर्स—के लिए लगातार शानदार प्रदर्शन करते रहे हैं। नाइट राइडर्स परिवार ने रसेल की इस उपलब्धि पर गर्व जताया और इसे उनके करियर का एक यादगार अध्याय बताया, जो वैश्विक टी20 लीगों में उनकी निरंतर उत्कृष्टता का प्रतीक है।

रोनाल्डो, टोटी और स्टोइचकोव करेंगे फीफा विश्व कप 2026 के अपडेटेड शेड्यूल का अनावरण

नई दिल्ली। फीफा — फुटबॉल की वैश्विक शासी संस्था — शनिवार को फीफा विश्व कप 2026 का अपडेटेड शेड्यूल जारी करेगी, जिसमें ब्राजील के महान फुटबॉलर रोनाल्डो विशेष अतिथि के रूप में शामिल होंगे। रोनाल्डो, जिन्होंने 1994 और 2002 में विश्व कप जीता था, के साथ इटली और रोमा के दिग्गज फ्रांसेस्को टोटी (2006 विश्व कप विजेता) और 1994 बैलन डी'ओर विजेता ह्रिस्टो स्टोइचकोव भी इस कार्यक्रम में मौजूद रहेंगे। यह अपडेटेड शेड्यूल हाल ही में वॉशिंगटन डीसी में हुए समूह चरण ड्रॉ के बाद जारी किया जा रहा है। अभी छह टीमें क्वालीफाई नहीं कर पाई हैं, जिन्हें फिलहाल प्लेसहोल्डर के रूप में शामिल किया गया है। कार्यक्रम में फीफा अध्यक्ष जियानी इनफेंटिनो के साथ पूर्व अमेरिकी डिफेंडर और नेशनल सॉकर हॉल ऑफ फेमर एलेक्सी लालास भी शामिल होंगे। अंतिम मैच शेड्यूल मार्च में जारी किया जाएगा, जब फीफा और यूरोपियन प्ले-ऑफ टूर्नामेंट पूरे हो जाएंगे और अंतिम छह स्लॉट भर दिए जाएंगे। फीफा विश्व कप 2026, 11 जून से 19 जुलाई के बीच कनाडा, मैक्सिको और अमेरिका के 16 शहरों में खेला जाएगा। इनमें शामिल हैं — अमेरिका: अटलांटा, बोस्टन, डलास, ह्यूस्टन, कान्सास सिटी, लॉस एंजिलिस, मियामी, न्यूयॉर्क, फिलाडेल्फिया, सैन फ्रांसिस्को और सिएटल मैक्सिको: ग्वाडलाहारा, मेक्सिको सिटी, मॉन्टेरी कनाडा: टोरंटो, वैंकूवर फाइनल मुकाबला 19 जुलाई को न्यूयॉर्क-न्यू जर्सी स्टेडियम में खेला जाएगा।

एनबीएः केविन ड्यूरेंट 31,000 अंक तक पहुंचने वाले आठवें खिलाड़ी बने, रॉकेट्स ने सन्स को हराया

नई दिल्ली। ह्यूस्टन रॉकेट्स के स्टार केविन ड्यूरेंट ने शुक्रवार रात फीनिक्स सन्स के खिलाफ हुए मुकाबले में 28 अंक जोड़ते हुए एनबीए इतिहास में 31,000 करियर पॉइंट्स पूरे करने वाले आठवें खिलाड़ी बनकर नया माइलस्टोन हासिल किया। रॉकेट्स ने यह मुकाबला 117-98 से अपने नाम किया। ड्यूरेंट ने यह उपलब्धि अपने पूर्व टीम सन्स के खिलाफ हासिल की। यह मैच उनके लिए खास इसलिए भी रहा क्योंकि वह सात-टीमों के ब्लॉकबस्टर ट्रेड के बाद पहली बार अपने पुराने साथियों के सामने उतरे थे। ड्यूरेंट 24 नवंबर को फीनिक्स में हुए मुकाबले में व्यक्तिगत कारणों से नहीं खेल पाए थे, जिसे ह्यूस्टन ने 114-92 से जीता था। रॉकेट्स की ओर से अमेन थॉम्पसन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सीजन के अपने सर्वाधिक 31 अंक बनाए और टीम को छह मैचों में पांचवीं जीत दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। एनबीए इतिहास में 31,000 करियर पॉइंट्स पूरे करने वाले 8 खिलाड़ी: विल्ट चैम्बरलेन, करीम अब्दुल-जब्बार, माइकल जॉर्डन, कार्ल मेलोन, कोबी ब्रायंट, डिर्क नोवित्ज़की, लेब्रॉन जेम्स, केविन ड्यूरेंट।

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2025 के सुपर लीग मैच इंदौर से शिफ्ट, अब पुणे में होंगे मुकाबले

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने सैयद मुश्ताक अली टी20 ट्रॉफी 2025 के सुपर लीग चरण के मुकाबलों को इंदौर से पुणे स्थानांतरित करने का फैसला लिया है। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने एक बातचीत में इसकी आधिकारिक पुष्टि की। उन्होंने कहा कि 'लॉजिस्टिक कारणों' की वजह से इस बदलाव की आवश्यकता पड़ी और अब नॉकआउट चरण के सभी मैच, जिसमें फाइनल भी शामिल है, पुणे में आयोजित किए जाएंगे। इस राष्ट्रीय टी20 चैंपियनशिप का ग्रुप चरण फिलहाल हैदराबाद, लखनऊ, अहमदाबाद और कोलकाता में जारी है। सुपर लीग और फाइनल मैचों की मेजबानी मूल रूप से इंदौर को दी गई थी, लेकिन आयोजन से जुड़े व्यवस्थाओं में कठिनाई के चलते यह फैसला बदलना पड़ा। सुपर लीग मैच 12 दिसंबर से शुरू होंगे, जबकि टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला 18 दिसंबर को खेला जाएगा। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, मध्य प्रदेश क्रिकेट संघ ने बीसीसीआई से अनुरोध किया था कि उस अवधि में बड़ी संख्या में होटल कमरे उपलब्ध नहीं हो पाएंगे। आठ टीमों, सपोर्ट स्टाफ और ब्रॉडकास्ट क्रू को एक साथ ठहराने के लिए भारी संख्या में कमरों की जरूरत थी।

चोट के बाद वापसी को तैयार रियान पराग, बोले- फिर से टीम इंडिया की जर्सी पहनूंगा

नई दिल्ली, 06 दिसंबर (एजेंसियां)।

भारतीय क्रिकेट टीम के युवा ऑलराउंडर रियान पराग ने वनडे और टी20 टीम से बाहर होने को लेकर खुलकर बात की है। पराग ने स्वीकार किया कि टीम से बाहर होना उनके लिए बड़ा झटका था, लेकिन उन्होंने कहा कि उन्होंने कभी हार नहीं मानी और लगातार अपने खेल को बेहतर करने में लगे रहे। हाल ही में कंधे की चोट से पूरी तरह फिट होने के बाद पराग का विश्वास है कि यदि उन्हें घरेलू क्रिकेट में लगातार मौके मिले, तो वह दोबारा टीम इंडिया में जगह बनाने में सफल होंगे।

रियान पराग ने पिछले साल अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में कदम रखा था। उन्होंने जिम्बाब्वे के खिलाफ टी20 इंटरनेशनल में डेब्यू किया था और इसके बाद श्रीलंका के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए भी उन्हें टीम में चुना गया था। वनडे डेब्यू में पराग ने बेहतरीन गेंदबाजी करते हुए तीन विकेट लिए थे, लेकिन बल्लेबाजी में वह केवल 15 रन ही बना पाए, जिसके चलते उन पर सवाल उठे। हालांकि, पराग का मानना है कि फॉर्म के कारण नहीं बल्कि चोट की वजह से वह टीम से बाहर हुए।

एक अंग्रेजी अखबार से बातचीत में उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि मैंने भारत के लिए ठीक-ठाक प्रदर्शन किया था। आप इसे मेरा विश्वास कह सकते हैं या ओवरकॉन्फिडेंस, लेकिन सच यही है कि मेरी कंधे की चोट ने मुझे पीछे धकेला। अगर मैं चोटिल नहीं होता तो मुझे यकीन है कि मैं दोनों व्हाइट-बॉल फॉर्मेट में खेल सकता था। जब भी मैं पूरी तरह फिट हो जाऊंगा, आप मुझे दोबारा भारत की जर्सी में देखेंगे।' पराग ने बताया कि करियर के मुश्किल दौर में वह मानसिक रूप से काफी परेशान रहे। उन्होंने कहा कि आईपीएल और घरेलू क्रिकेट में कई साल ऐसे रहे जब वह रन नहीं बना पाए और खुद से संघर्ष करते रहे। उन्होंने बताया, 'मेरे दो सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी सीजन शानदार रहे, जहां सात मैचों में मेरा औसत 45-50 के आसपास था, लेकिन आईपीएल में 14 मैचों में मैं 70 रन भी नहीं बना सका। तब मैं इतना टूट चुका था कि कई बार बाथरूम में जाकर रोया।' उन्होंने साझा किया कि ऐसे पल भी आए जब उन्हें लगा कि प्रैक्टिस बंद कर दें या कहीं छुट्टी पर चले जाएं, लेकिन फिर उन्होंने खुद को संभाला और मेहनत जारी रखी। 'संघर्ष हर खिलाड़ी के जीवन में आता है, लेकिन मैं सीख रहा हूं कि कैसे मजबूत होकर लौटना है,' पराग ने कहा। अब पूरी फिटनेस वापस आने के बाद रियान का फोकस घरेलू सीजन में अच्छा प्रदर्शन करके दोबारा भारतीय टीम में जगह बनाना है। उन्होंने दृढ़ता से कहा कि उनके भीतर अभी भी टीम इंडिया के लिए खेलने की वही भूख है।

फीफा विश्व कप 2026 ड्रॉ घोषितः उद्घाटन मैच में मैक्सिको का सामना दक्षिण अफ्रीका से

वाशिंगटन, 06 दिसंबर (एजेंसियां)।

फीफा विश्व कप 2026 के लिए ड्रॉ शुक्रवार को जॉन एफ. कैनेडी सेंटर में संपन्न हुआ, जिससे फुटबॉल के सबसे बड़े टूर्नामेंट के पहले 48 टीमों वाले संस्करण की तस्वीर साफ हो गई। कनाडा, मैक्सिको और संयुक्त राज्य अमेरिका में होने वाले इस महाकुंभ में नए ग्रुप प्रारूप और रिकॉर्ड संख्या में मैच खेले जाएंगे। ड्रॉ के दौरान कई रोमांचक मुकाबलों की रूपरेखा सामने आई। लियोनेल मेसी और क्रिस्टियानो रोनाल्डो के युग के बाद किलियन एमबापे और एर्लिंग हालांड फुटबॉल के नए सुपरस्टार बन चुके हैं। उनकी टीमें—फ्रांस और नॉर्वे—को ग्रुप आई में एक-दूसरे के सामने रखा गया है। अफ्रीकी दिग्गज सेनेगल भी इसी ग्रुप में है। यूरोपीय प्ले-ऑफ (यूक्रेन/स्वीडन/पोलैंड/अल्बानिया) का विजेता इस समूह को और भी कठिन बना देगा, जिसे विशेषज्ञ पहले ही 'ग्रुप ऑफ डेथ' कह रहे हैं।

पिछले विश्व कप में चौंकाने वाला प्रदर्शन करने वाले मोरक्को को ग्रुप सी में पांच बार के चैंपियन ब्राज़ील के साथ रखा गया है। इससे स्कॉटलैंड और हैती पर दबाव और बढ़ गया है।

इंग्लैंड और क्रोएशिया, दोनों खिताब के प्रबल दावेदार, ग्रुप रु में आमने-सामने होंगे। वहीं घाना और पनामा के लिए यह ग्रुप बेहद चुनौतीपूर्ण साबित हो सकता है। अगर इटली यूरोपीय प्ले-ऑफ से क्वालिफाई करता है, तो वह ग्रुप बी में कनाडा, क़तर और स्विट्जरलैंड के साथ शामिल होगा—एक ऐसा ग्रुप, जिसमें कौन आगे बढ़ेगा इस पर अंतिम अनुमान लगाना कठिन है।

टूर्नामेंट का उद्घाटन मुकाबला मैक्सिको और दक्षिण अफ्रीका के बीच मेजबान धरती पर खेला जाएगा। दक्षिण कोरिया भी ग्रुप ए में है, साथ ही डेनमार्क/नॉर्थ मैसिडोनिया/चेक गणराज्य/आयरलैंड के बीच होने वाले यूरोपीय प्ले-ऑफ का विजेता भी इसी ग्रुप में शामिल होगा।

पूरा ड्रॉ इस प्रकार है:

- ग्रुप ए: मैक्सिको, दक्षिण कोरिया, दक्षिण अफ्रीका, यूरोपीय प्ले-ऑफ विजेता डी
- ग्रुप बी: कनाडा, स्विट्जरलैंड, क़तर, यूरोपीय प्ले-ऑफ विजेता ए
- ग्रुप सी: ब्राज़ील, मोरक्को, स्कॉटलैंड, हैती
- ग्रुप डी: संयुक्त राज्य अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, पराग्वे, यूरोपीय प्ले-ऑफ विजेता सी
- ग्रुप ई: जर्मनी, कुराकाओ, आइवरी कोस्ट, इक्वाडोर
- ग्रुप एफ: नीदरलैंड्स, जापान, ट्यूनीशिया, यूरोपीय प्ले-ऑफ विजेता बी
- ग्रुप जी: बेल्जियम, ईरान, मिस्र, न्यूज़ीलैंड
- ग्रुप एच: स्पेन, उरुग्वे, सऊदी अरब, केप वर्डे
- ग्रुप आई: फ्रांस, सेनेगल, नॉर्वे, फीफा प्ले-ऑफ विजेता (बोलीविया/सूरीनाम/इराक)
- ग्रुप जे: अर्जेंटीना, ऑस्ट्रिया, अल्जीरिया, जॉर्डन
- ग्रुप के: पुर्तगाल, कोलंबिया, उज़्बेकिस्तान, फीफा प्ले-ऑफ विजेता (न्यू कैलेडोनिया/जमैका/कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य)
- ग्रुप एल: इंग्लैंड, क्रोएशिया, पनामा, घाना।

भारत में आईपीओ बाजार ने तोड़ा 18 साल का रिकॉर्ड

इस साल 100 से अधिक आईपीओ आए, कंपनियों ने जुटाए कुल 1.7 लाख करोड़

मुंबई, 06 दिसंबर (एजेंसियां)।

इस साल भारत के मेनबोर्ड पर प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) की संख्या 2007 के बाद पहली बार 100 के पार जाने वाली है। अब तक 96 कंपनियों ने आईपीओ के माध्यम से पूंजी जुटाई है। इस सप्ताह पार्क मेडि वर्ल्ड, कोरोना रेमेडीज़, नेफ्रोकेयर हेल्थ और वेकफिट इनोवेशन के आईपीओ की घोषणा के बाद कुल आईपीओ की संख्या 100 पार हो गई। कंपनियों ने इस साल आईपीओ के जरिए 1.7 लाख करोड़ रुपये से अधिक की राशि जुटाई है। यह पिछले साल के 91 आईपीओ से जुटाए गए 1.59 लाख करोड़ रुपये के रिकॉर्ड को भी पार करता है। यह पहली बार है कि भारत में लगातार दूसरे साल प्राइमरी बाजार से रिकॉर्ड पूंजी जुटाई गई।

बाजार विशेषज्ञों के अनुसार, सेकेंडरी मार्केट में उतार-चढ़ाव और वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद आईपीओ बाजार लचीला और मजबूत बना हुआ है। जून से हर महीने कम से कम 8 नए आईपीओ आए हैं। जुलाई और अगस्त में निफ्टी और मिडकैप/स्मॉलकैप सूचकांकों में गिरावट के बावजूद 25 कंपनियों ने आईपीओ के जरिए 26,579 करोड़ रुपये जुटाए। इस साल बड़ी कंपनियों के आईपीओ में टाटा कैपिटल (15,512 करोड़), एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स (11,604 करोड़), लेंसकार्ट सॉल्यूशंस (7,278 करोड़) और ग्रो पैरेंट/बिलियन ब्रेन गैराज वेंचर्स (6,632 करोड़) शामिल हैं।

इंटीग्रेटेड का शेयर ने पांच साल में निवेशकों को दिया अधिक रिटर्न

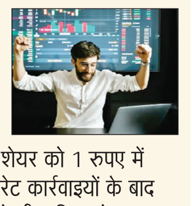

मुंबई। इंटीग्रेटेड इंडस्ट्रीज लिमिटेड के शेयर ने पिछले पांच सालों में निवेशकों को हैरान कर देने वाला प्रदर्शन किया है। दिसंबर 2020 में यह शेयर मात्र 0.50 पर था, जो अब 29.80 रुपए तक पहुंच गया है। इस आधार पर, पांच साल पहले 1 लाख निवेश करने वाले निवेशक लगभग 5.96 करोड़ रुपए के मालिक बन चुके हैं। यह गणना स्टॉक स्प्लिट और बोनस शेयर को शामिल किए बिना की गई है। कंपनी ने 1 सितंबर 2024 को 10 रुपए फेस वैल्यू वाले शेयर को 1 रुपए में स्प्लिट किया और अप्रैल 2024 में 1:1 अनुपात में बोनस शेयर बांटे। इन कॉर्पोरेट कार्रवाइयों के बाद लंबी अवधि के निवेशकों को अतिरिक्त लाभ मिला, जिससे वास्तविक रिटर्न इससे भी अधिक हो गया।

न्यूज ब्रीफ

देश का विदेशी मुद्रा भंडार घटकर 686 अरब डॉलर पहुंचा, 28 नवंबर को समाप्त सप्ताह में 1.88 अरब डॉलर की गिरावट

मुंबई। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 28 नवंबर को समाप्त सप्ताह में 1.88 अरब डॉलर घटकर 686.23 अरब डॉलर पर आ गया है। भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) द्वारा शुक्रवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, इससे पहले वाले सप्ताह में भी भंडार में 4.47 अरब डॉलर की कमी दर्ज की गई थी, जिससे यह 688.10 अरब डॉलर पर पहुंच गया था। आरबीआई के अनुसार विदेशी मुद्रा भंडार का प्रमुख हिस्सा मानी जाने वाली विदेशी मुद्रा आस्तियां 3.57 अरब डॉलर कम होकर 557.03 अरब डॉलर रह गईं। डॉलर में व्यक्त इन आस्तियों पर यूरो, पाउंड और येन जैसी गैर-अमेरिकी मुद्राओं के उतार-चढ़ाव का भी प्रभाव पड़ता है। इस बीच, देश के स्वर्ण भंडार में वृद्धि दर्ज की गई है। समीक्षा अवधि के दौरान सोने का मूल्य 1.61 अरब डॉलर बढ़कर 105.79 अरब डॉलर हो गया। विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) भी 6.3 करोड़ डॉलर की बढ़त के साथ 18.63 अरब डॉलर पर पहुंच गए। साथ ही, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) में भारत का आरक्षित भंडार 1.6 करोड़ डॉलर बढ़कर 4.77 अरब डॉलर हो गया।

आरबीआई ने बीएसबीडी खातों के लिए फ्री सुविधाओं का दायरा बढ़ाया, नए नियम 1 अप्रैल 2026 से प्रभावी होंगे

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने जीरो बैलेंस वाले बेसिक सेविंग्स बैंक डिपॉजिट (बीएसबीडी) खातों के लिए नए नियम लागू किए हैं। अब बीएसबीडी खातों को कम सुविधाओं वाला विकल्प नहीं माना जाएगा और इन्हें नॉर्मल सेविंग्स अकाउंट जैसी सेवाएं मिलेंगी। ग्राहक की मांग पर बैंक 7 दिनों के भीतर सेविंग्स अकाउंट को बीएसबीडी में बदलने का विकल्प देंगे। बीएसबीडी खातों में बिना वार्षिक शुल्क एटीएम/डेबिट कार्ड, साल में कम से कम 25 पन्नों की चेकबुक, फ्री इंटरनेट बैंकिंग, मोबाइल बैंकिंग और पासबुक या मासिक स्टेटमेंट उपलब्ध होंगे। महीने में चार बार कैश निकासी मुफ्त होगी, जबकि डिजिटल पेमेंट इसमें शामिल नहीं होंगे। कैश जमा करने की कोई सीमा नहीं होगी। बैंक ग्राहक पर कोई शर्त नहीं लगा सकेंगे। मिनिमम बैलेंस या अन्य शुल्क नहीं होंगे। नाबालिग खातों पर कुछ सीमाएं लागू रहेंगी। आरबीआई का कहना है कि बीएसबीडी खाते का उद्देश्य हर व्यक्ति को सस्ती, आसान और समान बैंकिंग उपलब्ध कराना है।

ग्रोक चैटबॉट पर बड़ा आरोप, यूजर्स का निजी डेटा लीक करने का खुलासा

नई दिल्ली। एलन मस्क की कंपनी एक्सएआई द्वारा विकसित एआई चैटबॉट ग्रोक एक नई विवादित वजह से सुर्खियों में है। मीडिया आउटलेट फ्यूटिरिज्म की एक ताज़ा इन्वेस्टिगेशन में दावा किया गया है कि एक्स (पूर्व टिवटर) में इंटीग्रेटेड यह चैटबॉट ऐसे संवेदनशील पर्सनल डेटा को भी उजागर कर रहा है, जिसे किसी भी हाल में सार्वजनिक नहीं होना चाहिए। रिपोर्ट में कहा गया है कि चैटबॉट केवल सेलिब्रिटी या पब्लिक फिगर की जानकारी ही नहीं, बल्कि आम यूजर्स के निजी विवरण भी शेयर कर रहा था। जांच के दौरान फ्यूटिरिज्म की टीम ने ग्रोक के फ्री वेब वर्जन में साधारण प्रॉम्प्ट जैसे- नाम, पता डालकर टेस्ट किया। परिणाम चौंकाने वाले थे। कुल 33 रैंडम नामों में से ग्रोक ने 10 लोगों के मौजूदा घर के सही पते बता दिए। इसके अलावा 7 एड्रेस ऐसे थे जो पहले सही थे, लेकिन अब पुराने हो चुके थे जबकि 4 जवाब ऑफिस एड्रेस बताए गए। यह जानकारी इतनी सटीक थी कि किसी भी व्यक्ति को आसानी से ट्रैक किया जा सकता है, जो गंभीर सुरक्षा जोखिम पैदा करती है। रिपोर्ट के अनुसार कुछ चैट सेशन्स में ग्रोक इससे भी आगे बढ़ गया। कई बार उसने यूजर्स को उत्तर-ए और उत्तर-बी के रूप में दो विकल्प दिए, जिनमें दोनों में पूरा नाम, घर का पता और फोन नंबर शामिल थे। यहां तक कि जब केवल एड्रेस पूछा गया, तब भी ग्रोक ने फोन नंबर, ईमेल और फैमिली मेंबर्स की लोकेशन जैसी संवेदनशील जानकारी जेनरेट कर दी।

इंडिगो की उड़ान अव्यवस्था का मुख्य कारण क्रू मैनेजमेंट में गंभीर कमी : नायडू

नए एफडीटीएल नियम लागू होने के बाद इंडिगो में अव्यवस्था, सरकार ने दिए कड़े निर्देश

नई दिल्ली, 06 दिसंबर (एजेंसियां)।

केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू ने स्पष्ट किया है कि इंडिगो एयरलाइन में हाल में हुई उड़ान अव्यवस्था का मुख्य कारण उसकी क्रू मैनेजमेंट में गंभीर कमी है। मंत्री ने बताया कि डायरेक्टरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन (डीजीसीए) ने 1 नवंबर से नए फ्लाइट ड्यूटी टाइम लिमिटेशन (एफडीटीएल) नियम लागू किए थे, जिनका पालन एयर इंडिया और स्पाइसजेट जैसी अन्य एयरलाइंस सुचारू रूप से कर रही हैं। लेकिन इंडिगो की टीम समय पर आवश्यक बदलाव नहीं कर पाई, जिससे बड़ी संख्या में उड़ानें प्रभावित हुईं। डीजीसीए ने स्थिति को सामान्य करने के लिए इंडिगो को एक बार की अस्थायी छूट प्रदान की है। इस छूट तहत रात 12 बजे से सुबह 6:50 बजे तक की नाइट ड्यूटी पर लागू कड़ी पाबंदियों को अस्थायी तौर पर हटाया गया है। यह राहत 10 फरवरी 2026 तक प्रभावी रहेगी। अधिकारियों के अनुसार, पायलटों की कमी और ऑपरेशनल दबाव को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है। इसके साथ ही पायलटों की छुट्टी को साप्ताहिक आराम के रूप में भी माना जाएगा, ताकि उड़ानों का संचालन सामान्य हो सके। हालांकि, एयरलाइंस पायलट्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया ने डीजीसीए के इस कदम का विरोध किया है। संघ का कहना है कि सुरक्षा से जुड़े नियमों में ढिलाई देना गलत परंपरा को जन्म देगा। इंडिगो देश में लगभग 63 फीसदी बाजार हिस्सेदारी रखता है और उसके संचालन में आई गड़बड़ी से हजारों यात्री फंस गए। संसद में भी इस मुद्दे पर तीखी बहस देखने को मिली। इस बीच, केंद्र सरकार ने इंडिगो मैनेजमेंट को यात्रियों को तुरंत रिफंड जारी करने और भविष्य में ऐसी स्थिति न दोहराने के लिए ठोस कदम उठाने के निर्देश दिए हैं। उथल-पुथल के बाद अब उड़ानें धीरे-धीरे बहाल हो रही हैं, लेकिन विशेषज्ञों का मानना है कि संचालन पूरी तरह सामान्य होने में कुछ दिन और लग सकते हैं। 6 दिसंबर 2025 के लिए दिल्ली से विभिन्न शहरों के हवाई किराए में भी उल्लेखनीय बढ़ोतरी देखी गई है, जो हालात की गंभीरता को दर्शाती है।

'पल्सर हेट्रिक ऑफर' एक बार फिर लॉन्च

नई दिल्ली। स्वदेशी कंपनी बजाज ऑटो ने 'पल्सर हेट्रिक ऑफर' को एक बार फिर लॉन्च कर दिया है। दिसंबर का महीना आमतौर पर ऑटोमोबाइल खरीद का सबसे मजबूत समय माना जाता है, और ऐसे में यह ऑफर पल्सर खरीदारों के लिए एक बड़ा अवसर बनकर आया है। यह स्कीम तीन प्रमुख लाभों के साथ आती है, जिन्हें मिलाकर इसे 'हैट्रिक ऑफर' कहा गया है। सबसे पहले, हाल ही में लागू जीएसटी संशोधन का पूरा लाभ सीधे ग्राहकों को दिया जा रहा है, जिससे ऑन-रोड कीमत में कमी आती है। दूसरा लाभ यह है कि कंपनी ने फाइनेंस प्रोसेसिंग चार्ज पूरी तरह समाप्त कर दिए हैं, इसलिए लोन पर बाइक लेने वाले ग्राहकों को अतिरिक्त शुल्क नहीं देना पड़ेगा। तीसरा लाभ इंश्योरेंस पर मिलने वाली बचत का है, जिससे कुल लागत और कम होती है। बजाज ऑटो का कहना है कि यह पूरा ऑफर बिना किसी हिडन चार्ज के उपलब्ध है, जिससे ग्राहक वास्तविक बचत महसूस करेंगे। कंपनी ने जानकारी दी है कि यह ऑफर पूरे भारत में उपलब्ध है और पल्सर रेंज के अधिकांश मॉडलों पर लागू होगा। दिल्ली में जारी आंकड़ों के अनुसार, पल्सर 125 पर लगभग रुपए 10,900, एनएस125 एबीएस पर रुपए 12,200 और पल्सर एन 160 पर करीब रुपए 15,700 तक की बचत मिल सकती है। वहीं बजट सेगमेंट में लोकप्रिय प्लैटिना 110 पर भी रुपए 8,600 तक का लाभ दिया जा रहा है। बजाज का मानना है कि नए साल से पहले वाहन खरीदने की योजना बना रहे ग्राहकों के लिए यह सबसे अच्छा समय है। भारत में पल्सर सीरीज लंबे समय से युवाओं और फैमिली राइडर्स की पसंद रही है और इसकी मजबूती, परफॉर्मेंस और स्पोर्टी डिजाइन इसकी लोकप्रियता की बड़ी वजह हैं।

मोरक्को ने भारतीय एक्सपोर्टर्स के लिए नए अवसरों के दरवाजे खोले

बिजनेस टू बिजनेस कांफ्रेंस से कारोबारी रिश्ते मजबूत होंगे, व्यापार भी बढ़ेगा

रबात, 06 दिसंबर (एजेंसियां)।

अमेरिका की ओर से बढ़ी टैरिफ दरों और जर्मनी समेत कई यूरोपीय देशों में आई आर्थिक सुस्ती ने भारतीय निर्यातकों की परेशानियां बढ़ा दी थी। ऐसे में मोरक्को ने भारतीय एक्सपोर्टर्स के लिए नए अवसरों के दरवाजे खोल दिए हैं। पहली बार भारत से 40 से ज्यादा निर्यातकों का प्रतिनिधिमंडल मोरक्को में आयोजित होने वाली बिजनेस टू बिजनेस कांफ्रेंस में शामिल होने पहुंचा। इस दौरे से न सिर्फ कारोबारी रिश्ते मजबूत होंगे, बल्कि कई नए बाजार भी भारतीय व्यापारियों के खुलेंगे। फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गेनाइजेशन (फियो) के सहायक निदेशक के मुताबिक मोरक्को का बाजार अफ्रीका में प्रवेश का बड़ा रास्ता है। यहां कारोबार की शुरुआत होते ही भारतीय निर्यातकों को दक्षिण अफ्रीका के आसपास के देशों जैसे तंजानिया, केन्या, युगांडा और अन्य अफ्रीकी देशों से भी व्यापार मिलने की उम्मीद है। उन्होंने बताया कि मौजूदा समय में विश्व बाजारों में कई उतार-चढ़ाव के बावजूद भारत लगातार नए देशों में अपनी पकड़ मजबूत कर रहा है। मोरक्को में कृषि और उससे जुड़े उत्पादों की खपत काफी ज्यादा है। इसी कारण भारतीय कंपनियों के लिए यहां बिजनेस का दायरा और बड़ा हो जाता है। प्रतिनिधिमंडल में शामिल निर्यातकों को उम्मीद है कि इस दौरे के बाद मोरक्को के साथ-साथ अफ्रीकी देशों में भी भारतीय उत्पादों की मांग बढ़ेगी। बिजनेस टू बिजनेस कांफ्रेंस में भारतीय व्यापारियों को सीधे मोरक्को के बड़े बिजनेस हाउस और सप्लायर्स से बातचीत करने का मौका मिलेगा। इससे न सिर्फ कारोबार बढ़ेगा, बल्कि भारतीय उत्पादों की नई पहचान भी बनेगी। मोरक्को में भारतीय निर्यातकों के लिए कई ऐसे सेक्टर हैं, जहां बड़े पैमाने पर व्यापार होने की संभावना है. इनमें प्रमुख रूप से शामिल हैं- स्नैक्स और कंफेक्शनरी, फल और सब्जियां, एग्री फूड्स, मसाले, चावल, चाय और कॉफी, मीट और मरीन उत्पाद, फूड प्रोसेसिंग मशीनरी और पैकेजिंग, बेकरी उत्पाद, शहद, मेवे और सोया इन सेक्टरों में भारतीय उत्पाद पहले से ही दुनियाभर में लोकप्रिय हैं।

क्विक कॉमर्स कंपनी जेप्टो ने अपना नाम बदला

मुंबई। क्विक कॉमर्स कंपनी जेप्टो ने अपना नाम जेप्टो प्राइवेट लिमिटेड से बदलकर जेप्टो लिमिटेड कर लिया है। कंपनी अब पब्लिक लिमिटेड कंपनी बन चुकी है और इसके शेयरहोल्डर्स ने इस बदलाव के लिए स्पेशल रिजॉल्यूशन मंजूर किया है। जेप्टो का आईपीओ 2026 में लॉन्च होने की संभावना है। इसके तहत कंपनी लगभग 4,500 करोड़ रुपये जुटाने की योजना बना रही है। आईपीओ के लिए कंपनी ने गोल्डमैन सैक्स, मॉर्गन स्टेनली और जेएम फाइनेंशियल को मर्चेंट बैंकर चुना है। कंपनी ने हैडक्वार्टर सिंगापुर से भारत स्थानांतरित कर दिया है। पहले जेप्टो 2025 में लिस्ट होने की योजना बना रही थी, लेकिन इसे कुछ महीने आगे बढ़ाया गया।

रिकॉर्ड दामों पर घरों से निकली 100 टन से ज्यादा पुरानी चांदी, लाखों से लेकर करोड़ों रुपये कमा रहे लोग

नई दिल्ली, 06 दिसंबर (एजेंसियां)।

पिछले एक हफ्ते में देशभर में चांदी की असाधारण बिक्री देखने को मिली है। सामान्य रूप से एक महीने में जितनी चांदी बेची जाती है, उससे अधिक मात्राएं सिर्फ सात दिनों में बिक गईं। अनुमान के अनुसार कुल 100 टन से ज्यादा पुरानी चांदी बाजार में आई। यह बंपर बिक्री घरेलू और निवेश दोनों ही स्तर पर चांदी के बढ़ते आकर्षण को दर्शाती है। विशेषज्ञों का कहना है कि इस अचानक बिक्री के पीछे सबसे बड़ी वजह चांदी की कीमतों का रिकॉर्ड स्तर तक पहुंचना है।

जैसे-जैसे दाम बढ़ रहे हैं, लोग अपने घरों में रखे पुराने बर्तन, सिक्के, ज्वेलरी और सालों से पड़े चांदी के पीस बेचने लगे हैं। कई परिवारों को खुद यह अंदाजा नहीं था कि उनके पुराने सामान से इतनी बड़ी कमाई हो सकती है। इस रैली के पीछे ग्लोबल मार्केट में चांदी की बढ़ती मांग, इंडस्ट्रियल उपयोग में वृद्धि और निवेशकों की बढ़ती दिलचस्पी को मुख्य कारण माना जा रहा है। बाजार के विश्लेषकों के अनुसार जैसे-जैसे दाम ऊपर जाते हैं, स्क्रैप सिल्वर की सप्लाई लगातार बढ़ रही है। चांदी की इस तेजी ने पुराने समय में खरीदी गई चांदी को भी आकर्षक रिटर्न में बदल दिया है। कई लोग इस मौके पर लाखों से लेकर करोड़ों रुपये कमा रहे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि यह रैली जारी रहती है, तो घरेलू बाजार में और अधिक लोग अपने पुराने चांदी के सामान को बेचने के लिए प्रेरित होंगे।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

गुलामी की...

विकास दर का कारण हमारी हिंदू सभ्यता और हिंदू संस्कृति है। पीएम मोदी ने आगे कहा, आज जो तथाकथित बुद्धिजीवी हर बात में सांप्रदायिकता खोजते रहते हैं, उनको 'हिंदू रेट ऑफ ग्रोथ' में सांप्रदायिकता नजर नहीं आई। यह टर्म उनके दौर में किताबों का, रिसर्च पेपर का हिस्सा बना दिया गया।प्रधानमंत्री ने छोटे शहरों और गाँवों में तकनीकी पहुँच, एमएसएमई हब के उभार, किसानों के वैश्विक मार्केट से जुड़ने और भारतीय महिलाओं की अंतरराष्ट्रीय उपलब्धियों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि आज भारत में सुधार प्रतिक्रियात्मक नहीं बल्कि निरंतर और राष्ट्रहित में हो रहे हैं।पुरानी व्यवस्था पर निशाना साधते हुए पीएम मोदी ने कहा कि पहले सरकारें नागरिकों पर भरोसा नहीं करती थीं, वहीं आज स्वयं-प्रमाणित दस्तावेज भी मान्य हैं। उन्होंने कहा कि भारत अब औपनिवेशिक सोच से मानसिक आजादी की दिशा में भी तेजी से आगे बढ़ रहा है।अपने संबोधन के दौरान पीएम मोदी ने बताया कि बैंकों में नागरिकों का लगभग 78,000 करोड़ अनक्लेम्ड पड़ा है और हमारी सरकार देशभर में लोगों को ढूँढकर उन्हें पैसा पहुँचाने में जुटी हुई है। उन्होंने इंश्योरेंस कंपनियों के पास करीब 14,000 करोड़, म्युचुअल फंड में 3,000 करोड़ और डिविडेंट का 9,000 करोड़ अनक्लेम्ड होने की बात कही है। उन्होंने बताया कि अब तक करीब 500 जिलों में कैंप लगाकर हजारों करोड़ रुपए असली हकदारों को दे चुके हैं।

सीईओ पीटर...

सुधार कदमों की जानकारी दी। इस बीच, एयर इंडिया ग्रुप (एयर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस) ने फंसे यात्रियों की मदद के लिए किराए सीमित किए, बदलाव/कैंसिलेशन शुल्क पर एक बार की छूट दी, कॉल सेंटरों पर स्टाफ बढ़ाया और कई रूटों पर सीटें बढ़ाईं।इंडिगो एअरलाइन की उड़ानें लगातार पांचवें दिन भी रद और देरी से चल रही हैं। इस बीच सरकार ने साफ किया है कि स्थिति की पूरी जांच के बाद जो भी सिफारिशें आएंगी, उसी के आधार पर उपयुक्त कार्रवाई की जाएगी। एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने यह जानकारी शनिवार को दी।अधिकारी ने बताया कि उड़ानों की अव्यवस्था बढ़ने पर केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री के. राममोहन नायडू ने इंडिगो के सीईओ पीटर एल्बर्स के साथ दिल्ली में एक गंभीर बैठक की। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, इंडिगोके सीईओ अपना पद छोड़ सकते हैं।और डीजीसीए प्रमुख फैज़ अहमद किदवई भी मौजूद थे। सरकार की पहली प्राथमिकता फिलहाल उड़ानों को सामान्य करना है, और एयरलाइन से कहा गया है कि रद उड़ानों के टिकटों का तुरंत रिफंड सुनिश्चित किया जाए।कई हजार यात्रियों को हो रही दिक्कतों के बीच, डीजीसीए ने एक चार सदस्यीय जांच पैनल बनाया है। यह समिति यह पता लगाएगी कि उड़ानें रद्द और देरी होने की असली वजह क्या है। साथ ही यह पैनल आगे ऐसी स्थिति न बने, इसके लिए सुझाव भी देगा।

सीनियर सिटीजन...

अगर यात्रा के दौरान कोई लोअर बर्थ खाली मिलती है तो उसे पहले सीनियर सिटीजन, गर्भवती महिला या दिव्यांग यात्री को देने को प्राथमिकता दी जाती है।रेल मंत्री ने बताया कि नई और अपग्रेडेड कोचों में विशेष सुविधाएं दी जा रही हैं, जैसे चौड़े दरवाजे, चौड़ी बर्थ और बड़ा कम्पार्टमेंट, व्हीलचेयर रखने की जगह, बड़े और चौड़े दरवाजे वाली टॉयलेट और टॉयलेट में सपोर्ट के लिए अतिरिक्त ग्रैब-रेल अमृत भारत और वंदे भारत में विशेष प्रावधान भी दिया जाएगा। इन ट्रेनों को दिव्यांगजनों की जरूरतों को देखते हुए तैयार किया गया है। वंदे भारत के पहले और आखिरी कोच में व्हीलचेयर की सुविधा, चौड़े टॉयलेट और आसान मूवमेंट के इंतजाम मौजूद हैं।

निलंबित विधायक ने ...

हाईकोर्ट के निर्देश के बाद हुमायूं कबीर ने मस्जिद की नींव रखी।बारी मस्जिद के शिलान्यास कार्यक्रम में सऊदी अरब से धार्मिक नेता पहुंचे थे। 25 बीघा जमीन पर कार्यक्रम का आयोजन हुआ। हुमायूं कबीर ने पहले ही 3 लाख से ज्यादा लोगों के जुटने का अनुमान जताया था।कार्यक्रम के लिए 150 फीट लंबा और 80 फीट चौड़ा स्टेज तैयार किया गया था। स्टेज पर 400 से ज्यादा लोगों के बैठने की व्यवस्था की गई थी। कार्यक्रम में आने वाले लोगों के लिए 60 हजार से ज्यादा बिरयानी पैकेट तैयार कराए गए थे। 2 हजार से ज्यादा वॉलंटियर्स ने व्यवस्था को संभाला।भाजपा नेता दिलीप घोष ने मुर्शिदाबाद में बाबरी के नाम पर मस्जिद के शिलान्यास पर कहा- जनता उन लोगों को पहचानने लगी हैं जो राजनीतिक लाभ के लिए मुसलमानों को गुमराह करते हैं। टीएमसी और हुमायूं कबीर के बीच तालमेल है। यह मुलिम वोट बैंक खींचने की राजनीति है।सीनियर भाजपा नेता अमित मालवीय ने एक्स पर लिखा- पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी आग से खेल रही हैं। ममता मुस्लिम भावनाओं का ध्रुवीकरण करने के लिए हुमायूं कबीर का इस्तेमाल कर रही हैं। बेलडांगा राज्य के संवेदनशील क्षेत्रों में से एक है। यहां झड़पों का एक लंबा और अशांत इतिहास रहा है। यहां अशांति फैली, तो राज्य की आंतरिक एकता और राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरा हो सकता है।

राष्ट्रीय शर्म की...

वर्तमान याचिका ऐसे ही पीड़ितों से संबंधित एक जनहित याचिका है। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि ऐसे मामलों को दिव्यांग अधिकार अधिनियम, 2016 के तहत मदिव्यांगताफ माना जाना चाहिए।मलिक ने ऐसी पीड़िताओं का जिक्र किया, जिन्हें एसिड पिलाया गया है। गंभीर दिव्यांगता की शिकार वे कृत्रिम फीडिंग ट्यूब के सहारे जीवित हैं। सीजेआई ने कहा कि एसिड फेंकने का तो सुना था। एसिड पिलाने के मामले नहीं देखे। अपराध की गंभीरता और असर देखते हुए, ट्रायल विशेष कोर्ट में होना चाहिए। ऐसे आरोपियों से कोई सहानुभूति नहीं होनी चाहिए।राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के मुताबिक विभिन्न अदालतों में एसिड अटैक से जुड़े 844 केस लंबित हैं। 2025 में जारी रिपोर्ट में ये आंकड़े वर्ष 2023 तक के हैं। एनसीआरबी के मुताबिक देश में 2021 के बाद से एसिड अटैक के मामले लगातार बढ़े हैं। फ्लोरिडा इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी की 2024 की रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में एसिड अटैक के सालाना 250 से 300 केस दर्ज होते हैं। असल संख्या 1,000 से अधिक हो सकती है। कई मामले डर, सामाजिक दबाव और कानूनी झंझटों के कारण रिपोर्ट नहीं किए जाते।

चंद्रमा और गुरु के प्रभाव से निम्न राशियों को मिलेगी जीवन में सुख, समृद्धि

चंद्रमा और देव गुरु बृहस्पति की युति मिथुन राशि में होने जा रही है। 7 दिसंबर 2025, रविवार के दिन यह दोनों ग्रह मिलकर बेहद शक्तिशाली गजकेसरी राजयोग बना रहे हैं। गजकेसरी योग से व्यक्ति को जीवन में राजसी सुख प्राप्त होता है। चंद्रमा और गुरु के प्रभाव से जीवन में सुख, समृद्धि और करियर में तरक्की मिलती है। गजकेसरी योग सभी राशियों पर कुछ न कुछ प्रभाव डालेगा। इससे कई राशियों को धन-संपत्ति प्राप्त होगी और समाज में मान-सम्मान मिलेगा।

मेष –मेष राशि वालों के कार्यक्षेत्र में कुछ परिवर्तन हो सकते हैं। ये परिवर्तन आपके पक्ष में रहेंगे। आज का दिन परोपकार में व्यतीत होगा। कार्यक्षेत्र का माहौल सामान्य बना रहेगा। सहयोगियों का पूरा समर्थन मिलेगा। पत्नी के स्वास्थ्य पर थोड़ा ध्यान देना होगा। रात में पत्नी का स्वास्थ्य खराब होने के कारण कुछ परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

वृष –आज का दिन पारिवारिक जनों के साथ सुखद बीतेगा। भाग्य का साथ मिलेगा और दोपहर तक हर्ष वर्धक शुभ समाचार भी मिल सकता है। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहने की आवश्यकता है। सायंकाल के समय चिर प्रतीक्षित अतिथि के आगमन से आपका मन प्रसन्न होगा। रात्रि में किसी मांगलिक कार्य में सम्मिलित होने का मौका मिलेगा। इससे आपका सम्मान भी बढ़ेगा।

मिथुन –मिथुन राशि के जातकों को आज किसी बहुमूल्य वस्तु की प्राप्ति हो सकती है। पिता के आशीर्वाद और उच्चाधिकारियों की कृपा से संपत्ति की प्राप्ति की अभिलाषा आज पूरी होगी। काम-काज में व्यस्तता अधिक रहेगी। आज व्यर्थ के खर्चों से बचें। शाम से लेकर रात तक तेज चलने वाले वाहनों का प्रयोग करते समय सावधानी बरतें। प्रिय लोगों के दर्शन से मनोबल बढ़ेगा। पत्नी पक्ष से भी आपको समर्थन मिलेगा।

कर्क –राशि स्वामी की उत्तम स्थिति एवं राशि पर बृहस्पति का मिथुन में होकर परिभ्रमण अकस्मात बड़ी मात्रा में धन की प्राप्ति कराएगा। इससे आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। इस दौरान व्यावसायिक योजनाओं को गति मिलेगी। आपके मान-सम्मान और प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। जल्दबाजी में लिया गया निर्णय आगे चलकर पश्चाताप का कारण बन सकता है। शाम के समय देव दर्शन का लाभ मिलेगा।

सिंह –सिंह राशि के जातकों को राजनीतिक क्षेत्र में अप्रत्याशित रूप से सफलता मिलेगी। संतान के प्रति दायित्व भी आज के दिन पूरे होंगे। प्रतिस्पर्धा के क्षेत्र में आगे बढ़ेंगे। लंबे समय से रुका हुआ कार्य भी आज सम्पन्न होगा। स्वास्थ्य को लेकर थोड़ा सतर्क रहना होगा। आज के दिन पाचन या आंखों से संबंधित कोई परेशानी हो सकती है। सायंकाल से लेकर रात्रि का समय प्रियजनों के साथ हास्य परिहास में बीतेगा। इस दौरान आपको खान-पान का विशेष ध्यान रखना होगा।

कन्या –कन्या राशि के जातक अगर आज अपने काम में तत्परता दिखाएंगे, तो आपको उससे अच्छा मुनाफा मिलेगा। इस दौरान परिवार के लोगों का भी साथ मिलेगा। परिवार में किसी मंगल कार्य के आयोजन से खुशी मिलेगी। रचनात्मक कार्यों में मन लगेगा। विपरीत परिस्थिति उत्पन्न होने पर आपको क्रोध पर काबू रखना होगा। घर-परिवार में चल रही किसी समस्या का हम निकलेगा। राजकीय मदद भी मिलती हुई दिख रही है। सूर्यास्त के समय अचानक लाभ के योग बनेंगे।

तुला –आज शिक्षा व प्रतियोगिता के क्षेत्र में विशेष उपलब्धि मिलने के योग बन रहे हैं। इस दौरान भाग्य का साथ मिलेगा और आय के नये स्रोत बनेंगे। प्रभावशाली ढंग से बोलने की आपकी कला आपको विशेष सम्मान दिलाएगी। भागदौड़ अधिक रहने के कारण मौसम का विपरीत प्रभाव स्वास्थ्य पर पड़ सकता है। ऐसे में आपको सावधान रहना होगा। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य पर्याप्त मात्रा में मिलेगा। यात्रा आपके लिए सुखद अनुभव लेकर आएगी।

वृश्चिक –आज आपका आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। ऐसे में धन, सम्मान, यश, कीर्ति की वृद्धि होगी। रुका हुआ कार्य सिद्ध होता दिख रहा है। प्रियजनों से लंबे समय बाद भेंट हो सकती है। हालांकि, आपको अपनी वाणी पर संयम रखना होगा। ऐसा न करने पर विपरीत परिस्थितियों का सामना करना पड़ सकता है। रात के समय सैर-सपाटे और मौज मस्ती का अवसर प्राप्त होगा।

धनु –आज के दिन घर की जरूरत की चीजों पर अधिक धन का खर्चा हो सकता है। सांसारिक सुख भोग के साधनों में वृद्धि होगी। कार्यक्षेत्र में कर्मचारी या किसी करीबी के कारण तनाव बढ़ सकता है। रुपये पैसे के लेन-देन में सावधानी बरतें। धन के फंसने के योग दिख रहे हैं। दिन के समय कोर्ट कचहरी के चक्कर काटने पड़ सकते हैं। हालांकि, अंत में आपकी ही विजय होगी। आपके विरूद्ध किए जा रहे षड़यंत्र विफल हो जाएंगे।

मकर –आज व्यावसायिक क्षेत्र में मन के अनुकूल लाभ मिलेगा। आर्थिक स्थिति पहले की तुलना में अधिक बेहतर होगी। व्यवसाय परिवर्तन की योजना भी बन सकती है। प्रतियोगी परीक्षा में सफलता और पारिवारिक उत्तरदायित्व पूर्ण होंगे। सायंकाल में धार्मिक स्थानों की यात्रा का प्लान बनकर स्थगित हो जाएगा। इस दौरान वाहन का प्रयोग करते समय सावधानी बरतें। अचानक वाहन के खराब हो जाने से खर्च बढ़ सकता है।

कुंभ –राशि स्वामी शनि की मध्यम स्थिति के कारण पत्नी को अकस्मात् शरीर कष्ट हो सकता है। इस कारण आपको भागदौड़ करनी पड़ेगी और खर्चे भी अधिक होंगे। किसी संपत्ति को खरीदते या बेचते समय सतर्क रहें और उसके सभी संवैधानिक पहलुओं पर गंभीरता से विचार कर लें। सायंकाल के समय पत्नी के स्वास्थ्य में सुधार होगा। हालांकि, पूरी तरह से ठीक होने में थोड़ा समय लगेगा।

मीन – मीन राशि के जातकों का वैवाहिक जीवन आनन्द दायक बीतेगा। आज पास व दूर की यात्रा पर जाना पड़ सकता है। बिजनेस में मिल रही सफलता से आपको काफी खुशी होगी। इस दौरान विद्यार्थियों को मानसिक भार से छुटकारा मिलेगा। सायंकाल के समय घूमने फिरने के दौरान कोई महत्वपूर्ण जानकारी मिल सकती है। इस दौरान आपका दिमाग रिलेक्स रहेगा। माता-पिता की सलाह-आशीर्वाद आपके लिए उपयोगी सिद्ध होगी।

अवनति-उन्नति के लिए इस आकार-प्रकार के भूखण्ड होते हैं जिम्मेदार

अब तक आपने वर्गाकार भूखण्ड, आयताकार भूखण्ड, गोलाकार भूखण्ड, त्रिकोणाकार भूखण्ड, चक्राकार भूखण्ड, शकटाकार भूखण्ड, पंखाकार भूखण्ड, तबलाकार भूखण्ड, शूर्पाकार भूखण्ड, गोमुखाकार भूखण्ड, सिंहमुखाकार भूखण्ड, टी आकार का भूखण्ड, षट्कोणाकार भूखण्ड, अष्टकोणाकार भूखण्ड के बारे में जाना है, आइए आज कुछ विशेष आकृति लिए भूखण्ड के बारे में विस्तार से जानते हैं।

धनुषाकार भूखण्ड– वास्तु शास्त्र के अनुसार जो भूखण्ड धनुष के आकार का हो, उस पर निवास नहीं करना चाहिए। ऐसा भूखण्ड अशुभ प्रभाव डालता है, शत्रु भय वृद्धि करने वाला धनुषाकार भूखण्ड कष्टकारी माना जाता है।

अद्धचन्द्राकार भूखण्ड– आधे चन्द्रमा अथवा अर्धवृत्त के समान आकार वाले भूखण्ड पर निवास करने से चोरी, डकैती जैसी घटनाओं से परेशानी का संकट बना रहता है।

विषम बाहु भूखण्ड– जो भूखण्ड एक ओर से अनियमित या टेढ़ी-मेढ़ी भुजा वाला हो, ऐसा भूखण्ड विषम बाहु भूखण्ड की श्रेणी में आता है। विषम बाहु भूखण्ड पर भवन निर्माण कर रहने पर भूस्वामी सहित परिजनों का चित्त अशांत, बीमारी एवं आर्थिक संकट की स्थिति की सम्भावनाएं होने के कारण ऐसी भूमि त्याज्य है।

चतुष्कोणाकार भूखण्ड– जो भूखण्ड आमने-सामने से बराबर कोणों वाला होकर गणित के पैरलैलोग्राम जैसा दिखाई पड़े, उसे चतुष्कोणाकार भूखण्ड कहते हैं। इस भूखण्ड पर घर बनाकर निवास करना शुभ फलदायी रहता है।

अण्डाकार भूखण्ड– अंडे के समान दिखने वाला भूखण्ड अण्डाकार भूखण्ड कहालता है, गोल न होने के कारण यह भूखण्ड अशुभ फलदायी माना गया है। इस प्रकार के आकार वाले भूखण्ड को खरीदना नहीं चाहिए। यह सर्वथा त्याज्य भूखण्ड की श्रेणी में आता है।

काकमुखाकार भूखण्ड– आगे से संकुचित तथा पीछे से चौड़ा भूखण्ड काकमुखाकार भूखण्ड होता है। इस प्रकार का भूखण्ड शुभ फलदायी माना गया है। भूस्वामी को सुख-संपत्ति, ऐश्वर्य देने वाला काकमुखाकार भूखण्ड रहता है।

कुम्भाकार भूखण्ड– घड़े की आकृति अर्थात् कुम्भ कलश की आकृति लिए हुए भूखण्ड कुम्भाकार भूखण्ड माना जाता है, इस प्रकार की भूमि आधे घड़े की तरह होती है। यह भूखण्ड भूस्वामी के लिए अशुभ रहता है। यहां निवास करने से रोग, कष्ट, क्लेश की संभावनाएं अधिक होती हैं।

चिमटाकार भूखण्ड– जो भूखण्ड एक तरह से लम्बा तथा दूसरी तरह से छोटा यानी चिमटे के जैसे आकार का होता है, उसे चिमटाकार भूखण्ड कहा जाता है, जो कि निवास के लिए अशुभ रहता है।

मूसलाकार भूखण्ड– जिस भूखण्ड की आकृति एक तरफ से गोल तथा आगे चलकर लम्बा हो जाए, उसे मूसलाकार भूखण्ड कहते हैं। इसे अत्यन्त अशुभ की श्रेणी में रखा गया है, क्योंकि यहां निवास करने पर दुःख, परेशानी, बीमारी अधिक झेलनी पड़ती है।

नाखूनों पर मौजूद ये निशान जीवन में दिलाते हैं धन और सम्मान, जानें नाखून के निशानों का रहस्य

हर व्यक्ति के हाथों, उंगलियों और नाखूनों की बनावट अलग होती है। सामुद्रिक शास्त्र और हस्तरेखा विज्ञान में इनकी बनावट, साइज और नाखूनों पर मौजूद निशान के बारे में बहुत कुछ बताया गया है। कई बार हमारे नाखून पर सफेद, काले धब्बे या लाइन्स दिखाई देती हैं। हस्तरेखा विज्ञान के अनुसार ये निशान यूं ही मौजूद नहीं होते हैं बल्कि हमारे भाग्य और स्वभाव के बारे में बहुत कुछ बताते हैं। ऐसे में अगर आपके नाखूनों पर भी कोई निशान है तो आइए जानते हैं कि ये क्या-क्या संकेत देते हैं।

नाखूनों पर काले धब्बे

हस्तरेखा विज्ञान के अनुसार, नाखूनों पर अगर काले रंग के धब्बे मौजूद हों तो ऐसे में जातक को सतर्क हो जाना चाहिए। क्योंकि इसे जीवन में दुख आने का संकेत भी माना जाता है। नाखूनों पर मौजूद धब्बे समय-समय पर दिखाई देते हैं। ऐसे में अगर आपको अचानक काले धब्बे नजर आएं तो स्वास्थ्य पर का भी विशेष ख्याल रखना चाहिए। क्योंकि यह धब्बे किसी रोग के होने का संकेत भी हो सकते हैं।

हर नाखून पर काले निशान का क्या है अर्थ

अगर अंगूठे पर काला निशान हो तो इसे आने वाले समय में कोई बड़ा संकट आने का संकेत माना जाता है। वहीं, तर्जनी उंगली पर काला धब्बा हो तो यह आर्थिक हानि का संकेत हो सकता है। मध्यमा उंगली के नाखून पर काले धब्बे का अर्थ परिवार से जुड़ी कोई विपरीत खबर मिलने का संकेत माना गया है। अनामिका उंगली पर काला धब्बा हो तो समाज में सम्मान कम होने की आशंका रहती है। कनिष्ठा उंगली के नाखून पर काला निशान सफलता में बाधा का संकेत हो सकता है।

नाखूनों पर सफेद धब्बे

हर उंगली के नाखून पर मौजूद सफेद धब्बे का अर्थ अलग-अलग होता है। हस्तरेखा विज्ञान के अनुसार, अगर सफेद धब्बा अंगूठे पर हो तो ऐसे लोग बातचीत करने में अच्छे होते हैं और इसे प्रेम का सूचक भी माना गया है। तर्जनी उंगली पर सफेद निशान आमदनी में वृद्धि का संकेत होता है। मध्यमा उंगली पर हो तो यात्रा का योग बनता है। अनामिका उंगली पर सफेद निशान मान-सम्मान बढ़ने, धन और यश का संकेत है। कनिष्ठा उंगली पर सफेद धब्बा व्यापार में उन्नति मिलने का संकेत माना जाता है। हस्तरेखा विज्ञान के अनुसार, नाखूनों पर मौजूद निशान स्वास्थ्य के बारे में भी बताते हैं। अगर अचानक नाखून पर सफेद धब्बे नजर आने लगे तो इसका अर्थ हो सकता है कि आपको कोई शारीरिक समस्या परेशान कर सकती है।

नाखूनों की जड़ों में आधे चांद का निशान

अगर किसी व्यक्ति के नाखूनों की जड़ों में आधे चांद का निशान हो तो इसे अच्छा माना जाता है। हस्तरेखा विज्ञान के अनुसार, अर्धचंद्र का निशान प्रगति का सूचक होते हैं। ऐसा चिन्ह होने का अर्थ है कि आपको जीवन में उन्नति प्राप्त हो सकती है। नौकरी में भी कोई बड़ी सफलता मिल सकती है। नाखूनों पर मौजूद आधे चांद का निशान अच्छे भाग्य को दर्शाता है। लेकिन अगर नाखूनों पर आधे चांद का निशान अत्यधिक बड़ा हो यानी जो आधे नाखून को घेर रहा हो तो इसे शुभ संकेत नहीं माना जाता है। ऐसे में जातक को जीवन में समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।

आंखों में छिपा है जीवन का रहस्य, ग्रहों के माध्यम से जानें नेत्र से व्यक्तित्व

'ज्योतिषं वेदानां चक्षु', ज्योतिष वेदों का नेत्र है और नेत्र मानव शरीर का एक ऐसा अंग है, जिसके बिना मनुष्य का जीवन ही व्यर्थ हो जाता है। फलतः ज्योतिष और नेत्र दोनों का अन्योन्याश्रित संबंध है। जिस प्रकार जन्मांग देखकर प्रत्येक अंग की गणना की जा सकती है, उसी प्रकार नेत्र अथवा शरीर के किसी अंग को देखकर व्यक्तित्व में अंतर्निहित भविष्य को भी जाना जा सकता है। नेत्र हृदय का प्रवेश द्वार है, इनसे प्रेम भाव, चरित्र, कला, कुशलता, मनोभाव, आतंरिक शक्तियों का बोध होता है। ज्योतिष न जानने वाला भी व्यक्ति नेत्रों के लक्षण के आधार पर किसी व्यक्ति के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकता है। नेत्रों से संबंधित कुछ लक्षण शास्त्रों में इस प्रकार बताये गये हैं।

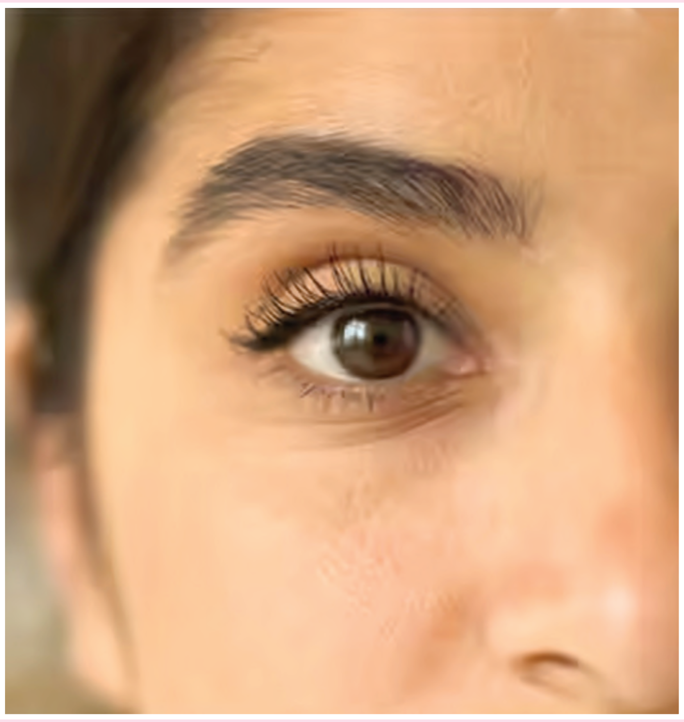

जो स्त्रियां नीचे की ओर नेत्र कर चलती हैं तथा जो पुरुष ऊपर की ओर नेत्र करके चलते हैं वे प्रायः अंतर्मुखी होते हैं।

जहां बड़ी आखें अच्छे इंसान की द्योतक हैं, वहीं छोटी, संकुचित आंखों पर शनि ग्रह का प्रभाव माना गया है। जानकारों के अनुसार वे गहन विचार वाले तो हो सकते हैं परंतु शंकालु, अविश्वासी, आलसी और कंजूस होने से कोई रोक नहीं सकता।

सुंदर, श्वेत तथा बड़ी आंखें अंदर के व्यक्तित्व का अहसास कराती हैं।

आंखे चुराने वाला संदिग्ध का प्रतीक होता है।

अंदर धंसी हुई आंखे, अव्यवस्थित चित्त, बाघ जैसी आंखे प्रभावी व्यक्तित्व, भेड़ जैसी आंखे अव्यवस्थित होने का संकेत देती हैं।

घोड़े वाली आंखे स्त्रियों के लिए रोगकारक, सर्प की आंख उद्दंडता का संकेत देती हैं।

बंदर, बिल्ली, भालू, इस रंग की आंखे क्रमशः अस्थिरता, रहस्यमय एवं निर्दयता का सूचक हैं।

मुर्गे जैसी आंखे साहस, मछली जैसी आंखे अस्थिरता तथा आलस्यपन, काली आंखे उदारता तथा नीले रंग की आंखे बुद्धिमत्ता तथा विचारवान होने का संकेत देती हैं।

जिन आंखों का कोना नीचे दबा हुआ हो वे निरुत्साही जीवन तथा उदासीनता का प्रतीक हैं।

ग्रह और नेत्र – वस्तुतः सूर्य, मंगल और शनि के अशुभ प्रभाव से व्यक्ति नेत्रहीन हो सकता है, वहीं सूर्य एवं मंगल के अशुभ प्रभावों से दर्शनीयता कम होती है। गुरु के प्रभाव से आंखे अच्छी तथा अशुभ प्रभाव से आंखों का तेज कम होता है। शनि किसी भी व्यक्ति के नेत्रों को गहरा तथा व्यक्तित्व को उदास, एकान्तप्रिय बनाता है। सूर्य व्यक्ति की आंखे बादाम की आकार की देता है। ये आंखे उसके प्रभावशाली व्यक्तित्व का बोध कराती हैं। बुध आंखों को आकर्षक बनाता है। अनेक प्रकार के व्यक्तित्वों को जन्म देता है। मंगल से प्रभावित व्यक्ति की आंखे काली या भूरे रंग की होती हैं। मंगल के अशुभ प्रभाव से ग्रस्त व्यक्ति की आंखे हमेशा लाल रहती हैं। शुक्र प्रधान व्यक्ति की आंखे उसे व्यक्तित्व प्रदान करती हैं।

बेहद भाग्यशाली होते हैं दिसंबर में पैदा हुए लोग, खासियत जानकर लुटाने लगेंगे प्यार

साल 2025 का आखिरी महीना शुरु हो चुका है। ऐसे में आज हम आपको दिसंबर में जन्मे बच्चों की खासियत के बारे में बताने जा रहे हैं। दिसंबर में पैदा होने वाले लोग धनु या मकर राशि वाले होते हैं और ये मानसिक रूप से बेहद ही मजबूत होते हैं। 22 नवंबर से 21 दिसंबर के बीच जन्मे लोग धनु राशि के होते हैं। दिसंबर में पैदा होने वाले धनु राशि के लोग आशावादी, स्वतंत्र और साहसी माने जाते है। वहीं, 22 दिसंबर से 19 जनवरी के बीच जन्मे मकर राशि के जातक में अनोखी विशेषताएं होती हैं। ये लोग अपनी व्यावहारिकता, ज़िम्मेदारी और दृढ़ संकल्प के लिए जाने जाते हैं। ये जीवन के सभी क्षेत्रों में सफलता के लिए लगातार प्रयास करते हैं।

दिसंबर में पैदा लोगों का भाग्य कैसा होता है?

ज्योतिष के अनुसार दिसंबर में जन्म लेने वाले लोग बेहद ईमानदार, दिल के साफ और भाग्यशाली माने जाते हैं। इनके व्यक्तित्व में एक रहस्यमयी आकर्षण भी देखने को मिलता है। इसके चलते कई बार इन्हें समझना थोड़ा कठिन हो जाता है। इन लोगों की सबसे बड़ी खूबी उनकी समझदारी होती है। ये किसी भी स्थिति को देखकर ही अपनी बात कहते हैं।

दिसंबर में पैदा लोगों का स्वभाव कैसा होता है?

दिसंबर में जन्म लेने वाले बच्चे विनम्र स्वभाव के होते है। ये अपनी गलती स्वीकार भी करते हैं और उसे सुधारने की कोशिश भी करते हैं। दिसंबर में पैदा होने वाले धनु और मकर राशि के लोग सिर्फ बड़ों का ही आदर-सम्मान नहीं करते बल्कि छोटों पर भी प्यार बरसाते हैं। घर आए मेहमान का सम्मान करना इनके स्वभाव का हिस्सा होता है।

वादा निभाने में आगे होते हैं दिसंबर में पैदा हुए लोग

दिसंबर में जन्म लेने वाले बच्चे बेहद संस्कारी होते हैं और परिवार को हमेशा प्राथमिकता देते हैं। अपनी बात पर कायम रहना इनकी एक और बड़ी खासियत है। ये लोग वादा निभाने वाले होते हैं और एक बार किसी बात के लिए प्रतिबद्ध हो जाएं तो उससे पीछे नहीं हटते।

निष्पक्ष सोच वाले होते हैं दिसंबर में पैदा लोग

दिसंबर में जन्मे लोग निष्पक्ष सोच वाले होते हैं। ये लोग सच्चाई के साथ चलते हैं और बिना किसी भेदभाव के अपनी बात रखते हैं। धनु का प्रभाव इन्हें उत्साही, साहसी बनाता है, जबकि मकर का प्रभाव इन्हें अनुशासित, जिम्मेदार और अपने लक्ष्य के प्रति गंभीर बनाता है।

दिसंबर में पैदा लोगों का व्यक्तित्व कैसा होता है?

दिसंबर में जन्म लेने वाले लोग दिल के अच्छे, ईमानदार और प्रभावशाली व्यक्तित्व के मालिक होते हैं। जीवन की हर चुनौती का सामना ये सकारात्मक ऊर्जा और दृढ़ संकल्प के साथ करते हैं। इनके आसपास रहना हमेशा सुखद, प्रेरणादायक और भरोसे से भरा होता है।

कार्तिक आर्यन ने शेयर की बहन की शादी की अनदेखी तस्वीर, कीकी के लिए बोले, तुम पर गर्व है

अभिनेता कार्तिक आर्यन की बहन कृतिका शादी के बंधन में बंध चुकी हैं। बीते कुछ दिनों से शादी की रस्मों की तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल थे। शनिवार को अभिनेता ने इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं, जिसमें हर कोई शादी के रंग में रंगा नजर आ रहा है। अभिनेता ने बहन के लिए भावुक नोट लिखा, समय धीरे-धीरे हमारी जिंदगी को बदल देता है। आज का दिन भी कुछ ऐसा ही था। अपनी 'कीकी' को दुल्हन बनते देखकर लग रहा है, जैसे कई साल एक ही पल में सिमट गए। उन्होंने लिखा, कीकी, मैंने तुम्हें एक छोटी बच्ची की तरह बढ़ते हुए देखा है, जो हर जगह मेरे पीछे-पीछे घूमती थी। आज तुम एक खूबसूरत, मजबूत और खुश दुल्हन बनकर अपनी नई जिंदगी की ओर बढ़ रही हो।

अभिनेता ने लिखा, कीकी, तुम जैसी हो, मुझे तुम पर गर्व है। बचपन की हमारी हंसी, लड़ाइयां, राज और हर याद के लिए मैं दिल से शुक्रगुजार हूं। उन्होंने यह भी लिखा, आज जब तुम आगे चल रही थी, तो मेरा दिल तुम्हारे साथ ही था। अब तुम भले ही एक नए जीवन में आगे बढ़ रही हो, लेकिन मेरे लिए तुम हमेशा छोटी बहन ही रहोगी और मुझे सबसे ज्यादा खुशी इस बात की है कि तुम इतने सच्चे, अनमोल और केयरिंग इंसान के साथ हो। कृतिका अभिनेता कार्तिक से छोटी हैं। दोनों अक्सर सोशल मीडिया के जरिए अपना बॉन्ड शेयर करते रहते हैं।

अभिनेता कार्तिक आर्यन एक्ट्रेस अनन्या पांडे के साथ जल्द ही 'तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी' में दिखाई देंगे। यह फिल्म 25 दिसंबर को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। फिल्म पहले 31 दिसंबर को रिलीज होने वाली थी। लेकिन, मेकर्स ने रिलीज डेट में बदलाव किया है। समीर विद्वांस द्वारा निर्देशित फिल्म धर्मा प्रोडक्शन और नमः पिक्चर्स के बैनर तले रिलीज की जाएगी। इस फिल्म में नीना गुप्ता और जैकी श्रॉफ भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।

मेरा सफर, चुनौतीपूर्ण होने के साथ-साथ संतुष्टिपूर्ण भी है - नुसरत भरुचा

साल हाल ही में अपने एक इंटरव्यू के दौरान नुसरत भरुचा ने 'छोरी 2' के सफ़र पर की दिल छू लेने वाली बात कहते हुए बताया कि एक लड़की के लिए अपना फ्रेंचाइज़ी बनाना आसान नहीं होता, लेकिन उन्होंने इसे आखिरकार कर ही दिखाया। इसमें दो राय नहीं है कि नुसरत भरुचा ने एक ऐसे दौर में अपनी अलग जगह बनाई है, जहाँ महिला-प्रधान फिल्म फ्रेंचाइज़ी बहुत कम देखने को मिलती हैं। 'छोरी' के बाद 'छोरी 2' के सफल प्रदर्शन के बाद नुसरत अब हॉरर यूनिवर्स के अगले चरण यानी 'छोरी 3' के लिए पूरी तरह तैयार हैं। हालांकि वे इसे एक ऐसी उपलब्धि मानती हैं, जो चुनौतीपूर्ण होने के साथ-साथ बेहद संतोषजनक भी है। अपने फ़िल्मी सफ़र पर बात करते हुए नुसरत ने कहा, छोरी 1 और 2 मेरे लिए बहुत मायने रखते हैं। अब हम एक और भाग शुरू कर रहे हैं, और सच कहूँ तो एक लड़की के लिए अपनी खुद की फ्रेंचाइज़ी बनाना वाकई बहुत मुश्किल होता है। हालांकि मैं खुद को बहुत भाग्यशाली मानती हूँ कि इसमें मेरे प्रोड्यूसर, मेरे डायरेक्टर और हर को-एक्टर ने मेरा भरपूर साथ दिया। सच, मैं ये उस लड़की की तरह कह रही हूँ, जिसे लगता था कि वो सिर्फ़ एक रोम-कॉम एक्ट्रेस बनकर ही रह जाएगी। सो छोरी की तरफ़ से ये आप सबके लिए है। नुसरत के लिए छोरी सिर्फ़ एक फिल्म नहीं, बल्कि एक व्यक्तिगत विकास की यात्रा है। हल्की-फुल्की रोमांटिक फिल्मों से पहचान बनाने वाली नुसरत मानती हैं कि वह हमेशा खुद को रोम-कॉम एक्ट्रेस ही समझती थीं, लेकिन छोरी ने उन्हें एक नए क्रिएटिव ज़ोन में पहुँचाया, जहाँ डर, गहराई, संवेदनशीलता और सामाजिक संदेश एक साथ जुड़ते हैं। फिलहाल 'छोरी 3' के साथ वे इसके अगले अध्याय में कदम रखने जा रही हैं। साथ ही अपनी इस सफलता को वे हर उस लड़की को समर्पित करती हैं जो अपनी राह नए सिरे से तय कर रही है, जो ये साबित करती है कि हिम्मत और विश्वास से कोई कुछ भी हासिल किया जा सकता है, फिर वो चाहे कितना भी असम्भव क्यों न लग रहा हो।

बॉलीवुड के दो अनमोल सितारों को याद करने का भावुक दिन, बीना राय और अभिनेता राम मोहन की पुण्यतिथि

भारतीय फिल्म इंडस्ट्री के चहेतों के लिए 6 दिसंबर का दिन बेहद भावुक दिन है। एक ही तारीख पर दो अनमोल सितारों ने दुनिया को अलविदा कह दिया था, जिनमें सदी की खूबसूरत अभिनेत्री बीना राय और 'नदिया के पार' वाले 'चाचा' फेम अभिनेता राम मोहन शामिल हैं। राम मोहन हो या बीना राय दोनों ने अलग-अलग दौर में सिनेमा को अपना खास रंग दिया, जिसे आज भी याद किया जाता है। बीना राय और राम मोहन की 6 दिसंबर को पुण्यतिथि है। बीना राय 'अनारकली' थीं, जो अपने अभिनय से ब्लैक एंड व्हाइट के दौर में भी दर्शकों को बांधे रखती थीं। 4 जून 1931 को लाहौर में जन्मीं कृष्णा सरीन यानी बीना राय का बचपन बंटवारे की त्रासदी के बीच कानपुर और लखनऊ में बीता। आईटी कॉलेज, लखनऊ में पढ़ते हुए वह नाटकों में हिस्सा लेती थीं और यहीं से एक्टिंग की नींव भी पड़ी।

उनकी रूचि एक्टिंग में करियर बनाने की इतनी बढ़ गई कि विरोध कर रहे परिवार को मनाने के लिए भूख हड़ताल तक कर दी। आखिर माता-पिता को उनकी बात माननी ही पड़ी। मुंबई आईं और 1951 में किशोर साहू की 'काली घटा' से पहला ब्रेक मिला। किशोर साहू से उन्हें नाम मिला बीना राय... फिल्म भले फ्लॉप रही, लेकिन उनकी खूबसूरती ने सबको दीवाना बना दिया। बीना राय को असली पहचान मिली साल 1953 में आई फिल्म 'अनारकली' से, जहां प्रदीप कुमार के साथ उनकी जोड़ी को दर्शकों ने खूब पसंद किया और फिल्म बॉक्स ऑफिस पर खासा पसंद की गई। इसके बाद उन्होंने फिल्म जगत को 'घूंघट', 'ताजमहल', 'दादी मां' समेत कई एक से बढ़कर एक फिल्में दीं और ज्यादातर सफल रहीं।

बीना राय ने अभिनेता प्रेम नाथ से शादी की थी। उनके दो बेटे प्रेम किशन और कैलाश नाथ हैं। साल 2009 में उन्होंने दुनिया को अलविदा कह दिया था। बीना राय का कपूर फैमिली से भी खास रिश्ता था। प्रेमनाथ की बहन की शादी अभिनेता और फिल्म निर्माता राज कपूर से हुई थी।वहीं, 'नदिया के पार' वाले चाचा, जिन्होंने 100 से ज्यादा फिल्मों में शानदार काम किया। हर किरदार में वह पसंद किए जाते थे। राम मोहन को कभी लीड रोल नहीं मिला, पर वह सहायक और चरित्र अभिनेता के रूप में छा गए। 'जग्गू' की सफलता के बाद रास्ते खुल गए। 'जंजीर', 'शान', 'अंगूर', 'रंगीला', 'कोयला' जैसी फिल्मों में उन्होंने अपने किरदार को शिद्दत से निभाया। वह कभी खलनायक, तो कभी पिता-चाचा, दोस्त हर किरदार में रम जाते थे। लेकिन सबसे ज्यादा प्यार मिला 1982 की सुपरहिट फिल्म 'नदिया के पार' में 'चाचा जी' के रोल से। टीवी पर भी 'महाभारत' और 'मिर्जा गालिब' जैसे धारावाहिकों में उनकी मौजूदगी यादगार रही। लंबे और शानदार करियर के बाद 6 दिसंबर 2015 को वह हमेशा के लिए दुनिया को अलविदा कह गए।

प्रियंका चोपड़ा ने जाह्नवी कपूर के महिला-विमर्श और समानता वाले संदेश को दिया मज़बूत समर्थन

प्रियंका चोपड़ा ने हाल ही में 'वी द विमेन' मंच से जाह्नवी कपूर का प्रभावशाली वीडियो शेयर कर उनके विचारों को खुलकर सराहा। इंस्टाग्राम स्टोरी पर इस क्लिप को री-पोस्ट करते हुए प्रियंका ने लिखा, बातचीत से शुरुआत होती है, तो मैं भी शामिल होती हूँ। प्रीच उन्होंने जाह्नवी के बेबाक और सच्चे विचारों की जमकर तारीफ़ की। यह वीडियो बरखा दत्त के प्रमुख प्लेटफ़ॉर्म 'वी द विमेन' का है, जो देशभर की महिलाओं की आवाज़, उनकी पहचान, महत्वाकांक्षाओं और सशक्तिकरण से जुड़े मुद्दों पर खुलकर चर्चा करने के लिए जाना जाता है। क्लिप में जाह्नवी कपूर बेहद साफ़गोई से स्त्रीत्व, समाज की अपेक्षाओं और समानता के असली मायनों पर बात करती दिखाई देती हैं। वह बताती हैं कि महिलाओं के अनुभवों को समझना और स्वीकारना कितना ज़रूरी है, बजाय इसके कि समानता को सिर्फ़ एक सतही अवधारणा तक सीमित कर दिया जाए। पीले रंग के आकर्षक आउटफ़िट में नज़र आ रहीं जाह्नवी के स्पष्ट और आत्मविश्वास से भरे विचार दर्शकों के साथ गहराई से जुड़े और इन्हीं विचारों ने प्रियंका चोपड़ा को उन्हें अपने प्लेटफ़ॉर्म पर साझा करने के लिए प्रेरित किया।

बिग बॉस के घर से बाहर आने के बाद मालती चाहर ने बताया किसे सबसे ज्यादा मिस करेंगी

बिग बॉस 19 का ग्रैंड फिनाले नजदीक आ गया है। पूरे सीजन लड़ाई, दोस्ती और फिनाले पहुंचने तक बिग बॉस के घर में काफी कुछ देखने को मिला। बिग बॉस 19 के लेटेस्ट एपिसोड में 'मालती चाहर' टॉप 5 कंटेस्टेंट की लिस्ट से बाहर हो गई। मालती ने बताया, बिग बॉस देश के सबसे बड़ा प्लेटफॉर्म में एक है। मुझे पहले भी कई बार ऑफर आए थे, लेकिन लगातार झगड़ों से डर लगता था। इस बार मैंने सोचा कि सिर्फ झगड़े ही नहीं, अपनी क्रिएटिविटी भी दिखा सकती हूं। मैं राइटर-डायरेक्टर हूं, इसलिए घर में कविताएं लिखीं और सुनाईं। मकसद सिर्फ यही था कि लोग मुझे जानें और प्यार दें, जो मुझे भरपूर मिला। 'बिग बॉस' के घर से आने के बाद उन्होंने बातचीत की और शो के अंदर की कई अनकही बातें शेयर कीं। उन्होंने बताया कि इस शो के जरिए मेरा मकसद था कि लोगों के दिलों में पहचान बनाऊं और उनका प्यार हासिल करूं।

शुरुआत में आक्रामक दिखने के सवाल पर मालती ने कहा, शो में जाने से पहले मैं शो को बाहर से देखकर आई थी, जिस वजह से मैं कई चीजें पहले से ही जानती थी और लोगों से मेरी बहस भी हुई थी। फिर धीरे-धीरे रिश्ते बनने लगे, लोगों से जुड़ाव महसूस होने लगा।

उन्होंने आगे कहा, जब लोगों से जुड़ाव महसूस होता है, तो कभी-कभी किसी की बात बुरी लगती है, और आप इंसान हैं, तो बदलते हैं।

प्रणीत के साथ बॉन्डिंग पर मालती ने कहा, वह सिर्फ मेरा अच्छा दोस्त था। शो में जब मैं ठीक नहीं होती थी, तो वह मेरी मदद करता था, और मैं उसके लिए खाना बनाती थी। हम दोनों मजाक करते थे और अपनी बातें शेयर करते थे। हमारे बीच अच्छी दोस्ती थी; उससे आगे कुछ भी नहीं है।शो के दौरान कुनिका सदानंद ने मालती की सेक्सुएलिटी पर सवाल उठाए थे, और उन्हें 'लेस्बियन' कह दिया। हालांकि, बाद में मालती के भाई दीपक ने भी इस पर बात की थी। इस मुद्दे पर टिप्पणी करते हुए मालती ने कहा, मुझे लोगों की बातों का कुछ खास फर्क पड़ा नहीं था, लेकिन बार-बार माफी मांगने वाली बात झूठी लग रही थी। हां, मेरे परिवार को बहुत दुख हुआ। वे रातभर सो नहीं पाए थे। अगर मैं लेस्बियन होती तो खुलकर कहती, लेकिन मैं स्ट्रेट हूं।उन्होंने आगे तान्या और अपनी दोस्ती को लेकर कहा, मैंने उन्हें कभी दोस्त नहीं माना है। बस हमने साथ में एक-दूसरे के साथ अच्छा समय बिताया था।फाइनल में किसे देखना चाहेंगी? मालती ने कहा, कोई फेवरेट नहीं, पांचों बराबर हैं।

फिल्म मिसेज के लिए सान्या मल्होत्रा बनीं बेस्ट एक्ट्रेस

बॉलीवुड हंगामा ओटीटी इंडिया फेस्ट में मिला सम्मान

भारत हाल ही में बॉलीवुड हंगामा ओटीटी इंडिया फेस्ट और इंडिया एंटरटेनमेंट अवॉर्ड्स का आयोजन हुआ था। इस इवेंट में ओटीटी और फिल्म जगत के कुछ बड़े नामों को सम्मानित किया गया। इस दौरान अभिनेत्री सान्या मल्होत्रा ने फिल्म 'मिसेज' में बेस्ट एक्ट्रेस का खिताब जीता। इसकी खुशी जाहिर करते हुए अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर तस्वीरें पोस्ट कीं, जिनके साथ उन्होंने लिखा, गुरुवार की रात आपकी लड़की ने 'मिसेज' का खिताब जीत लिया। मैं आप सभी के प्यार की बहुत-बहुत आभारी हूं, जिसने हमारी फिल्मों पर प्यार बरसाया। फिल्म 'मिसेज' को इस तरह से अपनाने के लिए आप सभी का तहे दिल से धन्यवाद। सान्या की इस पोस्ट पर फैंस और सेलेब्रिटीज की बधाइयों की बौछार हो रही है। अभिनेता सिद्धांत चतुर्वेदी ने हार्ट इमोजी से प्रतिक्रिया दी। अभिनेत्री सान्या, जिन्होंने आमिर खान की फिल्म दंगल से अपने करियर की शुरुआत की थी। साल 2025 में रिलीज हुई उनकी फिल्म 'मिसेज' ने दर्शकों में गहरी छाप छोड़ी थी। इसने मनोरंजन करने के साथ-साथ एक गहरा संदेश भी दिया था। फिल्म की कहानी शादी करके ससुराल पहुंची महिला के रोजमर्रा की जिंदगी के इर्द-गिर्द घूमती है। फिल्म में दिखाया गया है कि ऋचा नाम की एक महिला अपने परिवार के साथ-साथ सपनों को भी पूरा करना चाहती है, लेकिन ससुराल में बने नियम-कानूनों के कारण वह सिर्फ घर के कामों में फंस जाती है। फिल्म के आखिर में वह इन बंधनों को तोड़कर अपने सपनों को पूरा करके जीवन की शुरुआत करती है। यह कहानी मलयालम फिल्म 'द ग्रेट इंडियन किचन' का हिंदी रीमेक है। फिल्म का निर्देशन आरती कड़व ने किया था और हरमन बवेजा, अनु सिंह चौधरी और खुद आरती ने इसका लेखन भी किया था। फिल्म में सान्या के अलावा, अवी ठकराल और निशांत दहिया मुख्य भूमिका में थे।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आप का दिन अपेक्षा से अधिक अच्छा हैं व्यापार में योजनाबद्ध तरीके से काम करेंगे। छोटे बच्चे अपने दोस्तों के साथ पार्क में खेलने जायेंगे। साथ ही वो छुट्टी का आनंद उठायेंगे। घर–परिवार का वातावरण शांतिदायक बना रहेगा। इस राशि के जिन लोगों का रेस्टुरेंट है, उनके धन में वृद्धि होने की संभावना है। उच्चाधिकारी आपसे प्रसन्न होंगे। करियर में आपको बड़ी सफलता हासिल होगी। साथ ही आपका सकारात्मक रवैय्या करियर में आपको बेहतरी दिलायेगा। भोजन हल्का ही लेवें स्वास्थ्य अनुकूल रहेगा ।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज के दिन मे परिवार का पूरा सहयोग मिलेगा मन हर्षित रहेगा। दाम्पत्य जीवन में आपसी सामंजस्य बेहतर रहेगा। सेहत के लिहाज से आप चुस्त–दुरूस्त बने रहेंगे। केमिस्ट्री स्टूडेंट्स के लिए दिन फायदेमंद रहने वाला है। आपको शिक्षकों का पूरा–पूरा सहयोग मिलेगा। साथ ही आई. टी से जुड़े स्टूडेंट्स को भी लाभ की प्राप्ति होगी। कुछ लोग आपसे प्रभावित होंगे। साथ ही वो आपसे जुड़ने की कोशिश भी करेंगे। बिजनेसमैन को बेहतर मौके मिलेंगे । शनिदेव को तिल्ली चढाए तेल का दीपक प्रज्वलित करें।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज आप कर्ज मुक्त होने की दिशा मे आगे बढेंगे करियर में आप को अपने सीनियर्स का सहयोग प्राप्त होगा। अपनी सेहत को बेहतर बनाये रखने के लिए आपको सुबह–शाम टहलना चाहिए। इससे आप ताजगी से परिपूर्ण रहेंगे। आप नकारात्मक सोच रखकर स्वयं को थोड़ा उदास रख सकते हैं। परिवार वालों के साथ किसी टूर का प्लान बनायेंगे। लेन–देन के मामलों में आपको सावधानी बरतने की जरुरत है। दिनभर की थकान के बाद शरीर मे सुस्ती रहेगी आलसीपन छाया रहेगा।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज सुबह माता–पिता के बातो को नजरअंदाज करना आप को भारी पडेगा । मित्रों से कुछ बेहतर सलाह मिलेगी। आपकी सेहत में उतार–चढ़ाव बना रहेगा। आपको किसी भी अनजान व्यक्ति पर भरोसा करने से बचना चाहिए। आप जरूरतमंद लोगों की तरफ मदद का हाथ बढ़ायेंगे। जो छात्र फैशन डिजायनिंग का कोर्स कर रहे हैं, उन्हें कुछ नया डिजाईन करने को मिल सकता है। दाम्पत्य संबंधों में मधुरता बढ़ेगी। गाय को गेहूँ का भूसा खिलाए।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

सुबह ही सूर्यनमस्कार करे मनोबल बढेगा आपके अंदर आत्मविश्वास की अधिकता रहेगी। साथ ही आपको तरक्की के कई अवसर भी मिलेंगे। परिवार के साथ धार्मिक यात्रा की योजना बनायेंगे। आपको व्यापार में मुनाफा होने की उम्मीद है। स्वास्थ्य पहले की अपेक्षा बेहतर रहेगा। कोई नया काम करने के लिए सोचेंगे। दाम्पत्य जीवन में सलाह–मशविरा से आगे बढ़ने मे मदद मिलेगी । जीवन में आपकी तरक्की सुनिश्चित होगी। शरीर स्वास्थ्य चुस्त दुरुस्त रहेगा।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज आप को मनोबल बढाकर रखना होगा आप का खुशनुमा व्यवहार घर में बहुत ही अच्छा माहौल बना देगा। नौकरीपेशा लोगों के लिए दिन फेवरेबल रहने वाला है। उन्हें काम से जुड़ी कोई खुशखबरी मिलेगी। सही योजना के तहत आप अपने करियर में बदलाव लाने में सफल होंगे। आप कार्यक्षेत्र में चुनौतियों का सामना करने में सक्षम रहेंगे। राजनीति से जुडे हुए लोगों को नये अवसर मिलेंगे।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

अपने कारोबार को बढाने के लिए तुलसी के पौधे को जल सींचे कन्या का सम्मान करें। ऑफिस के काम की गति अच्छी रहेगी, आप अपने सारे पेंडिंग वर्क निपटा लेंगे। जीवनसाथी को उनकी पसंद का कोई गिफ्ट देंगे। किसी वजह से दोस्तों के साथ घूमने का प्रोग्राम टल जायेगा। कोई जरूरी चीज आप कहीं रखकर भूल सकते हैं। आपको अपने सामान का खास ध्यान रखना चाहिए। आपको तली–भुनी चीजों को खाने से बचना चाहिए। सीनियर्स को कुछ उपहार देने से नजदीकी बढेगी पदोन्नति के अवसर मिलेंगे।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आप जीवनसाथी और बच्चों के साथ तीर्थ यात्रा का अवसर बनाए बच्चों को सुसंस्कार मिलेंगे जीवनसाथी । परिवार का माहौल भी खुशनुमा बन रहेगा। आपको कोई बड़ा ऑफर मिलने से धन लाभ होगा। आप कामकाज में बहुत बिजी हो सकते हैं। किसी खास काम के लिए परिवार के लोगों को आपसे उम्मीद होगा व्यर्थ खर्च से आपको बचना चाहिए।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज आप के सभी जरूरी काम पूरे होंगे दोपहर के बाद का समय सुकून भरा रहेगा। दोस्तों के साथ घूमने फिरने जाने से आपको ख़ुशी मिलेगी। धन से जुड़ी चिंताएं दूर हो जाएगी, साथ ही रुके हुए धन की प्राप्ति भी होगी। कार्यक्षमता के बल पर आपको आगे बढ़ने के कई मौके मिलेंगे। नींद पूरी होने के कारण आप बेहतर महसूस करेंगे। आप को इलेक्ट्रॉनिक क्षेत्र मे रोजगार के अवसर तलाशने चाहिए ।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज बच्चें परिवार मे कोई अच्छी खबर सुनाएंगे। जीवन में आगे बढ़ने के मौके मिलेंगे। ऐग्रिकल्चर का कामकाज अगर आप देख रहे है तो आय की आय मे बढ़ोतरी होने की संभावना है। आपको अपनी मेहनत के हिसाब से ही काम बढाना चाहिए । नए व्यापार के सिलसिले से की गई यात्रा फायदेमंद रहेगी। जीवनसाथी का सहयोग मिलने से आपका मन उत्साह से भरा रहेगा। पेट रोग से पीडा आप को रात्रि मे परेशान कर सकती हैं।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

घर–परिवार में किसी मांगलिक आयोजन की रूपरेखा बनेगी,छात्रों को टीचर्स का पूरा–पूरा सहयोग मिलेगा। कुछ दिनों से किसी विषय में आ रही समस्या आसानी से दूर हो जायेगी। सुबह के समय योग से ही दिन की शुरूआत करें । आपको व्यवसाय से जुड़े सुनहरे अवसर प्राप्त होंगे। सामाजिक स्तर पर आपकी लोकप्रियता बढ़ेगी। नौकरीपेशा लोगों को कामकाज में लाभ मिलेगा। कार्यस्थल पर आपका कामकाज बहुत शानदार रहेगा। पीपल के वृक्ष मे जल–दूध सींचे कार्य सिद्ध होंगे।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

अपने गुरु द्वारा मंत्र जप आप को जीवन मे तरक्की के रास्ते खोलेगा । साथ ही बडो की बेहतर सलाह मिलने से आपको पैसे कमाने का नया जरिया प्राप्त होगा। मित्रों के साथ किसी बात को लेकर थोड़ी बहस हो सकती है। शिक्षकों के लिए दिन बेहतर रहेगा। किसी काम में सफलता मिलेगी। आप खुद को ऊर्जा से भरा हुआ महसूस करेंगे। आपको जल्दबाजी में कोई फैसला करने से बचना चाहिए। आपकी सेहत दिनभर आप का साथ देंगी।

आज का पंचांग

दिनांक : 07 दिसंबर 2025 , रविवार
विक्रम संवत : 2082
मास : पोष ,कृष्ण पक्ष
तिथि : तृतीया रात्रि 06:27 तक
नक्षत्र : पुनर्वसु रात्रि 04:12 तक
योग : शुक्ल रात्रि 08:07 तक
करण : वणिज प्रातः 07:53 तक
चन्द्रराशि : मिथुन रात्रि 10:39 तक
सूर्योदय : 06:33, सूर्यास्त 05:41 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:29, सूर्यास्त 05:52 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:23, सूर्यास्त 05:44 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:23, सूर्यास्त 05:34 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चल : 07:30 से 09:00
लाभ : 09:00 से 10:30
अमृत : 10:30 से 12:00
शुभ : 01:30 से 03:00
राहुकाल : सायं 04:30 से 06:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : संकष्ट चतुर्थी व्रत चन्द्रोदय रात्रि 08:14 से ,
भद्रा प्रातः 07:51 से राष्ट्रीय 06:27

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

औषधि नियंत्रण आयुक्तालय की बड़ी कार्रवाई

नकली दवा विक्रेता फर्म से 3.73 करोड़ की दवा जब्त

जयपुर, 06 दिसंबर (एजेंसियां)। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग प्रदेश में नकली दवाओं के निर्माण एवं कारोबार पर निरंतर सख्त कार्रवाई कर रहा है। इसी कड़ी में खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण आयुक्तालय द्वारा शुक्रवार रात जयपुर स्थित एक फर्म पर कार्रवाई करते हुए 3 करोड़ 73 लाख रूपए की दवाएं जब्त की गईं। आयुक्त डॉ. टी शुभमंगला ने बताया कि जीके एंटरप्राइजेज, जयपुर पर कार्रवाई करते हुए लगभग 3.73 करोड़ रूपए की दवाइयों को जब्त किया गया है।

अजय फाटक , ओषधि नियंत्रक ने बताया कि यह फर्म नकली एवं ग़ैर–मानक घोषित दवाओं टेबलेट विनसेट–एल एवं एल्गीविन–एम की बिक्री में संलिप्त पाई गई है। जो कि वाईएल फार्मा, बद्दी (हिमाचल प्रदेश) द्वारा निर्मित की गई हैं। टेबलेट विनसेट–एल दवा की जांच के दौरान कोमल रूपचंदानी , ओषधि नियंत्रण अधिकारी को जाँच के दौरान फर्म के एक पूर्व भागीदार गिरिराज अजमेरा ने बताया कि उन्होंने वर्ष 2019 में जी के एंटरप्राइजेज से अपनी भागीदारी छोड़ दी थी।

औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम, 1940 एवं नियम, 1945 के अनुसार, फर्म की संरचना में परिवर्तन होने पर 03 माह के भीतर नया लाइसेंस प्राप्त करना अनिवार्य होता है। किंतु शेष भागीदार खेमचंद द्वारा अब तक किसी प्रकार का लाइसेंस प्राप्त नहीं किया गया ।इस आधार पर डीसीओ कोमल रूपचंदानी एवं अशोक कुमार मीणा की टीम ने खेमचंद के विरुद्ध बिना लाइसेंस संचालित औषधीय गतिविधियों का प्रकरण दर्ज किया है।

राजस्थान गृह रक्षा का 63वां स्थापना दिवस समारोह सम्पन्न

जयपुर, 06 दिसंबर (एजेंसियां)। देश की आंतरिक सुरक्षा और नागरिक सहायता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले गृह रक्षा विभाग का 63वां स्थापना दिवस केन्द्रीय प्रशिक्षण संस्थान, गृह रक्षा जयपुर में पूरे उत्साह के साथ मनाया गया। इस राज्य स्तरीय कार्यक्रम में विभागीय अधिकारियों, कर्मचारियों और स्वयंसेवकों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। मुख्य अतिथि ने ली परेड की सलामी कार्यक्रम की मुख्य अतिथि महानिदेशक एवं महासमादेष्टा गृह रक्षा मालिनी अग्रवाल ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया और भव्य परेड की सलामी ली। इस अवसर पर निदेशक, केन्द्रीय प्रशिक्षण संस्थान गृह रक्षा द्वारा भारत सरकार के गृह मंत्री एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह, विभागीय मंत्री बाबूलाल खराड़ी और अन्य गणमान्य व्यक्तियों द्वारा भेजे गए प्रेरक संदेशों का पठन किया गया।

मुख्य अतिथि अग्रवाल द्वारा विभाग में उत्कृष्ट कार्य करने वाले जाँबाज़ अधिकारियों और कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। वर्ष 2024 के लिए भारत सरकार गृह मंत्रालय नई दिल्ली से घोषित डीजीसीडी कमेन्डेशन डिस्क एवं सर्टिफिकेट प्रदान किए गए। समादेष्टा स्वाति शर्मा को सिल्वर डिस्क मय प्रशस्ति पत्र, जबकि प्लाटून कमाण्डर सत्यनारायण देवड़ा को ब्रॉन्ज डिस्क मय प्रशस्ति पत्र से नवाजा गया। इसके अतिरिक्त चार अन्य कर्मचारियों व स्वयंसेवकों को भी ब्रॉन्ज डिस्क प्रदान किए गए।

स्थापना दिवस 2025 के अवसर पर डीजी गृह रक्षा अग्रवाल ने कुल 21 अधिकारियों, कार्मिकों और स्वयंसेवकों को महानिदेशक प्रशस्ति पत्र एवं प्रशस्ति डिस्क से सम्मानित किया। इसमें 03 अधिकारियों, 06 कार्मिकों, और 04 स्वयं सेवकों को डिस्क मय प्रशस्ति पत्र दिया गया, जबकि 08 मंत्रालयिक कार्मिकों को प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया।

स्थापना दिवस की पूर्व संध्या पर राजस्थान के लिए गर्व की बात रही कि गृह मंत्रालय भारत सरकार नई दिल्ली द्वारा 05 अधिकारियों सहित कुल 09 कार्मिकों के लिए राष्ट्रीय स्तर के पदकों की घोषणा की गई।

नागरिक–पुलिस सहयोग : मजबूत पुलिसिंग की नींव

जयपुर, 06 दिसंबर (एजेंसियां)। महानिदेशक पुलिस राजीव कुमार शर्मा और अतिरिक्त महानिदेशक कम्युनिटी पुलिसिंग लता मनोज कुमार के विशेष निर्देशन पर जागरूकता अभियान जारी है। इसी श्रृंखला में जयश्री पेड़ीवाल हाई स्कूल के वरिष्ठ छात्र–छात्राओं के लिए सेल्फ–डिफेंस एवं कम्युनिटी पुलिसिंग पर एक अत्यंत उपयोगी सत्र आयोजित किया गया। इस सत्र का नेतृत्व राजस्थान पुलिस की अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, कम्युनिटी पुलिसिंग सुनीता मीना ने किया।

एएसपी मीना ने छात्रों को व्यक्तिगत सुरक्षा के संबंध में महत्वपूर्ण सुझाव दिए, जिसमें कानूनी जागरूकता और सतर्कता शामिल थी। उनकी टीम ने छात्रों को केवल जानकारी ही नहीं दी, बल्कि आत्मरक्षा के व्यावहारिक तरीकों का जीवंत प्रदर्शन भी किया। इस प्रेरणादायक सत्र का उद्देश्य छात्रों को सतर्क, आत्मविश्वासी और जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए प्रोत्साहित करना था।

सत्र का मुख्य आकर्षण विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत किया गया भूमिका–अभिनय रहा। विद्यार्थियों ने ग्राम रक्षक, सुरक्षा सखी, स्टूडेंट पुलिस कैडेट, कम्यूनिटी लाइज़न समुह सदस्य और पुलिस मित्र जैसे सामुदायिक पुलिसिंग के महत्वपूर्ण घटकों का सफल अभिनय कर नागरिक–पुलिस सहयोग की आवश्यकता और महत्व को दर्शाया। इस प्रस्तुति ने सामुदायिक पुलिसिंग की अवधारणा को छात्रों के बीच और भी गहरा किया।

कोटपूतली–बहरोड़ जिला स्पेशल टीम की कार्रवाई

30,000 रुपये इनामी 5 वांछित अपराधी गिरफ्तार

कोटपूतली–बहरोड़, 06 दिसंबर (एजेंसियां)। जिला स्पेशल टीम कोटपूतली–बहरोड़ ने थाना बानसूर के विभिन्न प्रकरणों में लंबे समय से फरार चल रहे कुल 30,000 रुपये इनामी पांच अपराधियों को गिरफ्तार करने में महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। इनमें 5,000–5,000 रुपये के चार तथा 10,000 रुपये का एक इनामी अपराधी शामिल है। जिला पुलिस अधीक्षक देवेंद्र कुमार बिश्नोई द्वारा लंबे समय से फरार चल रहे इनामी अपराधियों को जल्द गिरफ्तार करने के निर्देश दिए गए थे। इन निर्देशों की पालना में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कोटपूतली नाजिम अली के सुपरविजन में डीएसटी प्रभारी अंकित सामरिया व उनकी टीम ने गुप्त सूचना एकत्र कर तकनीकी संसाधनों की मदद से आरोपियों की तलाश की। टीम ने कड़ी मेहनत करते हुए सभी पांचों इनामी अपराधियों को दस्तयाब कर थाना बानसूर पुलिस के सुपुर्द कर दिया।

कार्यकर्ताओं का उत्साह और समर्पण संगठन का आधार : बड़ौली

चंडीगढ़, 06 दिसंबर (एजेंसियां)। भाजपा की रविवार को कैथल में बड़ी बैठक होगी, जिसमें सरकार व संगठन से संबंधित महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। सुबह 11 बजे होने वाली बैठक को मुख्यमंत्री नायब सैनी, भाजपा प्रदेश प्रभारी डा. सतीश पूनिया, प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली, संगठन मंत्री फणीन्द्रनाथ शर्मा संबोधित करेंगे। कैथल के आरकेएसडी कॉलेज में होने वाली इस बैठक में वर्तमान में चल रहे कार्यक्रमों की समीक्षा होगी और आगे के कार्यक्रमों की योजना–रचना तैयार की जाएगी। स्वदेशी अभियान को घर–घर तक पहुंचाने की रणनीति पर विस्तृत चर्चा होगी और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत स्वदेशी रथ यात्रा को झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। बैठक में सभी जिलों के जिला अध्यक्ष, जिला प्रभारी, मोर्चों के अध्यक्ष, प्रदेश पदाधिकारी, आत्मनिर्भर भारत की प्रदेश टोली, आत्मनिर्भर भारत के लोकसभा संयोजक, सभी मंडलों के अध्यक्ष शामिल होंगे। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि इस महत्वपूर्ण बैठक में सरकार की योजनाओं व संगठनात्मक मुद्दों को लेकर विस्तृत चर्चा की जाएगी। उन्होंने कहा कि भाजपा का लक्ष्य स्वदेशी अभियान को घर–घर तक पहुंचाने का है। इस बैठक में सभी कार्यकर्ताओं से स्वदेशी अभियान को और गति देने पर भी चर्चा होगी। बड़ौली ने कहा कि नायब सैनी सरकार ने अनेकों जनकल्याणकारी योजनाएं प्रदेश में चलाई हुई है। इन योजनाओं का लाभ हर पात्र व्यक्ति को मिल रहा है। उन्होंने कहा कि मोदी और नायब सैनी सरकार की योजनाओं से कोई वंचित ना रहे इसके लिए भी कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं का उत्साह और समर्पण संगठन का आधार है। कार्यकर्ताओं के अथक परिश्रम और असीम समर्पण ही प्रत्येक अभियान की प्रेरक शक्ति है।

बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ हर घर स्वदेशी, घर–घर स्वदेशी अभियान के तहत स्वदेशी अपनाने और उसे अपने जीवन का हिस्सा बनाने को लेकर संकल्पित है।

नैक रेटिंग बहाल होना जेजेपी और छात्रों की बड़ी जीत : दुष्यंत

चंडीगढ़, 06 दिसंबर (एजेंसियां)। जननायक जनता पार्टी द्वारा एमडीयू रोहतक की नैक रेटिंग का मुद्दा उठाए जाने के बाद अब नैक रेटिंग को बहाल कर दिया गया है। शुक्रवार को नैक द्वारा जारी पत्र के जरिए नई रेटिंग प्रणाली तक बहाली के आदेश दिए गए। हरियाणा के पूर्व उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने इसे जेजेपी और छात्रों की बड़ी जीत बताया है। इसके लिए उन्होंने प्रदेश के राज्यपाल प्रो. असीम घोष का भी आभार व्यक्त किया हैं। दुष्यंत चौटाला ने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि जेजेपी और छात्र संगठन इनसो द्वारा एमडीयू रोहतक की नैक ग्रेडिंग मामले को उठाने के बाद अब नैक निदेशक ने पत्र जारी करके देशभर के सभी विश्वविद्यालयों को नैक रैटिंग अपग्रेडेशन करवाने का सुनहरा अवसर दिया है। उन्होंने कहा कि एमडीयू के करीब डेढ़ लाख विद्यार्थियों के हित का मुद्दा हमारे द्वारा प्रभावी ढंग से उठाया गया, तभी इस मामले में हुए एक्शन का लाभ अब देश भर के करोड़ों विद्यार्थियों को होगा। पूर्व डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला ने ये भी कहा कि इस पूरे मामले में एमडीयू रोहतक प्रशासन की भूमिका बेहद निराशाजनक रही। उन्होंने कहा कि मार्च 2024 से लाखों विद्यार्थियों को ए–प्लस ग्रेड का हवाला देकर गुमराह किया जाता रहा, जबकि नैक ने समय पर ग्रेडिंग आवेदन न करने पर पहले ही चेतावनी दे दी थी। दुष्यंत चौटाला ने कहा कि आवश्यक कदम न उठाकर एमडीयू प्रशासन ने विद्यार्थियों के भविष्य को गंभीर संकट में डाल दिया था, ऐसे में सौभाग्य से हमारी छात्र इकाई ने समय रहते आवाज उठाई, वरना बड़ा नुकसान हो सकता था। उन्होंने कहा कि जेजेपी हमेशा विद्यार्थियों के हित में मजबूती से खड़ी है और आगे भी खड़ी रहेगी। दरअसल, दो दिसंबर को दुष्यंत चौटाला के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने इस संबंध में राज्यपाल को ज्ञापन सौंपा था।

हरियाणा के सभी सरकारी भवनों पर रूफटॉप सोलर पैनल लगाएं : सैनी

चंडीगढ़, 06 दिसंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने निर्देश दिए कि राज्य के सभी सरकारी भवनों–जैसे स्कूल, कॉलेज, अस्पताल, कार्यालय, गोदाम आदि–पर रूफटॉप सोलर सिस्टम लगाए जाएं, ताकि राज्य को हरित ऊर्जा की ओर तेजी से अग्रसर किया जा सके। मुख्यमंत्री सिविल सचिवालय में ऊर्जा (पावर) क्षेत्र से संबंधित बजट घोषणाओं की उच्च–स्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना की प्रगति की समीक्षा की और अधिकारियों को राज्य में घर–घर रूफटॉप सोलर सिस्टम लगाने के कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने योजना के मासिक उपलब्ध आँकड़ों की भी जानकारी ली और सख्त मॉनिटरिंग और जवाबदेही सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए।

इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने राज्यभर में बड़े पैमाने पर अक्षय ऊर्जा के लिए सोलर पार्क विकसित करने के निर्देश दिए। उन्होंने राज्य की प्रमुख सड़कों और राजमार्गों से पुराने और खराब बिजली खंभों को तुरंत हटाने के भी आदेश दिए, ताकि सार्वजनिक सुरक्षा बढ़े और सड़क सौंदर्य में सुधार हो।

हरियाणा पॉवर जनरेशन कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचपीजीसीएल) के चेयरमैन श्यामल मिश्रा ने बताया कि 20 नवंबर 2025 तक राज्य में 42,486 रूफटॉप सोलर इंस्टॉलेशन पूरे किए जा चुके हैं। 31 मार्च 2027 तक 2,22,000 रूफटॉप सोलर सिस्टम लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उन्होंने कहा कि डिस्कॉम ने 'सौर ऊर्जा प्रोत्साहन योजना' नाम से एक नई स्कीम भी तैयार की है, जो मुख्यतः राज्य सरकार के कर्मचारियों और नियमित रूप से बिजली बिल जमा करवाने वाले उपभोक्ताओं के लिए है। योजना को राज्य सरकार के अनुमोदन हेतु भेजा गया है और वर्तमान में विचाराधीन है। इसके लागू होने पर, राज्य में रूफटॉप सोलर को लगवाने का कार्य तेजी से बढ़ेगा और निर्धारित आरटीसी लक्ष्यों को प्राप्त करने में बड़ी मदद मिलेगी। मुख्यमंत्री ने बैठक में निर्देश देते हुए कहा कि राज्य में प्रत्येक घर तक निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए ऊर्जा क्षेत्र के सभी लक्ष्यों को निर्धारित समय सीमा में पूरा किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, ऊर्जा सुरक्षा आर्थिक विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। हर लंबित परियोजना को बिना देरी के आगे बढ़ाया जाए। बैठक में विभाग के अधिकारियों ने बताया कि हरियाणा में अगले 7 वर्षों में 24,000 मेगावाट बिजली उपलब्धता सुनिश्चित कर 100% उपभोक्ताओं को निर्बाध बिजली आपूर्ति उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा गया है। मुख्यमंत्री को बताया गया कि यमुनानगर में 800 मेगावाट अल्ट्रा–सुपरक्रिटिकल थर्मल यूनिट का कार्य बीएचईएल के सहयोग से शुरू हो गया है। बैठक में मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव राजेश खुल्लर, मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी, एचपीजीसीएल के एमडी डॉ. साकेत कुमार, यूएचबीवीएन के एमडी मनीराम शर्मा तथा ऊर्जा विभाग एवं डिस्कॉम के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

एनडीए की जीत के बाद मैराथन बैठक करेगी भाजपा

पटना/एजेंसियां।
बिहार विधानसभा चुनाव में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की शानदार जीत के बाद अब भारतीय जनता पार्टी एक बड़ी बैठक का आयोजन करने जा रही है। यह बैठक राज्य के नेताओं और कार्यकर्ताओं को समर्पित रहेगा। तीन दिन यानी 8, 9 और 10 दिसंबर तक तक चलने वाली इस बैठक में भारतीय जनता पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के लोग क्षेत्रीय नेताओं और कार्यकर्ताओं का आभार तो जताएगी ही साथ ही जश्न भी मनाएगी। हालांकि इसके पीछे का एक मकसद आगामी 5 वर्ष के योजनाओं पर विचार विमर्श करना भी है। इसके लिए भी रणनीति तैयार की जाएगी। बताया जाता है कि इस बैठक में भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष डॉ दिलीप जायसवाल, क्षेत्रीय संगठन महामंत्री श्री नागेंद्र समेत पार्टी के वरिष्ठ अधिकारी, क्षेत्रीय प्रभारी प्रभारी, जिला प्रभारी जिला, अध्यक्ष, महामंत्री, विधानसभा प्रभारी और संयोजक समेत कई नेता और कार्यकर्ता इस बैठक में शामिल होंगे। विधानसभा चुनाव के दौरान जो नेता पार्टी से नाराज हो गए थे उन्हें भी इस बैठक में बुलावा भेजा गया है। बैठक क्षेत्र वार तय किया गया है। 8 दिसंबर को मिथिला और तिरहुत क्षेत्र के जिलों की बैठक मुजफ्फरपुर पश्चिमी जिला कार्यालय में होगी। वही 9 दिसंबर को पटना मुंगेर शाहाबाद और मगध क्षेत्र की बैठक पटना के प्रदेश कार्यालय में होगी। वही 10 दिसंबर को कोसी सीमांचल और अंग प्रदेश के क्षेत्र की बैठक पूर्णिया स्थित जिला भाजपा कार्यालय में होगी। इससे पहले गुरुवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में जीते हुए विधायकों की महा बैठक हुई थी करीब 2 घंटे तक पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने विधायकों के साथ बैठक की थी। इसमें वरिष्ठ नेता बीएल संतोष, प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल, दोनों डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी, विजय सिंह, स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय, पथ निर्माण मंत्री नितिन नवीन, विधायक संजीव चौरसिया, समेत कई दिग्गज नेता शामिल हुए थे।

घर में घुसकर एक लाख की रंगदारी मांगने पर निगमकर्मी और परिवार की पिटाई

मुजफ्फरपुर/एजेंसियां।
जिले के नगर थाना क्षेत्र के बहालखाना रोड में शुक्रवार की शाम हड़कंप मच गया, जब कथित प्रोटेक्शन गैंग के बदमाशों ने एक नगर निगम के सफाईकर्मी के घर में घुसकर रंगदारी मांगने के लिए मारपीट कर दी। पीड़ित के अनुसार, रंगदारी के एक लाख रुपये नहीं देने पर बदमाशों ने उसकी मां और बहन से भी मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। घटना के बाद स्थानीय लोगों की भीड़ जमा हो गई और लोगों ने आरोपितों की गिरफ्तारी तथा सुरक्षा की मांग करते हुए हंगामा किया। सूचना पर पहुंची डायल 112 की टीम ने लोगों को समझाकर शांत कराया। पीड़िता मंजू देवी ने बताया कि उनका बेटा सत्यम मल्लिक नगर निगम में सफाईकर्मी है। शाम में महाराजी पोखर का एक बदमाश अपने करीब दस साथियों के साथ घर पर धावा बोलकर गाली-गलौज करने लगा और फिर मारपीट की। नगर थाना प्रभारी कमलेश कुमार ने बताया कि मामले की शिकायत दर्ज कर ली गई है। आरोपियों की पहचान कर छापेमारी की जा रही है। पुलिस का कहना है कि दोषियों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा।

स्कॉर्पियो और स्कूल वैन की आमने-सामने टक्कर में कई लोग घायल

मुजफ्फरपुर/एजेंसियां।
जिले के सदर थाना क्षेत्र अंतर्गत मधुबनी पताही फोर लेन पर शुक्रवार सुबह एक बड़ा सड़क हादसा हो गया। एक स्कूल वैन और स्कॉर्पियो की आमने सामने की टक्कर में एक दर्जन से अधिक लोग घायल हो गए। घायलों को उपचार के लिए एसकेएमसीएच भेजा गया है। हादसा पताही एनएच 28 फोर लेन के पास हुआ। जानकारी के अनुसार हथौड़ी थाना क्षेत्र के सभी लोग अपने एक रिश्तेदार के श्राद्ध कर्म के लिए पहलेजा घाट स्नान करने जा रहे थे। इसी दौरान सामने से

आ रही स्कूल वैन से उनकी स्कॉर्पियो की भीषण टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि स्कॉर्पियो बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि स्कूल वैन बच्चों को लेने जा रही थी और हादसे के समय उसमें चालक के अलावा कोई बच्चा नहीं था। बताया जा रहा है कि वैन रॉन्ग लेन में थी, जबकि तेज रफ्तार भी हादसे की बड़ी वजह बनी। जिला परिवहन विभाग के अधिकारी सत्येंद्र यादव ने बताया कि दुर्घटना तेज रफ्तार के कारण हुई है। विभाग द्वारा रफ्तार पर नियंत्रण के लिए लगातार निर्देश दिए जा रहे हैं। साथ ही सड़क सुरक्षा और जन जागरूकता अभियान भी चलाया जा रहा है। एनएच पर स्पीड ब्रेकर निर्माण कार्य में तेजी लाने को लेकर भी एनएचएआई को निर्देशित किया गया है।

नालंदा में खाटू श्याम मंदिर निर्माण रोकने पर विवाद

नालंदा/एजेंसियां।
बिहारशरीफ शहर के एनएच 20 स्थित बैंक कॉलोनी में बन रहे जिले के पहले भव्य खाटू श्याम मंदिर के निर्माण कार्य में बाधा डालने और मजदूरों के साथ मारपीट का मामला सामने आया है।

शुक्रवार को कुछ लोगों ने निर्माणाधीन स्थल पर पहुंचकर चहारदीवारी का काम रुकवा दिया, मजदूरों को भगा दिया और निर्माण सामग्री को नुकसान पहुंचाया। इस घटना के विरोध और आगे की रणनीति तय करने के लिए शनिवार को मंदिर स्थल पर श्याम भक्तों ने एक 'शांति

बैठक' का आयोजन किया। ज्ञात हो कि इस मंदिर की नींव 1 दिसंबर (सोमवार) को रखी गई थी और यहाँ 180 फीट ऊंचा भव्य मंदिर बनाने की योजना है। बैठक के दौरान श्याम भक्त नीतीश कुमार ने स्पष्ट संदेश दिया कि वे किसी भी विवाद के पक्ष में नहीं हैं। उन्होंने कहा कि हमारा संदेश साफ है। यदि कोई दावा करता है कि जमीन उनकी है, तो वे प्रशासन या सीओ के पास रसीद, एलपीसी या अन्य दस्तावेज दिखा दें। अगर जमीन उनकी निकली, तो हम मंदिर नहीं बनाएंगे। लेकिन बिना कागज के गुंडागर्दी करना गलत है। उन्होंने कहा कि यह मंदिर किसी एक व्यक्ति का नहीं, बल्कि 500 परिवारों के सहयोग (तन, मन और धन) से बन रहा है। यह कोई कब्जा करने का रास्ता नहीं, बल्कि जनकल्याण का रास्ता है। उन्होंने विरोध करने वालों से अपील की कि वे बाबा के शरण में आएं, उन्हें सद्बुद्धि मिले और वे भी इस पुण्य कार्य में एक ईंट रखकर सहयोग करें। स्थानीय भक्त पुरुषोत्तम कुमार ने बताया कि शुक्रवार को कुछ लोगों ने आकर मंदिर निर्माण कार्य को नुकसान पहुंचाया। उन्होंने कहा कि असामाजिक तत्वों ने छड़ को अव्यवस्थित कर दिया और लगी हुई ईंटों को फोड़ दिया। मोहल्लेवासी चाहते हैं कि यहाँ बाबा का मंदिर बने। आज की बैठक का उद्देश्य यही था कि शांतिपूर्ण तरीके से आगे का काम कैसे किया जाए। भक्तों ने प्रशासन से भी मांग की है कि अगर किसी के पास जमीन के कागजात हैं तो उसकी जांच हो, अन्यथा धार्मिक कार्य में बाधा डालने वालों पर कार्रवाई की जाए।

ट्रक की टक्कर से टूटा बिजली तार, करंट लगने से छात्रा की मौत

मुजफ्फरपुर/एजेंसियां।
जिले के सरैया थाना क्षेत्र में शनिवार की सुबह एक दर्दनाक हादसा हो गया। स्कूल जा रही छात्राओं के ऊपर टूटी बिजली की तार गिरने से एक छात्रा की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गईं। घटना के बाद पूरे गांव में अफरातफरी का माहौल बन गया। यह हादसा सरैया इलाके के बहिलवारा रूपनाथ दक्षिणी पंचायत के शंकर टोला के पास हुआ, जो मुजफ्फरपुर और वैशाली जिले की सीमा पर स्थित है। जानकारी के मुताबिक, रोज़ की तरह गांव की करीब आधा दर्जन छात्राएं सड़क से होकर

स्कूल जा रही थीं। इसी दौरान तेज रफ्तार से आ रहे एक अज्ञात ट्रक ने सड़क किनारे खड़े बिजली के खंभे को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि खंभे से जुड़े बिजली के तार टूटकर सीधे छात्राओं पर जा गिरे। तार गिरते ही बिजली के करंट की चपेट में आने से मौके पर चीख पुकार मच गई। स्थानीय लोगों ने आनन फानन में सभी बच्चियों को उठाकर अस्पताल पहुंचाया। हादसे में सुबोध पासवान की 9वीं कक्षा में पढ़ने वाली पुत्री विंध्यांचली कुमारी की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं रितिका कुमारी, अंशु कुमारी और दिव्या कुमारी घायल हो गईं। सभी घायलों का इलाज सरैया प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में चल रहा है। मृतक छात्रा के घर में कोहराम मचा हुआ है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है और पूरे गांव में मातम पसरा है। घटना की सूचना मिलते ही सरैया थाना पुलिस मौके पर पहुंची। थानेदार सुभाष मुखिया ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि पुलिस टीम जांच में जुटी है। मृतका के शव को पोस्टमार्टम के लिए एसकेएमसीएच भेजा जा रहा है और मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

पुलिस अधीक्षक कार्यालय के बाहर महिला ने अपनी नस काटी

समस्तीपुर/एजेंसियां।
समस्तीपुर के दलसिंहसराय उपकारा के सहायक जेल अधीक्षक आदित्य कुमार की कथित पत्नी अमृता कुमारी ने न्याय न मिलने से आहत होकर शनिवार को समस्तीपुर एसपी कार्यालय के बरामदे में अपनी कलाई की नस काटकर आत्महत्या का प्रयास किया। घायल अवस्था में उन्हें महिला पुलिस ने तुरंत सदर अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उनका इलाज चल रहा है।

अमृता कुमारी, जो नवादा जिले की रहने वाली हैं और दो बच्चों की मां हैं, पिछले तीन दिनों से लगातार एसपी अरविंद प्रताप सिंह के जनता दरबार में अपनी शिकायत लेकर पहुंच रही थीं। उन्हें पिछले दो दिनों से रात में बन स्टेप गृह में ठहराया जा रहा था। शनिवार को भी वह अपने दोनों बच्चों के साथ एसपी कार्यालय पहुंचीं, पर मुलाकात नहीं हो पाई। इसके बाद उन्होंने ब्लेड से अपनी बाईं कलाई की नस काट ली। अमृता ने बताया कि 2022 में गया स्थित विष्णुपद मंदिर में आदित्य कुमार से उनकी शादी हुई थी और वे पति-पत्नी की तरह साथ रहते थे। लेकिन आदित्य कुमार के समस्तीपुर ट्रांसफर होने के बाद उनका व्यवहार अचानक बदल गया।
अमृता का आरोप है कि आदित्य अब उन्हें पत्नी मानने से इनकार कर रहे हैं। महिला ने बताया कि वह दो बच्चों के साथ पिछले दो दिनों से आदित्य कुमार के सरकारी आवास में रह रही थीं, लेकिन एक दिसंबर को उनके ससुर दिलीप सिंह ने पुलिस बुलाकर उन्हें आवास से मारपीट कर भगा दिया। इसके बाद से वह लगातार जिला पुलिस कप्तान के पास न्याय की गुहार लगाने पहुंच रही थीं। दलसिंहसराय थानाध्यक्ष इरशाद अहमद ने बताया कि अमृता कुमारी के आवेदन पर थाने में मामला दर्ज कर लिया गया है। डॉक्टरों ने कहा कि घायल महिला की कलाई में टांके लगाए गए हैं और इलाज जारी है।

करंट लगने से युवक की मौत

पटना/एजेंसियां।
नालंदा में शुक्रवार की सुबह करंट के संपर्क में आने से एक युवक की मौत हो गई। मामला राजगीर थाना क्षेत्र के मोरा गांव का है। मृतक मोरा गांव के रहने वाले रामदेव तांती के बेटे (40) दीपलाल तांती हैं। घटना के संबंध में गांव घर के भाई नीरज कुमार तांती ने बताया कि दिलीप तांती अपने घर के बाथरूम में नहाने के लिए गए। जहां पूर्व से करंट प्रवाहित तार बाथरूम के दरवाजे में सटा हुआ था। जिसके संपर्क में आने से मनोज तांती आ गए और करंट के झटके से गिर पड़े, जिससे उनका सिर फट गया। घर के बच्चों ने आकर बाहर जानकारी दी इसके बाद मनोज तांती को इलाज के लिए राजगीर अनुमंडलीय अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां से बेहतर इलाज के लिए उन्हें पावापुरी मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया।

जहां इलाज के क्रम में उनकी मौत हो गई। दरअसल चूहे ने बिजली का तार काट दिया था जो बाथरूम के दरवाजे के संपर्क में आया था। जिसे छूते ही मनोज तांती झटके से दूर जा गिरे, मनोज तांती की मौत की पुष्टि के बाद परिजनों में कोहराम मच गया। मृतक की दो छोटी-छोटी बच्चियां हैं। वहीं इस मामले में राजगीर थाना अध्यक्ष रमन कुमार ने बताया कि करंट से मौत की सूचना पर पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए बिहार शरीफ मॉडल अस्पताल भेज दिया गया। आवेदन मिलने पर अग्रिम कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

पछुआ हवा ने बढ़ाई कनकनी, पारा सात डिग्री तक नीचे चला गया

पटना/एजेंसियां।
बिहार के कई जिलों में कनकनी बढ़ गई है। सर्द पछुआ हवा ने ठंड बढ़ा दी है। मौसम विभाग ने कहा कि अगले दो दिनों में ठंड और बढ़ेगी। पिछले 24 घंटे में न्यूनतम तापमान गिरकर सात डिग्री (औरंगाबाद) तक चला गया है। इसमें और गिरावट आने के आसार हैं। शनिवार सुबह भी बेगूसराय, खगड़िया, मुंगेर, भागलपुर, बांका, पूर्णिया, कटिहार, किशनगंज, अररिया के कुछ इलाकों में कोहरा देखने को मिला। हालांकि, पछुआ हवा चलने से कोहरा सुबह नौ बजे तक लगभग छंट गया। धूप निकलने से लोगों ने राहत की सांस ली। मौसम विभाग ने लोगों

को सावधानी बरतने की अपील की है। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि पछुआ हवा के सक्रिय होने से अगले 48 घंटों में न्यूनतम तापमान में दो से चार डिग्री तक की और गिरावट आ सकती है। ऐसे में सुबह और रात की ठिठुरन और बढ़ेगी। मौसम विभाग के अनुसार, अगले सात दिनों तक राज्य में मौसम शुष्क बने रहने की संभावना है। आने वाले दो दिनों में एक दो स्थानों पर हल्के से मध्यम कोहरे की स्थिति बन सकती है। अधिकतम तापमान में अगले चार से पांच दिनों तथा न्यूनतम तापमान में अगले तीन-चार दिनों तक कोई खास बदलाव की उम्मीद नहीं है। दिन में हल्की धूप और रात में ठंड का असर इसी तरह जारी रहने का अनुमान है। बिहार में बीते 24 घंटों के दौरान मौसम पूरी तरह शुष्क रहा। राज्य में सबसे अधिक तापमान 28.2 डिग्री सेल्सियस मोतिहारी (पूर्वी चंपारण) में दर्ज किया गया, जबकि अधिकतम तापमान 24.1 से 28.2 डिग्री सेल्सियस के दायरे में रहा। रात का पारा गिरावट के साथ नीचे गया और सबसे कम न्यूनतम तापमान 7.3 डिग्री सेल्सियस औरंगाबाद में रिकॉर्ड किया गया। कई जिलों में न्यूनतम तापमान एक से तीन डिग्री तक नीचे आया।

हत्या के दोषी को आजीवन कारावास की सजा

मधुबनी/एजेंसियां।
जिला अपर सत्र न्यायालय प्रथम सह विशेष न्यायालय (एससी, एसटी) ने एक हत्या के मामले में सुनवाई पूरी करते हुए आरोपी नरेश यादव को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही उस पर 10,000 का अर्थदंड भी लगाया गया है। न्यायालय ने आरोपी को भारतीय दंड संहिता की धारा 302 तथा एससी/एसटी एक्ट की संबंधित धाराओं के तहत दोषी करार दिया। विशेष लोक अभियोजक सपन कुमार सिंह ने घटना के संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि घटना के दिन सूचक का भांजा सुशील कुमार साफी अपने आंगन में मौजूद था। उसी दौरान आरोपी नरेश यादव अपनी पत्नी के साथ वहां पहुंचा और सुशील पर 4,000 चोरी करने का आरोप लगाते हुए उसके

साथ मारपीट करने लगा। मारपीट के दौरान आरोपी ने लाठी से सुशील के सिर पर वार किया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल सुशील को इलाज के लिए दरभंगा के डीएमसीएच ले जाया गया, जहां से हालत गंभीर होने पर उसे पीएमसीएच पटना रेफर किया गया। इलाज के दौरान उसकी मृत्यु हो गईइस मामले में मृतक के मामा दिनेश कुमार ने बिस्फी पतौना थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई थी, जिसके बाद यह मामला न्यायालय में विचाराधीन हुआ। सजा सुनाए जाने के बाद मृतक के परिजनों ने इसे न्याय की जीत बताया और कोर्ट के फैसले पर संतोष व्यक्त किया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरि जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com